हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

29 जनवरी, 1999

खण्ड 1, अंक 2

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भ्रुक्रवार, 29 जनवरी, 1999

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(2)1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(2)19
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(2)38
ध्यानाकर्शण प्रस्तावों की सूचनाएं	(2)52
केन्द्र सरकार द्वारा जन वितरण प्रणाली के माध्यम से वितरित की जा रही आव यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से सम्बन्धित मामला।	(2)53
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा	(2)55
वाक–आउट	(2)83
बैठक का समय बढ़ाना	(2)84
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)84
बैठक का समय बढ़ाना	(2)91
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)91

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 24 जून, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Sadana Minor

***794. Sh. Devraj Diwan:** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the canal water supplied to Mahara & Bhatana villages through Sonipat distributory Sadana Minor by Dehar Wali Mori No. 3600 and 3661 does not reach upto its tail; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to supply the water upto the tails of Mori No. 3600 and 3661.

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार):

(क) श्रीमान जी, नहीं बल्कि गांव माहरा तथा भटाना की भूमि को सोनीपत वित्रीका की मोरी नं0 3600–एल तथा 3661–एल द्वारा पानी की स्वीकृत क्षमता वितरित की जा रही है।

(ख) उपरोक्त (क) के अनुसार और कोई कार्यवाही की जरूरत नहीं है।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, उस रजवाहे में पिछले ढाई साल से पानी की एक भी बूंद नहीं गयी है। मैं कल तक के बारे में भी बता सकता हूं कि वहां पानी की एक भी बूंद नहीं पहुंची है फिर मंत्री जी पता नहीं कैसे कह रहे हैं कि उस रजवाहें में पानी है।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी जिस रजवाहे की बात कर रहे हैं। पहली बात तो यह है कि सिंचाई विभाग में इस नाम का कोई रजवाहा ही नहीं है। मोरी नं0 3600 तथा 3661 दोनों मोरियां सोनीपत डिस्ट्रीब्यूटरी की हैं। इनमें से मोरी नं0 3600 की क्षमता 35.57 क्यूसिक है। स्पीकर सर, दोनों मोरियों की जितनी कैपेसिटी है उतना पानी वहां हैड पर मिल रहा है।

श्री अध्यक्षः दीवान साहब, क्या आपने वहां पर जाकर देखा है कि इस नाम का वहां कोई माईनर है या नहीं ?

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, वहां पर माईनर है। मैंने स्वयं वहां पर जाकर देखा है। मुझे माहरा गांव के लोग वहां लेकर गए थे। पता नहीं मंत्री जी कैसे कह रहे हैं कि वहां पर पानी चल रहा है क्योंकि उस मोरी में पानी जाने से पहले ही खत्म हो जाता है।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने सडाना माईनर की बात कही है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि सडाना माईनर नहीं है बल्कि एक ड्रेन है जो माहरा गांव और सोनीपत डिस्ट्रीब्यूटरी के बीच से गुजरती है। अध्यक्ष महोदय, ये जिन मोरियों की बात कर रहे हैं उनें से एक मोरी की क्षमता 1.75

क्यूसिक और दूसरी मोरी की क्षमता 0.75 क्यूसिक की है। इन दोनों मोरियों में भाुरू से लेकर टेल एंड तक पूरा पानी चल रहा है। पिछले तीन साल के रिकार्ड के अनुसार एक मोरी की इरीगे ान 110 परसैंट और दूसरी मोरी की इरीगे ान 51 परसैंट रही है। यह जरूर है कि ये मोरियां टूटी पडी हैं लेकिन उनकी सफाई और मुरम्मत का काम वहां के उन किसानों का है जो इनके पानी से अपनी जमीन की सिंचाई करते हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे महकमे का काम सिर्फ इतना ही है कि हम हैड से लेकर टेल एंड तक पूरा पानी दें और वहां पर हैड से लेकर टेल एंड तक पूरा पानी चल रहा है।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि मैं स्पै ाली दो महीने पहले इनको देखकर आया हूं लेकिन वहां पर बिल्कुल भी पानी नहीं पहुंचा है। इसलिए मैं चाहता हूं कि मंत्री जी इसको दोबारा से चैक करवा लें।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने इन दोनों मोरियों में टेल तक पानी न पहुंचने की बात कही है इसका मतलब नहर में तो पानी आया है। यह बात तो ये मानते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं भी एक किसान हूं इसलिए मैं और देवराज जी दोनों मिलकर वहां पर चले जाएंगे और दोनों एक साथ उन मोरियों को चैक कर लेंगे और टेल तक पानी पहुंचा देंगे।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, ठीक है, मुझे इनकी बात मंजूर है।

Survey conducted for providing of Drinking Water

***798. Sh. Dhir Pal Singh:** Will the Minister for Public Health be pleased to state- whether the Bio-science department of Maharshi Dayanand University, Rohtak has conducted any survey for providing Potable water in Chhara, Bhaproda and Assanuda villages of district Jhajjar, if so, the details thereof, togetherwith the action taken thereon ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ): जन स्वास्थ्य विभाग के पास महर्शि दयानन्द वि व विद्यालय, रोहतक के जीव–विज्ञान विभाग से ऐसी कोई सर्वेक्षण रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह जो प्र न है इससे जुडा अत्यंत विचारणीय व गंभीर मामला है और लायक मंत्री जी ने अपनी रिप्लाई में यह कह कर टालने की कोि ा ा की है कि महर्शि दयानन्द वि वविद्यालय से रिपोर्ट विभाग के पास नहीं आई। जबकि वि वविद्यालय ने अपने लेवल पर जांच कराई है और उसमें यह द ार्िया गया है जिला झज्जर के ज्यादातर गांवों में कुओं और हैण्ड पम्पों का पानी पीने लायक नहीं है। आज हमारे इलाके की हालत यह है कि वहां कई अलग किस्म की बीमारियां पानी का स्तर गिरने से पैदा हो गई हैं। मंत्री जी ने अपनी रिप्लाई में केवल इतना कहा है कि विभाग को रिपोर्ट नहीं मिली। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या विभाग का दायित्व नहीं बनता था कि वि वविद्यालय से उस रिपोर्ट के बारे में कोई सलाह–म ाविरा करते। यदि इस बारे में विभाग द्वारा कोई कोताही हुई है तो भी बताएं ?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, वि वविद्यालय की तरफ से हमारे पास न तो कोई सूचना आई, न कोई रिपोर्ट और न ही छारा, भापडौदा तथा आसंडा गांवों के बारे में किसी ने लिखकर भेजा, न ही गांव वालों ने ही कुछ लिखा। वैसे सारे गांवों का हमारे पास सर्वेक्षण है कि कहां पर खारा पानी है, कहां पर नमकीन है। जहां तक खारे पानी का संबंध है सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, रोहतक, झज्जर, महेन्द्रगढ़ व रिवाड़ी इन आठ जिलों में जमीन के नीचे खारा पानी है उनके बारे में हम कोि ा कर रहे हैं कि कैनाल बेसड वाटर सप्लाई स्कीम से इन जिलों में 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पानी दें। जहां तक छारा गांव का सवाल है वहां 30–40 लीटर पानी की व्यवस्था है इस समस्या को दूर करने के लिए वर्श 1985 में काम भुरू हुआ था टैंक बना लेकिन वह छोटा पडता था उसकी बढौतरी के लिए काम कर रहे हैं लेकिन आपके ऐरिया के लोग इनलैट चैनल्ज को तोड देते हैं। और पानी अपने खेतों में लगा लेते हैं और आप जो वहां के नेता लोग हैं वहां के लोगों को समझाते नहीं हैं। हमें वहां की समस्याओं का पूरा–पूरा ध्यान है कि किस गांव में कितना पानी दें।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने पोलिटीकल स्टेटमैंट देने की कोि ा ा की है। ये इस बात से अवगत नहीं हैं कि चोरी तो तब होगी जब टेल पर पानी जाएगा। बादली हल्के में किसी भी नहर की टेल एंड पर पानी नही जाता है जब पानी जाएगा ही नहीं तो चोरी कहां से होगी ? मैं आपके द्वारा हाउस से गुजारि ा करता हूं कि आप एक कमेटी बना दें

जो कि बादली हल्के में जाकर देखे कि वहां कितनी टेल हैं और वर्तमान सरकार के बनने के बाद से कितनी टेलों में पानी मुहैया कराया है। पानी खारा तो है है, उसकी कोई बात नहीं लेकिन उसके अलावा टेलों में पानी में कई ऐसे गंभीर तत्व आ गए हैं जिससे चर्म रोग व दूसरी बीमारियां फैल रही हैं बदानी गांव का जिक्र मैं करना चाहूंगा वहां जगन नाथ जी का राज आने के बाद कभी भी टेल पर पानी नहीं गया। टयूबवैल्ज का पानी उस गांव की वाटर वर्क्स में डाला जाता है इस बात की आप इंक्वायरी करवा सकते हैं। उस पानी को पीने से इस गांव में चर्म के रोग बढ़ते जा रहे हैं।

श्री अध्यक्षः आप क्वै चन पूछिये।

श्री धीरपाल सिंहः मंत्री जी पोलिटिकल स्टेटमैंट दे रहे हैं मैं भी यही कहता हूं कि ये केवल अखबारों में ही खबर देते हैं। अध्यक्ष जी आप इस बात को गम्भीरता से लें।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, इस बारे में हम एग्जामिन करवायेंगे।

श्री धीरपाल सिंहः ठीक है, सर।

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, मैंने पिछले सै ान के दौरान भी यह बात कही थी कि मेरे हल्के में दो गांव खेड़ी और दिपालपुर हैं इन गांवों में टयूबवैल लगे हुए हैं लेकिन वे चालू नहीं किए गये हैं। इन गांवों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है उसके बारे में मंत्री जी ने क्या कदम उठाये हैं क्योंकि मेरे हल्के

में पानी की सतह काफी नीचे है। मेरे हल्के के 5–6 गांव जैसे छतेरा, नाहरी, माजरा इन गांवों के लोगों ने पीने के पानी का बंदोबस्त अपने आप किया है। जबकि इन को पानी नहीं मिल पा रहा है।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, मैम्बर साहब मुझे लिखकर दे दें उसके हिसाब से हम पता करवा लेंगे कि कहां पर गडबड है।

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान में भी मंत्री जी ने आ वासन दिया था कि उन गांवों के टयूवबैल्ज को चालू करवायेंगे। मैं इनको लिखकर भी दे दूंगा। मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध है कि इन गांवों में पानी की व्यवस्था करें।

श्री जगन नाथः आप लिखकर दे दें हम पानी की व्वयस्था करवा देंगे।

श्री बलवन्त सिंहः स्पीकर साहब, चौधरी धीरपाल सिंह जी का मेन क्वै चन यह था कि वि वविद्यालय से कोई सर्वेक्षण रिपोर्ट विभाग को मिली है या नहीं, मंत्री जी ने बगैर विभाग से पता लगाये कह दिया कि रिपोर्ट नहीं मिली है।

श्री अध्यक्षः इनके पास रिपोर्ट नहीं आई है।

श्री बलवन्त सिंहः विभाग से इनके पास यह इंफर्मे ान तो आई होगी कि रिपोर्ट उन्हें नहीं मिली है। यह बात तो मंत्री जी कह सकते हैं। उनका यह फर्ज बनता था कि वे विभाग से इस बारे में जानकारी प्राप्त करते और वहां से रिपोर्ट मंगवाते। यह तो

उनको कोई जवाब नहीं बनता। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि पीने के पानी की व्यवस्था ठीक तरह से नहीं है क्योंकि पुराने पाईप लगे हुए हैं जो जगह जगह से टूट हुये हैं।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, पीने के पानी के बारे में रिपोर्ट समय समय पर सारे राज्य से मंगाते रहते हैं जहां पर पोटेबल वाटर की कमी है और जहां पर पानी में कोई गडबड है वहां पर स्वास्थ्य विभाग और जन स्वास्थ्य विभाग को भी उसको ठीक करनके के लिए कहते रहते हैं। यह हम मानते हैं कि जहां पर कैनाल बेसड वाटर सप्लाई नहीं होती है, वहां पर पानी की कमी है। कई बार नहरों में बाढ का पानी भी डाला जाता है, उसमें गारा भी होता है और कैमिकल्स, फर्टीलाइजर की मिटटी भी होती है, जहां जहां पर इस तरह की गडबड है उसको हम फेजड मैनर में ठीक करवायेंगे और यह भी कोि ा ा करेंगे कि बाढ का पानी कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई वाली नहर में न डाला जाये।

श्री बलवन्त सिंहः जो पाईप टूटे हुये हैं उनमें बाहर का गंदा पानी चला जाता है।

श्री बंसी लालः उनको भी ठीक करवायेंगे।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, जो लोहे के पाईप टूट गये हैं उनको बदलवा देंगे।

श्री जसविन्द्र सिंह सिन्धूः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के के दो गांव गुमथला गढू जिसमें तीन पंचायतें हैं और डेराफतेहपुर जिसमें दो

पंचायतें हैं और एक गांव मदनपुर डेरा है इन तीनों गावों में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है। पिछले सै ान मैं भी मैंने इस बार सवाल किया था और मत्री जी ने कहा था कि लिख कर दो। जो बात पिछले सै ान में हुई हो उसके बारे में तो लिखकर देने की जरूरत नहीं पडनी चाहिए।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, मैं सभी माननीय सदस्यों को एक साथ जवाब कैसे दे सकता हूं। ये मुझे लिखकर दे दें तभी मैं कोई कार्यवाही कर सकता हूं।

श्री जसविन्द्र सिंह सिन्धूः अध्यक्ष महोदय, जो बात पिछले सै ान में आई हो उसके बारे में लिख कर देने की जरूरत नहीं पडनी चाहिये।

श्री रमे ा कुमारः अध्यक्ष महोदय, मेरे बरौदा हल्के में बरौदा गांव है जिसकी दो पंचायतें हैं और वह 17–18 हजार की आबादी का गांव है उसमें पानी की व्यवस्था नहीं है और बरौदा गांव की पंचायत मंत्री जी के पास आकर भी मिली थी, मंत्री जी ने एक्सीयन साहब को फोन भी किया था लेकिन अब तक उस गांव में पानी की व्यवस्था नहीं की गई है। पंचायत ने वहां पर पांच छः लाख रूपए लगा कर टयूबवैल लगाया हुआ है तो क्या मंत्री जी वहां पानी की व्यवस्था के लिए कुछ विचार करेंगे ?

श्री जगन नाथः मान्यवर, हम तो पहले से ही कर रहे हैं, मैंने एक्सीयन और एस0ई0 को टैलीफोन कर दिया था और इस बात को छः महीने हो गए हैं, उसके बाद तो कोई मेरे पास आया ही नहीं इसलिए मुझे क्या पता कि वहां पर पानी की दिक्कत

है। जो प्र न था वह तो छारा, भापडौदा और आसन्डा में पेयजल की व्यवस्था के सर्वेक्षण का था कि सर्वेक्षण हुआ या नहीं लेकिन माननीय सदस्यगण तो सारी स्टेट के बारे में सूचना मांगने लग गए कोई स्पेस्फिक क्वै ाचन होना चाहिये।

Cases of Rapes/Murders/Dacoity etc. registered in the State

***800. Sh. Sampat Singh, Capt. Ajay Singh Yadav:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the numhber of absconders in the State as on May 1, 1996 and at present;

(b) the number of cases of murders, rapes, kidnapping/abduction, dacoity, theft in general and of vehicles in particular, snatching of ornaments and vehicles registered in the State from April 1, 1998 todate; and

(c) the number of cases out of those as referred to in part (b) above in which the accused have been arrested/convicted and acquitted during the said period ?

Home Minister (Sh. Mani Ram Godara): A statement is laid on the Table of the House.

Statement

		As on 1-5-96	As on 31-12-98
(a)	Total number of absconders	6783	7371
(b)	Head of crime	Cases registered from 1-4-98	

		to 31-12-98		
	Murder	657		
	Rape	265		
	Kidnapping/abduction	409		
	Dacoity	66		
	Total Theft	4604		
	Vehicle theft	1991		
	Snatching of ornaments	204		
	Snatching of vehicles	132		
(c)	Head of Crime			
		Cases in which accused arrested	Cases in which accused convicted	Cases in which accused acquitted
	Murder	467	1	12
	Rape	240		10
	Kidnapping/abduction	292		5
	Dacoity	44		
	Total Theft	1783	22	8
	Vehicle theft	744	1	
	Snatching of ornaments	81		

	Snatching of vehicles	78		1

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, वैसे तो इन आंकडों से सारी स्थिति का पता लग जाता है लेकिन भगौडों की संख्या जो है 7371 हो चुकी है और ये लोग रोज क्राइम कर रहे हैं जिसकी वजह से अराजकता की स्थिति बनी हुई है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि जेल और पुलिस की हिरासत से भागे हुए लोगों की कितनी संख्या है ? जो वाहनों की चोरी व वाहन छीनने की घटनाएं हैं वे बहुत चौंकाने वाली हैं ? जिनकी नौ महीने में संख्या 2123 हो गई है। महीने की औसत निकालें तो 236 केस पर मन्थ हैं यानी 8 प्रतिदिन हैं, और इन केसिज में गिरफ्तारियां केवल 812 दिखाई गई हैं। मैं मंत्री महोदय से आपके माध्यम से यह पूछना चाहता हूं कि चोरी की गई वाहनों में से कितने वाहनों की रिकवरी हुई है क्यौंकि ये तो गिरफ्तारियां हैं जो एक तिहाई हुई हैं। इसी प्रकार स्पीकर सर, अपहरण, बलात्कार, हत्याएं और दूसरी डकैतियां ये सारे इतने केसिज हैं जिनमें रोज की दो, तीन और एक की औसत आ रही है। क्या इसके लिए कोई प्रबंध किया है, यह मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं।

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, आनरेबल मैम्बर ने सनेचिंग आफ व्हीकल्ज के बारे में पूछा है कि उनकी क्या स्थिति है, उस मामले के अंदर टोटल प्रोपर्टी के हिसाब से हम उसकी कीमत लगा रहे हैं।

श्री सम्पत सिंहः कि चीज की कीमत लगा रहे हैं ?

श्री मनीराम गोदारा: वहीकल्ज जितनी छीनी गई, उसकी कीमत लगा रहे हैं।

श्री सम्पत सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैंने दुकान या मकान का जिक्र नहीं किया है। मैंने प्रोपर्टी के बारे में सवाल नहीं किया है। मैंने तो सिर्फ यह प्र न किया है कि जेल या पुलिस हिरासत से कितने व्यक्ति भागे हुए हैं तथा जो वाहन चोरी हुए हैं उन केसिज में से केवल एक तिहाई केसिज में गिरफ्तारियां हुई हैं, लेकिन कुल कितने वाहनों की रिकवरी हुई है। इसी तरह से मैंने यह पूछा था कि इनकी रोकथाम के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं ?

श्री मनीराम गोदारा: अध्यक्ष महोदय, जो अपराधी पुलिस कस्टडी से भागे हैं, इस साल की उनकी संख्या 65 है।

श्री संपत सिंह: अध्यक्ष महोदय, मेन सवाल के जवाब में जो फिगर द ार्ई गई है उनमें से पूछ रहा हूं इस वर्श की नहीं पूछ रहा हूं।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, हमने जो डकैती की प्रोपर्टी रिकवर की है, उस की कीमत आंकी गई है– एक करोड 59 लाख रूपए।

श्री संपत सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैंने कीमत नहीं पूछी है। मैं तो यह पूछ रहा हूं कि जो वाहन चोरी हुए हैं या जो वाहन छीने गए हैं, उनकी रिकवरी की कुल संख्या कितनी है ?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, 85.21 प्रति ात की रिकवरी हुई है।

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने वाहनों की रिकवरी के बारे में पूछा है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, 1557 चोरी हुए वाहनों में से 645 वाहनों की रिकवरी हुई है।

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेन सवाल की रिप्लाई में 1991 वाहन चोरी हुए बताए गए हैं और 132 वाहन छीने गए हैं, ये कुल 2123 की संख्या बनती है, इनमें से कितने वाहनों की रिकवरी हुई है ? इन केसिज में गिरफ्तारियों के बारे में बता ही रखा है। मैं तो सिर्फ वाहनों की रिकवरी के बारे में पूछ रहा हूं। अगर इस समय तथ्य इनके पास नहीं हैं तो ये समय ले सकते हैं। (विघ्न) This is the position of the Government. This is the preparation of the Minister.

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, कुल 1991 वाहन चोरी हुए हैं। इनमें से 744 केसिज वर्क आउट हुए हैं। 859 केसिज अंडर इंवेस्टीगे ान हैं। 659 वाहन अंट्रेस्ड पाए गए हैं तथा 12 मामले रद्द कर दिए गए हैं। एक मामले में कंविक्ा ान हुई है। 460 मामले अंडर ट्रायल हैं।

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह नहीं पूछ रहा हूं कि कितनी गिरफ्तारियां हुई हैं और कितने केसिज सौल्व हुए हैं। मैं तो केवल चोरी हुए वाहनों की रिकवरी के बारे में पूछ रहा हूं।

श्री मनीराम गोदारा: अध्यक्ष महोदय, रिकवरी के बगैर कोई अरैस्ट नहीं होता है। (ोर)

श्री संपत सिंह: अध्यक्ष महोदय, यह कोई जवाब नहीं है। This is the most unfortunate situation if such type of answer is given by the senior Minister. (Interruptions)

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूं कि चोरी हुए वाहनों की रिकवरी की संख्या 645 है और छीने हुए वाहनों की संख्या 56 है लेकिन यह सूचना नोट फार दि पैड पर पूरी तरह से तैयार नहीं की गई है। इसके लिए मैं महकमे को जिम्मेवार मानता हूं। (Interruption) It should not be repeated. They have taken it in a casual way.

Sh. Sampat Singh: Sir, the serious matter is going on in the House. I am very thankful to the Chief Minister for his comments.

Mr. Speaker: Now the matter comes to an end.

Sh. Sampat Singh: Sir, whether it is to be postponed ? (Inerruptions) अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी कह रहे हैं कि यह सूचना कल तैयार हो जाएगी। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: लीडर ऑफ दि हाऊस ने सारी बात मान ली हैं। (विघ्न)

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी स्पीच में इसका जवाब दे दूंगा।

श्री सम्पत सिंहः सर, मैं मुख्य मंत्री साहब की बात को अप्रीसियेट करता हूं और इस पर बहस सोमवार को कर लेंगे। (ोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः सर, यह तो मुख्य मंत्री साहब स्वयं ही कह रहे हैं कि इस प्र न को सोमवार पर डैफर कर दो।

श्री अध्यक्षः इन्होंने यह नहीं कहा कि इस प्र न को सोमवार को डैफर कर दो, इन्होंने तो कहा है कि इसका जवाब बाद में दे देंगे। (ोर एवं व्यवधान) I request the Leader of the House to give reply when he will speak on Governor's Address.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, किडनैपिंग के 409 केस हुए, उनमें से केवल 292 केस ही रजिस्टर हुए। अध्यक्ष महोदय, रोहतक से एक मंत्री के पोते को ही किडनैप कर लिया गया। इस सरकार के एक मंत्री की कार भी सोनीपत से चोरी हो गई, अगर मंत्रियों की ही यह हालत है तो आम जनता का क्या होगा। (ोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जेल और पुलिस कस्टडी से कब कब और कितने लोग भागे हैं।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, जो लोग पुलिस कस्टडी या जेल से भागे हैं उनकी संख्या 1996 में 24 थी, 1997 में 61 थी और 1998 में 39 थी।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल पूरा नहीं हुआ है। (ोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Please do not disturb Capt. Ajay Singh. Capt. Ajay Singh ji, you also please ask direct question.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं एक तो मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जेल और पुलिस कस्टडी से कब और कितने लोग भागे हैं ? मेरा दूसरा सवाल यह है कि क्या सरकार ने इन मर्डर, रेप और डकैती आदि को रोकने के लिए फोरैंसिक और फिंगर प्रिंट एक्सपर्टस की व्यवस्था की है। व्हीकल आदि की चोरियां हो रही हैं उनको रोकने के लिए क्या कदम उठाये हैं ? जो कत्ल या रेप हो रहे हैं उनको कम करने के लिए पुलिस ने और हमारे माननीय गृह मंत्री महोदय ने क्या कदम उठाये हैं ?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, ये लैक्चर अपनी स्पीच में दे देंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिए सदन की सेवा में में बताना चाहता हूं कि मैंने जो पहले फिग्गर्ज बताई थी वे अरैस्टिड पर्सन्ज की बताई थी। The number of incidents of escape from Police custody and jails in 1996 is 27, in 1997 it is 59 and in 1998 it is 65. इनमें से 1996 में 24, 1997 में 61 और 1998 में 39 गिरफ्तार हुए हैं।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री जी ने बताया कि इतने इतने आदमी फलां फलां साल में गिरफ्तार हुए हैं। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि जो अपराधी गिरफ्तार हुए हैं क्या ये इन्हीं सालों में भागे हुए थे। इससे पहले के भागे हुए भी थे क्योंकि यह लिस्ट तो सबस्टैंडर्ड लिस्ट है। यह लिस्ट तो पुरानी चली आ रही है। इन तीन सालों में जो पुलिस कस्टडी से

और जेल से भागे हैं उनमें से कितने गिरफ्तार किए गए हैं। इसके साथ साथ दूसरा सवाल मैं यह पूछना चाहता हूं कि .....

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, ये एक ही समय में कई कई सप्लीमैंटरी पूछ रहे हैं। ये एक एक करके सप्लीमैंटरी पूछ लें इनको सबका जवाब मिल जाएगा।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अगर गवर्नमैंट का जवाब सन्तोशजनक हो तो सप्लीमैंटरी पूछने की जरूरत नहीं पडती। हमारी सप्लीमैंटरी का जवाब सही नहीं होता इसलिए हमें बार बार सप्लीमैंटरी पूछनी पडती है। और उसके लिए पता नहीं हमें कितनी मेहनत करनी पडती है। उसके लिए हमें बडी उर्जा खर्च करनी पडती है। यों ही गवर्नमैंट थोडे ही काबू आती है।

श्री अध्यक्षः आप सवाल पूछें।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं सवाल ही पूछ रहा हूं। मैं मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जो अपहरण और रेप के केसिज हुए हैं क्या इनके अंदर भी ऐसे लोग हैं जो भगौडे थे और बाद में उन्हौंने अपहरण किया फोर रैनसम और फोर रेप परपजिज ये ऐसे कितने लोग हैं जिनमें से आपने गिरफ्तार किए हैं। स्पीकर साहब, हम सरकार से बार बार भ्रुरू से यह पूछ रहे हैं कि गवर्नमैंट ने बढते हुए क्राईम को रोकने के लिए क्या प्रबंध किए हैं।

श्री बंसी लालः यह तो आपने पहली बार पूछा है बार बार कहां पूछ रहे हैं।

श्री सम्पत सिंहः यह तो हम भाुरू से ही पूछ रहे हैं। Am I correct, Speaker Sir कि मैं पहले से यह पूछ रहा हूं। स्पीकर साहब, मैं आपकी स्पोर्ट चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आप बैठें और अपने सवाल का जवाब सुनें।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, क्या मेरा पहला प्र न यह नहीं था। I tried my best. मैंने बार बार यह सवाल पूछा था आप रिकार्ड देख लें। मुख्य मंत्री जी कह रहे हैं कि यह मैंने अब पूछा है। गवर्नमैंट का हमारे सवालों की तरफ कोई ध्यान नहीं है। The Government and the Administrative machinery both are taking it casually.

श्री अध्यक्षः आप अपने सवाल का जवाब सुनें अगर आप संतुश्ट नहीं होंगे तो आपको फिर मौका देंगे।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, ये आधा घंटे से सप्लीमैंटरी पर सप्लीमैंटरी कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, जो फिग्गर्ज मैंने दी हैं ये इस साल की भी हो सकती हैं और उससे पहले के साल की भी हो सकती हैं। पहले का कोई भगोडा हो तो उस साल की भी हो सकती हैं। ईयरवाइज फिग्गर्ज हम नहीं रख सकते। एक सवाल सम्पत सिंह जी ने पूछा कि जेल जम्पर्ज या अबस्कोन्डर्न में से किसी ने रेप या मरडर किया है, जरूर किया होगा लेकिन मेरे पास अलग अलग फिग्गर्ज नहीं हैं। न ये फिग्गर्ज मेरे पास हैं और न ही हम मेनटेन कर सकते हैं। यह तो हर जिले में और हर थाने में मेनटेन की जात सकती है। स्टेट लैवल पर नहीं। जेल जम्पर्ज और अबस्कोन्डर्ज के केसिज इसलिए हो जाते

हैं क्योंकि आजकल सुप्रीम कोर्ट की रूलिंग है कि किसी को हथकड़ी नहीं लगा सकते। हथकड़ी न लगने के कारण भाग जाते हैं।

श्री सम्पत सिंहः आप कोर्ट से परमि ान लेकर हथकड़ी लगा सकते हैं।

श्री बंसी लालः कोर्ट से परमि ान लेकर तो लगा सकते हैं लेकिन वह कोर्ट तक जाने से पहले भाग जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, जो जेल जम्पर्ज हैं उनके बारे में हमने देखा है कि कितना ही सीरियस क्राइम किया हो उसकी अदालत में जाते ही जमानत हो जाती है जिसका हमारे पास कोई इलाज नहीं है। हम उनके खिलाफ अपील भी करते हैं सब कुछ करते हैं लेकिन इसके बावजूद भी दिक्कतें हैं। रही बात यह कि सरकार ने बढते हुए क्राइम को रोकने के लिए क्या प्रबंध किए हैं जहां तक सरकार का सवाल है हमने पूरे प्रबन्ध किए हैं। फलाइंग स्कवैड भी बनाई गई है। डी0जी0 पुलिस डी0आई0जी0 और एस0पी0 की इस संबंध में 2–3 बार मीटिंग करके उनको हिदायतें दी हैं। डी0जी0 पुलिस खुद भी स्टेट का दौरा समय समय पर करते हैं और पुलिस का ताकीद करके आते हैं। इससे पुलिस के काम में मुस्तैदी भी आई है। पहले की अपेक्षा ला एण्ड आर्डर काफी सुधरा है। क्राइम अकेले हरियाणा में नही बढें। यह समस्या हरियाणा के लिए ही नहीं सारे दे ा के लिए बनी हुई है।

Setting up of River Authority

***805. Capt. Ajay Singh Yadav:** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state-whether the State govt. has approached the Central Govt. to set up an authority to sort out the water dispute amongst the States of Punjab, Haryana, Himachal, Rajasthan, U.P. & Delhi on the pattern of Cavery River Authority during the year 1998; if so, the details thereof ?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): कावेरी नदी प्राधिकरणि का गठन कावेरी जल विवाद ट्रिब्यूनल के अन्तरिम आदे ा को लागू करवाने के लिए किया गया है। वर्तमान में हरियाणा सरकार के विचाराधीन ऐसे किसी भी प्राधिकरण के गठन का सुझाव देने की योजना निम्नलिखित के कारण नहीं है:– यमुना जल के बंटवारे हेतु तथा यमुना नदी के हरियाणा, उत्तर प्रदे ा, हिमाचल, राजस्थान और दिल्ली राज्यों के मध्य जल विवादों को सुलझाने के लिए एक ऊपरी यमुना बोर्ड काम कर रहा है। इस बोर्ड के ऊपर संबंधित राज्यों के मुख्य मंत्रियों की एक ऊपरी यमुना नदी समीक्षा समिति भी है।

रावी व्यास के जल विवाद को सुलझाने के लिए सन 1986 में इराडी ट्रिब्यूनल का गठन किया गया जिसने जनवरी 1987 में अपनी रिपोर्ट दे दी। इस रिपोर्ट पर स्पश्टीकरण एवं मार्ग निर्दे ा देने की प्रक्रिया जारी है। ताकि इस रिपोर्ट की अधिसूचना जारी की जा सके। वर्तमान सरकार की लगातार कोि ा ों के बाद लगभग 8 सालों के बाद इस ट्रिब्यूनल की कार्यवाही जुलाई 1997 में दुबारा भुरू हुई है। वर्तमान स्थिति में जब तक कि इस

ट्रिब्यूनल के निर्णय की अधिसूचना जारी नहीं हो जाती, ऐसे नदी प्राधिकरण के गठन के लिए प्रार्थना करने की आव यकता प्रतीत नहीं होती।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, एस0वाई0एल0 और यमुना नदी के पानी का बंटवारा पांच स्टेटों के बीच में है जिनमें दिल्ली, यू0पी0, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा प्रदे ा राज्य भाामिल हैं। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जब कावेरी नदी ट्रिब्यूनल की रिपोर्ट इम्पलीमैंट हो सकती है तो उसी तर्ज पर यहां पर कोई रीवर अथोरिटी बना कर उसका फैसला इम्पलीमैंट क्यों नहीं किया जाता ? मैं जानना चाहता हूं कि इस दि ाा में अब तक सरकार ने क्या काम उठाये ताकि दक्षिण हरियाणा को पानी मिल सके। एस0वाई0एल0 का पानी दक्षिणी हरियाणा के लाईफ लाईन है। इस डिस्प्यूट को चलते हुए कई वर्श हो चुके हैं। सरकार ने इस मामले में अब तक कितनी मीटिंगें की हैं। कितनी बार आप प्रधान मंत्री से मिले हैं। पीछे राजस्थान में भाई रामबिलास भार्मा जी की पार्टी की सरकार थी यू0पी0 में इनकी सरकार थी। जिस प्रकार से तामिलनाडु में जयललिता ने एक रीवर अथोरिटी बनाकर उसको इम्पलीमैंट करवाया है। क्या उसी प्रकार की रीवर अथोरिटी यहां पर सरकार बनाने की सोच रही है ? सरकार ने इस दि ाा में अब तक क्या कदम उठाये हैं, उनके बारे में सदन को डिटेल में बतायें ?

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, जहां तक भाई अजय सिंह के सवाल की बता है; हमारी सरकार इस मामले में बहुत चिन्तित है। कावेरी नदी जल ट्रिब्यूनल बना था उसी प्रकार का

ट्रिब्यूनल वहां बना। जब उसके फैसले की नोटिफिके ान हो चुकी थी और उसके बारे में कोई कार्यवाही नहीं हुई थी तक वहां पर सरकार सुप्रीम कोर्ट में गई तथा सुप्रीम कोर्ट के आदे ा के अनुसार कावेरी नदी प्राधिकरण की जरूरत पडी। जहां तक हमारे रावी व्यास और एस0वाई0एल0 की बात है, इस बारे में इराडी ट्रिब्यूनल 1986 में बैठा था और उस समय हरियाणा के मुख्य मंत्री आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी ही थे, उनके मुख्य मन्त्रित्वकाल में ही यह ट्रिब्यूनल नियुक्त हुआ था। उस ट्रिब्यूनल ने 1987 में अपनी रिपोर्ट दे दी। रिपोर्ट को कार्यान्वित करने के लिए कुछ और जरूरी कार्यवाही भी करनी पडती है। 1987 से लेकर 1996 तक के समय के दौरान में मेरे साथी कैप्टन अजय सिंह की सरकार भी यहां पर रही और सैंटर में भी इनकी सरकार रही। आदरणीय चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी की सरकार भी रही और उस दौरान इनके पिता श्री सैंटर की सरकार में उप प्रधान मंत्री रहे लेकिन तब भी इनकी तरफ से इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं की गई है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार आने के बाद इस मामले में सरकार क्या कार्यवाही की है मैं उसके बारे में बताना चाहूंगा। इराडी ट्रिब्यूनल के बारे में 1996 में हमारी सरकार ने आते ही 8 साल से इस ट्रिब्यूनल के साथ जो एक भी सुनवाई नहीं हुई थी और एक भी तारीख नहं लगी थी, जुलाई 1997 में इसकी सुनवाई भुरू हुई। उसके बाद दिसम्बर 1997 में उसकी तारीख लगी, अप्रैल 1998, जुलाई 1998, 16 अक्तूबर 1998 को इसकी तारीख लगी। अध्यक्ष महोदय, जस्टिस श्री यू0सी0 बैनर्जी सुप्रीम कोर्ट के जज नियुक्त हो गए और उसके बाद 9 फरवरी

1999 की तरीख लगनी थी। इस बारे में आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने क्या कार्यवाही की है, वह भी मैं बातना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, 9 जनवरी 1999 की तारीख इस कारण नहीं लगी कि जस्टिस श्री बैनर्जी सुप्रीम कोर्ट के जज नियुक्त हो गये। केवल 11 दिन बाद यानि कि 20 जनवरी 1999 को आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने बनैर्जी की जगह जल्दी से जल्दी किसी अन्य मैम्बर को इस कार्य के लिए नियुक्त किया जाए। अध्यक्ष महोदय, इस मामले में मेरे ख्याल से इससे जल्दी और कोई कार्यवही नहीं हो सकती थी। इससे यह स्पश्ट है कि हमारी सरकार इस मामले में कितनी चिन्तित है। अध्यक्ष महोदय, जिस मामले में 8 साल तक कोई कार्यवाही नहीं हुई हमारी सरकार ने सिर्फ दो साल के अर्से में इतना काम किया है। हमारी सरकार को एस0वाई0एल0 के मामले पर 9 सितम्बर, 1996 से किसी प्रकार का सहयोग मिलने की उम्मीद नहीं हुई तो सितब्र 1996 में हमने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की और इस मामले में 27 तारीख को इसकी पहली पे ी लगी। अगली पे ी में पंजाब सरकार ने जवाब देने के किलए 6 हफ्ते का समय मांगा। जिस दिन उनका जवाब आ जाएगा हम पूरी तरह से इस मामले को परस्यू करके आव यक कार्यवाही करेंगे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः श्री जय सिंह राणा अगला सवाल पूछें।

(इस समय कई माननीय सदस्य अपनी अपनी सीटों पर बोलने के लिए खडे हो गए)(ोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सभी लोग अपनी अपनी सीटों पर बैठें। मैंने पहले ही जय सिंह राणा का नाम अगले सवाल के लिए बोल दिया है, इसलिए आप सभी अपने स्थान पर बैठें।

Mil Day Meal

***842. Sh. Jai Singh Rana:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the names of schools in which facility of Mid Day meal is being provided in the State; and

(b) whether the financial assistance is being provided by the Central Govt. to the schools as referred to in part (a) above; if so, the details thereof ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) मध्याहन पोशाहार की सुविधा सभी 8701 राजकीय प्राथमिक स्कूलों तथा 147 राजकीय सहायता प्राप्त स्कूलों में दी जा रही है।

(ख) केन्द्रीय सरकार की ओर से प्रत्यक्ष रूप से वित्तीय सहायता नहीं दी रही है, लेकिन सूखा खाद्यान्न (गेहूं/चावल) जो बच्चों में बांटा जाता है, के साथ परिवहन प्रभार भी भारत सरकार द्वारा दिया जाता है।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस योजना के तहत प्रति विद्यार्थी कितना खर्च होता है और हरियाणा सरकार इसमें कुल कितना खर्च कर रही

है। इसके साथ ही मंत्री जी ये भी बताएं कि इस योजना से कितने विद्यार्थियों को लाभ हुआ है।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, यह योजना अगस्त 1995 में बहादुरगढ के बालौर गांव में प्रारम्भ की गई थी। उस समय श्रीमान नरसिम्हा राव जी प्रधान मंत्री थे। उस समय बच्चों को प्राथमिक विद्यालयों में जो पोशाहार दिया जाता था उसकी बडी भारी आलोचना की गई। अध्यक्ष महोदय, आप भी ि ाक्षा से जुडे हुए हैं और हम उस वक्त अपोजी ान में बैठते थे। हमने उस वक्त इस योजना के बारे में टिप्पणी की थी कि "बहन जी बनावे स्वाटर, मास्टर रांधे दलिया। थाली बजावैं राम्भा, धापा और गुलिया।" यह टिप्पणी उस वक्त इस योजना के बारे में की थी। (विघ्न) स्पीकर साहब, 1996 में हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की गठबंधन सरकार आई तो चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में हमने इस योजना को दोबारा से भुरू किया। अध्यक्ष महोदय, उस वक्त सात सौ रूपए में एक महिला को दलिया रांधने के लिए रखना था और इसके ऊपर सरपंच और पं लड पडें। प्राथमिक विद्यालय में कुल मिलाकर पांच घंटे पढाई होती थी और उसमें से तीन घंटे बच्चों का लिंगा दलिया रांधने की प्रक्रिया को देखने में, कढाई की तरफ और थाली तथा कचौला बजाने वालों की तरफ रहता था। वहां पर कोई पढाई का माहौल नहीं था। इसलिए उस समय हमने इस योजना पर टिप्पणी की थी। हमने 1996 में आते ही जुलाई में इस पर पुनः विचार किया। हमने पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदे ाा, दिल्ली और अपने यहां के विभाग के साथ बडे ही वैज्ञानिक दृश्टिकोण से इस बारे में विचार

विम र्श किया क्योंकि हम बच्चों की पढाई में कोई कमी नहीं आने देना चाहते थे। इस बारे में हमने बच्चों के अभिभावकों से भी विचार विम र्श किया और इसका प्रावधान किया है। (विघ्न) स्पीकर साहब, संक्षिप्त में जब हम जवाब देते हैं तो इनका पेट नहीं भरता है और जब हम विस्तृत में जवाब दे रहे हैं तो उसको ये सुनने को तैयार नहीं हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, यह मामला बच्चों को संस्कारिक करने का है।

श्री अध्यक्षः भार्मा जी, आप थोडा संक्षेप में बता दें।

श्री राम बिलास भार्माः ठीक है सर, राणा साहब ने पूछा है कि इसमें प्रति बच्चा हरियाणा सरकार कितना पैसा खर्च करती है तथा केन्द्र सरकार कितना पैसा खर्च करती है। हम इस स्कीम के तहत 100 ग्राम सूखा अन्न चाहे वह चावल के रूप में हो या गेहूं के रूप में प्रति बच्चा देते हैं। स्पीकर सर, हम महीने तीन किलो अन्न यानी डेढ किलो गेहूं और डेढ किलो चावल प्रति बच्चा दिया जाता है। स्पीकर सर, इसमें 80 और 20 का अनुपात है 80 प्रति ात अनाज केन्द्र सरकार देती है और 20 प्रति ात इसमें हरियाणा सरकार का योगदान है। राणा साहब ने यह भी जानना चाहा है कि इस स्कीम से कितने बच्चे लाभान्वित हुए हैं। मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि 17 लाख 25 हजार बच्चे राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में पढने वाले इससे लाभान्वित हुए हैं और 147 विद्यालय ऐसे हैं जिनको सरकार 95 प्रति ात सहायता देती है यानी हम इनको एडिड कैटेगरी के विद्यालय मानते हैं। इन 147 विद्यालयों के 42 हजारे बच्चे भी इस स्कीम से

लाभान्वित हुए हैं यानी टोटल 17 लाख 67 हजार बच्चे इस योजना से लाभान्वित हुए हैं।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या इनको कुछ स्कूलों से ऐसी ि ाकायतें मिली हैं कि वहां पर रा ान का बंटवारा ठीक ढंग से नहीं किया जाता ? अगर ऐसी ि ाकायतें इनकी मिली हैं तो क्या इन्हौंने उन अध्यापकों या अन्य लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही की है ?

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, माननीय विधायक ने ठीक कहा है। हमें कुछ जिलों में कुछ स्कूलों से इस तरह की ि ाकायतें मिली हैं। सर, यह रा ान भारत सरकार से आता है इसलिए कई बार वहां से यह दो या तीन महीने लेट आता था तो इस तरह की ि ाकायतें मिली हैं लेकिन हमने इसके लिए भी भारत सरकार के कंसर्ड आदमी से बात करके हर महीने उसको टाईम पर रिलीज करने को कहा है। इसके अलावा कुछ विद्यालयों में यह रा ान रखने के कारण कहीं कहीं पर भीग गया था इसलिए यह ि ाकायत भी हमारे पास आयी थी लेकिन हमने इस को भी दुरूस्त किया है।

Shivalik Board

***837. Sh. Ram Ji Lal:** Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) the total amount provided for Shivalik Board in the Budget for the year 1998-99;

(b) the names of the places and the schemes on which the amount out of the amount as referred to in part (a) above was spent; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to provide canal water or tubewells for irrigation purposes in the Shivalik areas; if so, the details thereof ?

राजस्व मंत्री (श्री सूरज पाल सिंह):

(क) वार्शि बजट 1998–99 में ि ावालिक विकास बोर्ड के लिए 5.69 करोड रूपये का प्रावधान किया गया है।

(ख) वर्श 1998–99 में विभिन्न योजनाओं के लिए उपलब्ध कराई गई रा ि ा का विवरण संलग्न है।

(ग) ि ावालिक क्षेत्र पर्वतीय/अर्धपवर्तीय होने के कारण यहां सिंचाई नहर का निर्माण उपयुक्त नहीं समझा गया। फिर भी पंचकूला जिले के पिंजौर खण्ड में 12 गहरे सिंचाई नलकूप लगाए गए हैं।

विवरण

Sr. No.	**Name of the Department**	**Name of the Scheme**	**Amount (Rs. in lacs)**
1	**COMMUNICATION**		
	XEN, PWD, B&R Division	(i) Const. of link road from village	8.00

	No. 1, Ambala	Panjokhra to Khatauli	
		(ii) Const. of roads from Rajokheri to Diya Majra	3.00
		(iii) Special repair of roads in Amabla Block Naggal area	5.00
		(iv) Cost. of six roads in Naggal area (Distt. Ambala)	5.00
		(v) Const. of link road Haryana Roadways Workshop	1.25
	XEN, Panchayati Raj, Ambala	(i) Internal roads in Ambala city	14.00
		(ii) Drain from Apna Hospital to Session Court	3.00
	XEN, PWD Division No. II, Ambala	Const. of Cement Concrete approach road in Govt. College Ambala Cantt.	1.20
	XEN, PWD B&R Naraingarh	(i) Const. of Link road from Thaska to Sudha Sahib Mandir	9.90
		(ii) Link road form	2.00

		Uttamwala to Panniwala	
		(iii) Link road from Shahbad, Brara, Kala Amb road to village Laharpur	5.00
		(iv) Link road from Bilaspur Dhanaura road to Panjoli near Pipliwala	1.63
		(v) Const. of Solid Causeway from Samanwa village in Panchkula district	9.70
		(vi) Link road from Bassi, Barwala to village Hangola in Panchkula District	8.50
		Total	**77.18**
2.	**PUBLIC HEALTH**		
	XEN, PH, Naraingarh	(i) Proviing additional pipeline and 11 No. of Public Standposts at Kapal Mochan (Yamuna Nagar District)	2.71
		(ii) Augmentation of water supply scheme	5.00

		in Jagdoli group of 4 No. village Block Bilaspur, Tehsil Jagadhri, Distt. Yamuna Nagar	
	XEN, PH, Panchkula	(i) W/S Scheme in village Prempra Block Pinjore	5.00
		Total	**12.71**
3.	**HEALTH**		
	XEN, PWD, B&R, Naraingarh	Cosnt. of PHC at Pathreri (Ambala District)	4.00
	XEN, PWD, B&R, Division No. II, Ambala	Const. of Mortuary in Civil Hospital, Ambala City	8.00
		Total	**12.00**
4.	**ENVIRONMENT IMPROVMENT**		
	XEN, PWD, Division No. II, Ambala	(i) Providing shed on sitting steps in War Hero's Memorial Stadium at Ambala Cantt.	3.41
	SEN, Panchayati Raj, Yamuna Nagar	(i) Community Centre at Bilaspur	7.00
		(ii) Completon of Community Centre	2.18

		at Chhachhrauli	
	XEN, Panchayati Raj, Panchkula	Const. of drain, Nallah and brick pavement and earth filling of phirni at village Mauli, Distt. Panchkula	9.16
		Total	**21.75**
5.	**EDUCATIONAL/VOCATIONAL EDUCATION**		
	XEN, PWD, B&R, No. II, Ambala	(i) Boundary wall in Govt. College, Ambala Cantt.	3.00
		(ii) Const. of two with verandah in Govt. Primary School at chain ki Mandi and Bajigar Colony in Ambala Cantt.	4.80
	XEN, Panchayati Raj, Panchkula	(i) Extension of Deaf and Dumb Centre Building (1st Floor) at Raipur Rani, Distt. Panchkula.	5.00
	XEN, PWD, B&R, Panchkula	(i) JBT Girls' Hostel at Teachers' Training Institute at Morni	10.00

		(ii) Const. of additional rooms in Govt. Sr. Sec. Morni	5.00
	A.D.C., Ambala	Completion of DRDA Training Centre, Ambala	0.50
		Total	**28.30**
6.	**WATERSHED MANAGEMENT**		
	D.E.O., Ambala	(i) Planation and tree guards in Ambala City & Cantt.	2.50
	D.E.O. (T), Yamuna Nagar	(i) Pipeline for Thaska Dam	3.00
	D.E.O. Morni at Pinjore	(i) Afforestation & maintenance of plants planted during the previous years	16.34
	A.S.C.O., Sadhaura	(i) Soil Conservation works in Manglaur Chanda & Rampur Haria in Sadhaura Block	5.00
	Soil Survey Engineers, Agricultural Deptt., Panchkula	(i) Soil Conservation works in Morni area	9.55

	D.F.O., Kandli Yamuna Nagar	(i) Const. of Pammuwala Dam in Yamuna Nagar Distt.	10.00
		Total	**46.39**
7.	**HORTICULTURE DEVELOPMENT**		
	D.H.O., Yamuna Nagar	(i) Distribution of fruit plants Strawberry, Supply of Vegetable seeds and Mushroom culitivation on 50% subsidy basis in Yamunan Nagar District.	3.00
	D.F.O. (Kandli) Y. Nagar	(ii) For setting up a Herbal gardern in Bilaspur Block	3.00
		Total	**6.00**
8.	**FISHERIES DEVELOPMENT**		
	F.D.O., Ambala	(i) Renovation of vilage fish ponds in Sainmajram Bhanokheri	6.20
	F.D.O., Yamuna Nagar	(i) Renovation of vilage fish ponds in Kishanpura, Pipliwala, Malikpur Khadar and Rajpua	5.00

		in Yamuna Nagar	
		Total	**11.20**
9.	**SCEINCE & TECHNOLOGY**		
	A.D.C., Panchkula	(i) Provision of Domestic SPV Lighting System and distribution of Solar Lanterens in Morni and Pinjore Blocks in Panchkula Distt.	3.75
10.	**XEN ELECTRICITY**		
	XEN, HVPN, Naraingarh	(i) Electrification of unelectrified Dhanis in Bhoj Kundana and Naggal of Morni Block (Panchkula District)	24.00
11.	**ANIMAL HUSBANDRY**		
	XEN, Panchayati Raj, Panchkula	Const. of Vety. Hospital at Morni	3.97
		Gran Total	**247.25**

(Funds released to Shvilik Development Agency upto 15-1-1999 – Rs. 275.00 lacs)

श्री राम जी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि ि ावालिक क्षेत्र के लिए कितनी कितनी रा ि ा किन किन जगहों पर और किन किन

स्कीम्ज पर खर्च की गयी है ? ि ावालिक क्षेत्र में सिंचाई के लिए सरकार ने कुछ टयूबवैल्ज लगवाये थे लेकिन जवाब में कहा गया है कि 12 टयूबवैल्ज पिंजौर खण्ड में लगाए गए हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या ये टयूबवैल्ज पूरे ि ावालिक एरिये में जो कालका से लेकर ताजेवाला तक लगता है, लगवाए गए हैं या नहीं ?

श्री सूरज पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, पिंजौर खण्ड में 12 नलकूप लगाए गए हैं क्योंकि वह पहाडी क्षेत्र है इसलिए नहर बनाना वहां पर संभव भी नहीं है। जिन जिन स्कीम्ज पर आज तक रा ि ा खर्च की गयी है उनके नाम इस प्रकार हैं, कम्युनिके ान के लिए 77.18 लाख रूपए, पब्लिक हैल्थ के लिए 12.71 लाख रूपए, हैल्थ के लिए 12 लाख रूपए, इंवायरमैंट इम्प्रूवमैंट के लिए 21.75 लाख और ऐजुके ान एवं वोके ानल ऐजुके ान के लिए 46.39 लाख रूपये इत्यादि मदों के लिए टोटल 247.25 लाख रूपए दिया गया है।

श्री राम जी लालः अध्यक्ष महोदय, सवाल के जवाब में द ार्या गया है कि 12 टयूबवैल्ज पिंजौर क्षेत्र में लगाए गए हैं। मैं इनसे जानना चाहूंगा कि क्या ि ावालिक एरिया केवल मोरनी या पिंजौर तक ही है ? सर, ि ावालिक एरिया तो कालका से लेकर ताजेवाला तक लगा हुआ है लेकिन सिंचाई के लिए ये टयूबवैल्ज केवल पिंजौर खण्ड में ही लगाए गए हैं जबकि ये टयूबवैल्ज उस क्षेत्र में भी लगवाए जाने चाहिए थे। अध्यक्ष महोदय, ि ावालिक बोर्ड के ऐजेण्डा में द ार्या गया है कि पार्कों को सुंदर बनाने के लिए 25–25 लाख रूपये दिए गए हैं क्या यह

पैसा केवल पार्कों को सुंदर बनाने के लिए है, क्या ि ावालिक बोर्ड इसलिए बनाया गया था ? ि ावालिक क्षेत्र के लोगो ंके लिए ऐजुके ान का कोई भी प्रबंध नहीं है अगर ऐजुके ान के लिए कोई स्कूल है भी तो वहां पर कोई टीचर नहीं है। इस एरिया के लोगों के लिए ठीक से पीने के पानी की व्यवस्था भी नहीं है और सिंचाई की भी बहुत बुरी हालत है। वहां के लोग कुदरत के रहमोकरम पर जीते हैं और कुदरत ही उनकी खेती पैदा करती है। मैं जानना चाहता हूं कि ि ावालिक बोर्ड का पैसा पार्कों पर लगाने के लिए हैं या उनकी दिक्कतों को दूर करने के लिए है ?

श्री सूरज पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह पैसा पार्कों के लिए नहीं है। जैसा मैंने बताया है कि हमने सिंचाई के लिए 12 नलकूप लोहागढ, सुपरखेडी, जाटामाजरी, खीडा तालूवाल, घरीडी, करनपुर 1, करनपुर 2 और करनपुर 3, नानकपुर रामपुरजंगी व धामला आदि गांवों में लगाए। यह सारा पैसा सिंचाई के लिए दिया गया है। इसी प्रकार से सडकों पर व पब्लिक हैल्थ के कार्यों पर पैसा खर्च हुआ है। सारा पैसा ि ावालिक विकास कार्यों के लिए खर्च हो रहा है।

श्री राम जी लालः अम्बाला कैन्ट में एक पार्क को सुन्दर बनाने के लिए 25 लाख रूपया दिया गया है। जो पैसा लोगों के उत्थान के लिए लगना चाहिए वह पैसा पार्कों पर खर्च हो रहा है और यह बात एजेन्डे में है और एजेन्डा मेरे पास है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से राजस्व मंत्री से जानना चाहता हूं। जैसा हमारे साथी ने पूछा है

कि ि ावालिक बोर्ड के एजेन्डे में द ार्िया गया है कि एक पार्क के रख रखाव के लिए 25 लाख रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई है तो जहां पहाडों के दुर्गम रास्तों को ठीक करने की बात है, ि ाक्षा की बात है पब्लिक हैल्थ की बात है इसमें पार्कों की बात कहां से आ गई यह जानकारी चाहूंगा ?

श्री सूरज पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपको पता ही है कि जहां पर विकास के लिए गलियौं का पक्का होना, टयूबवैलों का लगवाना जरूरी होता है वहां आबादी के साथ साथ उसके मनोरंजन के लिए भी कोई जरिया होना चाहिए, उन सारी बातों को ध्यान में रखते हुए यह सारी बातें की गई हैं।

Panipat Sugar Mill

***844. Sh. Krishan Lal:** Will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) the date on which the Cooperative Sugar Mill was set up. and

(b) whether any meetings of the General Body of the aforesaid Sugar Mill were held since its inception to date; if so, the dates of such meetings ?

सहकारिता मंत्री (श्री नरबीर सिंह):

(क) पानीपत सहकारी चीनी मिल 11–12–1955 को रजिस्टर्ड हुई थी और मिल द्वारा 21–03–57 से उत्पादन आरम्भ कर दिया गया था।

(ख) पानीपत सहकारी चीनी लि की आम सभा की बैठकें इसके स्थापित होने के बाद निम्नलिखित तिथियों में हुई हैं।

1. 20—12—1961

2. 03—09—1966

3. 23—10—1971

4. 25—10—1976

श्री कृश्ण लालाः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि 1961, 1966, 1971 व 1976 में पानीपत भूगर मिल में मीटिंग हुई थीं उसके बाद से 22 वर्श हो चुके हैं 22 वर्श से पानीपत भुगर मिल में आम सभा नहीं बुलाई गई, इसका क्या कारण है और मीटिंग बुलाने का क्या क्राइटेरिया है ?

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, पानीपत भुगर मिल पिछले 20 वर्शों से नुकसान में है और हमारी सरकार आने के बाद रजिस्ट्रार, को—ऑप्रेटिव सोसायटीज ने हर को—ऑप्रेटिव इंस्टीच्यू ान को 25—2—97 को चिटठी लिखी है कि हर जनरल बॉडी की साल में एक बार मीटिंग बुलाई जाए। पानीपत भुगर मिल के प्रबन्ध निदे ाक से 30—6—98 को इस बारे में डिस्क ान हुई तो उन्होंने कहा कि हमारी भुगर मिल की वित्तीय स्थिति अच्छी नहीं है और इसके 34144 मैंबर हैं मीटिंग बुलाने में

तकरीबन 5 लाख रूपये का खर्च आता है इसलिए जब तक वित्तीय स्थिति में सुधार नहीं होता तब तक उसमें मीटिंग न रखी जाए।

Mr. Speaker: Question hour is over.

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Constructionof Road from Sanghi to Chiri

***850. Sh. Siri Krishan Hooda:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-the present stage of construction work of the road from village Sanghi to Chiri of district Rohtak togetherwith the amount spent thereon so far ?

लोक निर्माण (भवन तथा सड़कें) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): गांव सांघी से चिड़ी तक सड़क का अधिकतर भाग अर्थात 5.39 कि0मी0 पूर्ण हो चुका है। 3.91 कि0मी0 लम्बाई पर मिटटी का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। इस कार्य पर अभी तक 28.16 लाख रूपये की रा ि ा खर्च की जा चुकी है।

Financial Position of the Universities

***826. Sh. Dharmbir:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether Vice Chancellor, Kurukshetra and other Universities have made any representation in regard to grim financial position of the Universities in the State during the year, 1998; and

(b) if so, details thereof togetherwith the action taken by the Govt. in this regard ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) जी नहीं, उप कुलपति महर्शि दयानन्द वि वविद्यालय, रोहतक को छोड कर।

(ख) महर्शि दयानन्द वि वविद्यालय, रोहतक के लिये पहले ही सं ोधित वेतनमानों के प्रभाव सहित नान प्लान पक्ष पर 1532.20 लाख रूपय का तथा विकास कार्य के लिए प्लान पक्ष पर 200 लाख रूपए का अनुदान व्यवस्थित है जबकि वर्श 1997–98 में इसकी तुलना में नान प्लान पक्ष पर 1107 लाख रूपए तथा प्लान पक्ष पर 115 लाख रूपए रिलीज किये गये थे। यह रा ि ा कि तों में रिलीज की जाती है। सं ोधित अनुमानों द्वारा प्रत्येक मामले की मैरिट पर अतिरिक्त रा ि ा रिलीज करना, वास्तविक आव यकता तथा सरकार के पास साधनों की उपलब्धि पर निर्भर करता है।

Filling of Vacant Posts of Polytechnic College, Narnaul

***860. Sh. Kailash Chandra Sharma:** Will the Minister for Technical Education be pleased to state the time by which the vacant posts of polytechnic College, Narnaul are likely to be filled up ?

तकनीकी ि ाक्षा मंत्री (श्री नारायण सिंह): हरियाणा लोक सेवा आयोग/हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की ओर से योग्य उम्मीदवारों की सिफारि ें आपेक्षित हैं। ज्योंहि योग्य उम्मीदववार सिफारि ा किये जाएंगे, उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र जारी कर दिये जाएंगे।

Construction of Chara Mandi, Ambala Cantt.

***852. Sh. Anil Vij:** Will the Minister for Horticulture & Marketing be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct Chara Mandi at Amabal Cantt; and

(b) if so, the time by which the said Chara Mandi is likely to be construced ?

बागवानी तथा विपणन राज्य मंत्री (श्री जगबीर सिंह मलिक):

(क) अभी, ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) उपरोक्त (क) पर दिये गये उत्तर के दृश्टिगत प्र न ही नहीं पैदा होता।

Sennihit Sarovar, Kurukshetra

***880. Sh. Ashok Kumar:** Will the Minister for Local Government be pleased to state-the steps taken or proposed to be taken to check the falling of contaminated water into the Kuruskhetra holy Sannihit Sarovar ?

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): लोक निर्माण विभा (जन स्वास्थ्य विभाग) द्वारा आसपास के गांवों तथा रिहाय ी कालोनियों के बरसाती पानी तथा गन्दे पानी की दि ा बदलने तथा इसको सन्निहित सरोवर में गिरने से रोकने के लिए एक योजना तैयार की गई है। यह योजना सरकार के विचाराधीन है।

Building of Veterinary Hospital Bahadurgarh

***902. Sh. Nafe Singh Rathee:** Will the Minister for Animal Husbandary be pleased to state-

(a) whether the building of veterinary hospital, Bahadurgarh is in dilapidated condition; and

(b) if so, the time by which the aforesaid is likely to be repaired ?

प ुपालन मंत्री (श्री जसवन्त सिंह):

(क) जी हां।

(ख) धन रा ि ा उपलब्ध होते ही मरम्मत का कार्य जितना भीघ्र सम्भव होगा आरम्भ कर दिया जायेगा।

Consolidation of Holdings

***895. Sh.:** Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to conduct the consolidate of holdings in the villages of Mokhra Kheri Rohaz, Girawar, Nidana and Bhaini Chander Pal of the Meham constituency; and

(b) if so, the time by which it will be completed ?

राजस्व मंत्री (श्री सूरज पाल सिंह):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) गांव गिरावड व निदाना का चकबन्दी कार्य इस वर्श के अंत तक पूर्ण किया जाना सम्भावित है। गांव मोखरा खेडी रोझ व भैणी चन्द्रपाल का चकबन्दी कार्य अगले 2–2½ वर्शों में पूर्ण कर दिए जाने की संभावना है।

Telivision Sets

***886. Sh. Ram Pal Majra:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether the Education Department has purchased colour televisions for schools during the year 1995; and

(b) if so, the district wise names of the schools in which the aforesaid televisions have been provided togetherwith the purpose thereof ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) हां, श्रीमान। केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के अधीन 1995 में स्कूलों के लिये रंगीन टेलीविजन खरीदे गये हैं।

(ख) ये रंगीन टेलीविजन प्रान्त के 13 जिलों के 359 स्कूलों में दिये गये हैं। स्कूलों की जिलावार सूची अनुबन्ध–1 पर उपलब्ध हैं। रंगीन टेलीविजनों का उद्दे य कक्षा अध्यापन में आधुनिक ि ाक्षण प्रणाली का स्थान देना है।

अनुबन्ध–1

जिलावार विद्यालयों की सूची जहां पर रंगीन टेलीविजन प्रदान किये गये।

क्रम संख्या	विद्यालय का नाम	स्थान
	जिलाः अम्बाला	
1.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	सकेतड़ी
2.	–सम–	बुर्ज कोटिया
3.	–सम–	विटना
4.	–सम–	चिकन
5.	–सम–	बतौड़
6.	–सम–	भूड़ी
7.	–सम–	पपलोहा
8.	–सम–	टेपला
9.	–सम–	भाहपुर (कन्या)
1.0	–सम–	राजौली (कन्या)
11.	–सम–	बड़ागांव
12.	–सम–	कुराली
13.	–सम–	रामगढ़ (कन्या)
14.	–सम–	अम्बली

15.	–सम–	पंजलासा
16.	–सम–	जलोली
17.	–सम–	समलेड़ी
18.	–सम–	करधान
19.	–सम–	सोंडा
20.	–सम–	दानीपुर
21.	–सम–	चरनिया
भिवानी		
22.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	खेड़ी सनवाल
23.	–सम–	बलकरा
24.	–सम–	नरसिंहवास
25.	–सम–	भागे वरी
26.	–सम–	गोठड़ा
27.	–सम–	सातड़ (कन्या)
28.	–सम–	सारंगपुर
29.	–सम–	बरसाना
30.	–सम–	बीरन

31.	–सम–	नाथूवास
32.	–सम–	दिनोद (कन्या)
33.	–सम–	नंगला
34.	–सम–	बरटाना
35.	–सम–	कुंगड़ (कन्या)
36.	–सम–	पुर (कन्या)
37.	–सम–	सिमली
38.	–सम–	बडाला
39.	–सम–	खानक
40.	–सम–	बड़सी
41.	–सम–	जताई
42.	–सम–	कालुवास
43.	–सम–	मिथाथल (कन्या)
44.	–सम–	प्रलादगढ़
45.	–सम–	कुसुम्बी
46.	–सम–	नौरंगाबाद
फरीदाबाद		

47.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	छज्जू नगर
48.	–सम–	विधावती
49.	–सम–	बढ़ा
50.	–सम–	धत्तीर
51.	–सम–	सारोली
52.	–सम–	छपरोला
53.	–सम–	फिरोजपुर
54.	–सम–	गडोपटटी
55.	–सम–	जटौली
56.	–सम–	गुथराना
57.	–सम–	मामनजाट
58.	–सम–	मुंडकोला
59.	–सम–	टिकरी गुजर
60.	–सम–	रमडाना
61.	–सम–	रूंधी
62.	–सम–	बिडुकी
63.	–सम–	अलापुर

64.	–सम–	दांडेरी
65.	–सम–	फुलवाड़ी
66.	–सम–	एतमादपुर
67.	–सम–	कारोली (कन्या)
68.	–सम–	मंदउबली
69.	–सम–	नगला गुजरान
70.	–सम–	झाजरू
71.	–सम–	संसबली
72.	–सम–	ढहकोला
73.	–सम–	अजरोंदा
74.	–सम–	आंछोड़
75.	–सम–	बाद ाहपुर
76.	–सम–	चान्दपुर
77.	–सम–	छैनसा (कन्या)
78.	–सम–	बदसिया
79.	–सम–	हरीजन बस्ती
80.	–सम–	सैक्टर–22,

		फरीदाबाद
81.	–सम–	भाहपुरा
82.	–सम–	सैक्टर–7, फरीदाबाद
83.	–सम–	ऊंचा गांव
84.	–सम–	बन्वाड़ी
	गुड़गांव	
85.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	रिवासन
86.	–सम–	जटौला
87.	–सम–	गागडोज अलीपुर
88.	–सम–	समसपुर
89.	–सम–	चक्करपुर
90.	–सम–	लामवास
91.	–सम–	कतारपुर
92.	–सम–	सिकन्दरपुर सीही
93.	–सम–	चान्द
94.	–सम–	माहौली
95.	–सम–	भाह चोख

96.	–सम–	सलीलपुर
97.	–सम–	बास लाम्बी
98.	–सम–	पथरेडी
99.	–सम–	खेडली लाला
100.	–सम–	खेतीयावास
101.	–सम–	जोरी साम्पका
102.	–सम–	सिकन्दरपुर गोसी
103.	–सम–	पलड़ा
104.	–सम–	महलाना
105.	–सम–	भोर भाहपुर
106.	–सम–	मैहनीबास
107.	–सम–	कन्है
108.	–सम–	आटारोटा
109.	–सम–	घडोली खुर्द
110.	–सम–	खो
111.	–सम–	दमदमा
112.	–सम–	धानी मालियान

113.	–सम–	गंगोली
114.	–सम–	खबासपुर
115.	–सम–	उचामाजरा
116.	–सम–	खेडला
117.	–सम–	मिलकपुर
118.	–सम–	ईस्लामपुर
119.	–सम–	राठीवास
120.	–सम–	सुल्तानपुर
121.	–सम–	अलीमुदीनपुर
122.	–सम–	पहाड़ी
जीन्द		
123.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	पिमाना
124.	–सम–	गोद
125.	–सम–	भुटानी
126.	–सम–	खांडा
127.	–सम–	डिफैंस कालोनी
128.	–सम–	पांजूकलां

129.	–सम–	संगतपुरा
130.	–सम–	अमरेहडी
131.	–सम–	बडोदा (कन्या)
132.	–सम–	खटकड़ (कन्या)
133.	–सम–	आसनकलां
134.	–सम–	भीला खेड़ी
135.	–सम–	डिंडवाडा
136.	–सम–	पाण्डू पिंडारा
137.	–सम–	उगराह (कन्या)
138.	–सम–	राजगढ़ दोबी
139.	–सम–	धुआ (कन्या)
140.	–सम–	पहलवा
141.	–सम–	धनी टेक सिंह
142.	–सम–	खड़क भुरा
143.	–सम–	अलीपुरा
144.	–सम–	पिलथा (कन्या)
145.	राजकीय वरिश्ठ माध्यमिक	दिनोदा (कन्या)

	विद्यालय	
146.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	भामलो कलां (कन्या)
147.	–सम–	करमगढ़
	करनाल	
148.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	ददलाना
149.	–सम–	अबला जागीर
150.	–सम–	बैडसाल
151.	–सम–	डबरी
152.	–सम–	ढिंगरमाजरा
153.	–सम–	पबाना हसनपुर
154.	–सम–	बदरपुर
155.	–सम–	बासा
156.	–सम–	सन्धीर
157.	–सम–	अमुपुर
158.	–सम–	केहरवाली
159.	–सम–	रांवर
160.	–सम–	खेड़ा

161.	–सम–	अन्जनथली
162.	–सम–	सांवत
163.	–सम–	कुड़लन
164.	–सम–	जैनपुर सादान
165.	–सम–	कारसा रोड़
166.	–सम–	मूण्ड
167.	–सम–	बडथल
168.	–सम–	भोखपुरा खालसा
169.	–सम–	परवाना
170.	–सम–	जबाला
171.	–सम–	अलावल
172.	–सम–	पुण्डरक
173.	–सम–	महमूदपुर
174.	–सम–	रायपुर जाटान
कैथल		
175.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	वाता (कन्या)
176.	–सम–	कठवाड़

177.	–सम–	पाई
178.	–सम–	नन्कसन माजरा
179.	–सम–	सन्तोख माजरा
180.	–सम–	खरोडी
181.	–सम–	सौंठा
182.	–सम–	भयो माजरा
183.	–सम–	बुडाखेड़ा
184.	–सम–	बीडाबांगडा
185.	–सम–	करोडा (कन्या)
186.	–सम–	गुसांय
187.	–सम–	पिलनी
188.	–सम–	प्योदा
189.	–सम–	तारागढ़
190.	–सम–	सैर
191.	–सम–	बुच्ची
192.	–सम–	बदनारा
193.	–सम–	जाजनपुर

194.	–सम–	मोहना
	कुरूक्षेत्र	
195.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	रतगल
196.	–सम–	ब्रण
197.	–सम–	मिर्जापुर
198.	–सम–	बीड़ माजरा
199.	–सम–	बराड़ा
200.	–सम–	रत्नडेरा
201.	–सम–	पलवल
202.	–सम–	धमारसी
203.	–सम–	ठील (कन्या)
204.	–सम–	खेड़ी दबलैन
205.	–सम–	अमीन (कन्या)
206.	–सम–	बीड़ बड़तोली
207.	–सम–	हथीरा
208.	–सम–	मुकड़पुर
209.	–सम–	गड़ी गाडली

210.	–सम–	भान्ति नगर
211.	–सम–	लोहार माजरा
212.	–सम–	सैनी सादान
213.	–सम–	दिवाना
214.	–सम–	खालसा
215.	–सम–	ढुलगढ़ गुलढेरा
216.	–सम–	थानेसर (कन्या)
217.	–सम–	फतेहपुर
218.	–सम–	कोलापुर
219.	–सम–	टिरा
पानीपत		
220.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	बाल जाटान
221.	–सम–	बेसर
222.	–सम–	छाजपुर (कन्या)
223.	–सम–	बिजोल
224.	–सम–	उखलाना (कन्या)
225.	–सम–	बहरामपुर

226.	–सम–	जलमाना
227.	–सम–	झटटीपुर
228.	–सम–	बलाना
229.	–सम–	मडलौडा (कन्या)
230.	–सम–	नामूण्डा
231.	–सम–	निजामपुर
232.	–सम–	डाहर
233.	–सम–	बापोली
234.	–सम–	काबड़ी
235.	–सम–	जाटल
रोहतक		
236.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	लाहली (कन्या)
237.	–सम–	गोरावड़ (कन्या)
238.	–सम–	गांगटान
239.	–सम–	खैरड़ी
240.	–सम–	आंवल (कन्या)
241.	–सम–	सुरखपुर

242.	–सम–	याकूबपुर
243.	–सम–	महमूदपुर माजरा
244.	–सम–	चान्दी
245.	–सम–	गढ़ी बोहर
246.	–सम–	ईस्माईलपुर
247.	–सम–	बरहाना (कन्या)
248.	–सम–	गढ़ी बल्लम
249.	–सम–	जोन्ठी
250.	–सम–	सिलाना (कन्या)
251.	–सम–	खिडवाली
252.	–सम–	भैणी माहराजपुर
253.	–सम–	सिंगपुरा खुर्द
254.	–सम–	मनीला हेड़ी
255.	–सम–	रूड़की (कन्या)
256.	–सम–	मैना (कन्या)
257.	–सम–	रेवाड़ी खेड़ा
258.	–सम–	माजरी (कन्या)

259.	–सम–	बिरनाकताबाद
260.	–सम–	कासण्डा
261.	–सम–	टाण्डाहेड़ी
262.	–सम–	सराय मोराबाद
263.	–सम–	छुड़ानी
264.	–सम–	लोहा खुर्द
265.	–सम–	लुकसर
266.	–सम–	सुण्डयावास
267.	–सम–	नोनोंद
268.	–सम–	भैणी भैरों
269.	–सम–	भैणी सुरजन
270.	–सम–	भिण्डावास
271.	–सम–	मण्गैन
272.	–सम–	ददलान
273.	–सम–	रिटौली काबूलपुर
यमुनानगर		
274.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	कलानौर

275.	–सम–	सुढैली
276.	–सम–	ससौली
277.	–सम–	दौरंग
278.	–सम–	सढौरा
279.	–सम–	तेजली
280.	–सम–	काजीबास
281.	–सम–	गोबिन्दपुरा
282.	–सम–	जराबाद
283.	–सम–	दादुपुर
284.	–सम–	पारख्पुर
285.	–सम–	लकड़
286.	–सम–	छाप्पर
287.	–सम–	भाादीपुर
288.	–सम–	नाहरपुर
सोनीपत		
289.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	पुठी
290.	–सम–	कोहला

291.	–सम–	गंगाना (कन्या)
292.	–सम–	अनायत
293.	–सम–	बाली (ब्राह्मण)
294.	–सम–	कथूरा
295.	–सम–	पबनेरा
296.	–सम–	बजाना कलां
297.	–सम–	गन्नौर मण्डी
298.	–सम–	अटायल
299.	–सम–	चिरसमी
300.	–सम–	दुबेहटा
301.	–सम–	ललहेंडी कलां
302.	–सम–	भाहपुरतगा
303.	–सम–	सरडाना
304.	–सम–	भाोटी
305.	–सम–	एम0टी0 सोनीपत
306.	–सम–	ठरू उलेदपुर
307.	–सम–	रेवली

308.	–सम–	कंवाली
309.	–सम–	अलालपुर
310.	–सम–	मसद
311.	–सम–	छतेरा
312.	–सम–	थाना कलां
313.	–सम–	बोहला
314.	–सम–	किडोली पहलादपुर
315.	–सम–	बिसवांमील
316.	–सम–	थान खुर्द
317.	–सम–	कुराड़
318.	–सम–	सोनीपत मण्डी
319.	–सम–	सेहरी
320.	–सम–	असदपुर नान्दनौर
321.	–सम–	सिकन्दरपुर माजरा
322.	–सम–	गामड़ी
323.	–सम–	महलाना (कन्या)
324.	–सम–	दिवाना

325.	–सम–	सिरसाद
326.	–सम–	खेड़ी मनाजाट
	रिवाड़ी	
327.	राजकीय माध्यमिक विद्यालय	बरौली कलां
328.	–सम–	जैतपुर
329.	–सम–	मिरपुर
330.	–सम–	जी0टी0 डहिना
331.	–सम–	चिहड़
332.	–सम–	तिहारा
333.	–सम–	टींट
334.	–सम–	परखोतमपुर
335.	–सम–	दखोड़ा
336.	–सम–	खलेटा
337.	–सम–	ममरिया अहीर
338.	–सम–	धानी कोलाना
339.	–सम–	बलवारी
340.	–सम–	मोहिदीपपुर

341.	–सम–	बावल (कन्या)
342.	–सम–	डी0पी0 पुरा
343.	–सम–	सुठानी
344.	–सम–	बोलनी (कन्या)
345.	–सम–	रामगढ़
346.	–सम–	मनेठी
347.	–सम–	एम0एम0 बालखी
348.	–सम–	बोलियावास
349.	–सम–	सान्जरपुर
350.	–सम–	जाटसान (कन्या)
351.	–सम–	मस्तापुर
352.	–सम–	सुठाना
353.	–सम–	दामलवास
354.	–सम–	झाबुआ
355.	–सम–	धामलावास
356.	–सम–	भोट वास अहीर
357.	–सम–	पिथनवास

358.	—सम—	चौकी नं0 2
359.	—सम—	निमोठ
360.	—सम—	बास बिटेड़ी

Supply of Water Through W.J.C.

***915. Smt. Kartar Davi.:** Will the Minister for Irrigation be pleased to state-

(a) the cusecs of water supplied to district Rohtak through Western Yamuna Canal for the irrigation purpose before the formation of Haryana State together with the cusecs of water being supplied at present; and

(b) the number of days in a month the canal water is supplied in the irrigated area through Western Yamuna canal and Bhakra Irrigation system, sepearately ?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार):

(क) वर्तमान जिला रोहतक के क्षेत्र को हरियाणा बनने से पूर्व (अक्तूबर 1966) पि चमी यमुना नहर से सिंचाई के लिए 767.93 क्यूसिक्स पानी दिया जाता था। इस समय (मई 1998) जिला रोहतक को सिंचाई के लिए 790.90 क्यूसिक्स पानी दिया जा रहा है।

(ख) (1) पि चमी यमुना नहर प्रणाली में चार ग्रुप हैं तथा सभी ग्रुपों की पहली प्राथमिकता में आने वाली नहरों में 32 दिनों की अवधि में आठ दिन पानी की सप्लाई सुनि चत की गई

है। दूसरी, तीसरी और चौथी प्राथमिकता की नहरें यमुना नदी में फालतू पानी उपलब्ध होने पर चलती हैं।

(2) भाखडा प्रणाली की नहरों को तीन ग्रुपों में वर्गीकृत किया गया है। दो ग्रुपों की प्रथम प्राथमिकता की नहरें 24 दिन की अवधि में आठ दिन चलती हैं। तीसरे ग्रुप में नहरें प्रथम प्राथमिकता में 32 दिनों की अवधि में 16 दिन चलती हैं।

Number of Buses Purchased

***909. Sh.:** Will the Minister for Transport be pleased to state-the total number of new buses purchased by the Haryana Roadways during the period from 1991 to 1998 to date togetherwith the depot-wise allotment thereof ?

परिवहन मंत्री (श्री कृश्ण पाल गुज्जर): सूचना सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

सूचना

1. वर्श 1991 से 1998 अब तक की अवधि के दौरान कुल नई खरीद की गई बसों की संख्या– 3607

2. डिपो अनुसार आबंटन निम्न प्रकार से है:–

क्र0 सं0	डिपो का नाम	आबंटित बसों की संख्या
1	अम्बाला	220
2	चण्ड़ीगढ़	251

3	करनाल	195
4	जीन्द	203
5	कैथल	155
6	सोनीपत	202
7	यमुनानगर	216
8	देहली	249
9	कुरूक्षेत्र	178
10	पानीपत	93
11	गुड़गांव	213
12	रोहतक	200
13	हिसार	203
14	रिवाड़ी	198
15	भिवानी	139
16	सिरसा	173
17	फरीदाबाद	215
18	फतेहाबाद	170
19	चरखी	100

	दादरी	
20	नारनौल	34
	कुल	**3607**

Widening of the Syphon of Juan Village

***795. Sh. Dev Raj Dewan:** Will the Minister for Irrigation be pleased to state-

(a) whether the Govt. is aware of the fact that the size of syphon provided for darining out the rainy water at village Juan in district Sonipat is inadequate to discharge the accumulated water; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to widen the size of aforesaid syphon.

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार):

(क) जी नहीं।

(ख) उपरोक्त (क) के अनुसार कार्यवाही की आव यकता नहीं है।

Number of Electricity Connections in the State

***801. Sh. Sampat Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total number of electric connections in Agricultural sector in the State as on 30-4-96, 31-3-97, 31-3-98 and to date;

(b) the number of applications for electricity connections to tubewells lying pending with electricity Board in the State as on 30-4-96 and at present; and

(c) the number of beneficiaries under slab system as on 31-5-1996; and at present in Rewari, Mohindergarh and Bhiwani districts, separately ?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): (a, b&c): Sir, a statement is placed on the Table of the House.

Statement

(a) The total number of electrice connection in Agricultural sector in the state are;

As on 30-4-96 375903

As on 31-3-97 366540

As on 31-3-98 365043

As on 30-11-98 360695

(b) Number of applications pending for electricity connections to tubewells are;

As on 30-4-96 72207

As on 30-11-98 76142

(c) The number of beneficiaries under slab system are as follows:

Name of District	No. of beneficiaries as on 31-5-96	No. of beneficiaries as on 30-11-98

Rewari	23663	21542
Mohindergarh	25758	23547
Bhiwani	13449	10722

Number of Dropsy Cases in the State

***806. Capt. Ajay Singh Yadav:** Will the Minister for Health be pleased to state-whether any case of dropsy was detected in the State due to the consumption of adulterated Sarson Oil during the year 1998; if so, the number thereof together with the action taken against the persons involved therein.

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा महाजन): वर्श 1998 के दौरान राज्य में मिलावटी सरसों के तेल से डराप्सी के 18 केस हुए।

इन केसों में संलिप्त लोगों के विरूद्ध की गई कार्यवाही:

सरसों के तेल के 35 नमूनों में आरजीमोन तेल की मिलावट पाई गई। इन सभी 35 केसों के विरूद्ध अदालत में मुकदमें दायर किए गए। अदालत में झज्जर जिले के दो मुकदमों के फैसले हुए। प्रत्येक दोशी को पीफएफ0ए0 एक्ट के अधीन 500 रूपये जुर्माना किया गया तथा माननीय न्यायालय के उठने तक जुडि ायल कस्टडी में रहने की सजा दी गई।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Purchase of Gunny Bags

53. Sh. Dev Raj Dewan: Will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) whether the Haryana Federation of Cooperative Sugar Mills made an agreement with M/s Union General Company, Calcutta on 29-08-96 for the purchase of Gunny Bags on fixed rates; if so, the rates thereof; togetherwith the reasons for altering the previous purchase policy at GTA rates;

(b) whether the benefit of the exemption of excise duty on the jute and jute goods passed on to the federation by the aforesaid firm w.e.f. 1-3-97; if not, the reasons thereof;

(c) the details of excise MODVAT reclaim on Gunny Bags by the Coop. Sugar Mills for the crushing seasons 1995-96, 1996-97 and 1997-98;

(d) the per bag landed cost of UP Federation of Cooperative Sugar Mills, the Sarswati Sugar Mill, Yamunanagar and Piccadily Sugar Mills, Bhadson for the crushing season 1996-97; and

(e) whether the Federation has suffered any loss due to the change in purchase policy; if so, the details thereof together with the action taken against the officials held responsible in this regard ?

सहकारिता मंत्री (श्री नरबीर सिंह):

(क) जी हां, श्रीमान हरियाणा राज्य सहकारी मिल्ज प्रसंघ लि0, चण्डीगढ द्वारा पटसन की बोरियों की खरीद के लिये फिक्स रेट यानि 2991 रूपए प्रति सौ बोरियां जिसमें उत्पाद भाुल्क, सैस, किराया, बीमा तथा सी0एस0टी0 फार्म "सी" के विरूद्ध तथा एफ0ओ0 आर0 सम्मिलित थे पर 29—08—96 को मैसर्ज

यूनियन जनरल कम्पनी, कलकत्ता के साथ एक इकरारनामा किया गया। संयुक्त खरीद कमेटी ने पटसन की बोरियां जी0टी0ए0 रेट की बजाय फिक्स रेट 2991 रूपए पर खरीद करने का फैसला निम्नलिखित कारणों से कियाः–

1. जी0टी0ए0 रेट पर पटसन की बोरियों को खरीदने से चीनी मिलों को समय पर सप्लाई प्राप्त होने में दिक्कतें आती हैं।

2. जी0टी0ए0 रेट में क्योंकि कीमतें एफ0ओ0आर0 कलकत्ता की होती हैं अतः कानूनी तौर पर कलकत्ता से ट्रांसपोर्टेान की सारी जिम्मेदारी एवं जोखिम भाुगर मिलों का होता है।

3. पिछले दस माह का औसन जी0टी0ए0 मूल्य 26.07 रूपए प्रति बैग था तथा यह पिछले तीन चार माह से इस औसतन रेट से उत्तरोतर बढता रहा था।

4. वर्श 1995–96 में हरियाणा की पांच मिलों की औसतन पटसन की बोरियों की पहुंच कीमत निम्न प्रकार थीः–

करनाल	29.28 रूपए प्रति बैग
महम	29.78 रूपए प्रति बैग
पलवल	30.38 रूपए प्रति बैग
पानीपत	29.38 रूपए प्रति बैग
भाहबाद	30.49 रूपए प्रति बैग

जून, 1996 के जी0टी0ए0 रेट 27.03 रूपए प्रति बैग के आधार पर तथा रेलवे भाडा जो उस समय था तथा साथ में सभी करों के साथ एफ0ओ0आर0 हरियाणा भाुगर मिल्ज प्रति बैग की कीमत रूपए 31.14 आंकी गई।

(ख) भारत सरकार ने अधिसूचना संख्या 4/97 दिनांक 01–03–97 द्वारा पटसन की बोरियों पर एक्साईज डयूटी की छूट प्रदान कर दी थी। बोरियों के व्यापारियों ने 01–03–97 से पटसन तथा पटसन सामग्री पर अक्साईज डयूटी की छूट का फायदा सहकारी चीनी मिलों को 1996–97 के दौरान नहीं दिया क्योंकि पटसन की बोरियों की खरीद निि चत रेट पर जिसमें करों व भाुल्कों के घटने बढने से दरें परिवर्तित नहीं होंगी, के आधार पर की गई थी।

(ग) सहकारी चीनी मिलों द्वारा वर्श 1995–96, 1996–97 तथा 1997–98 में बोरियों की खरीद पर एक्साईज डयूटी माडवेट की प्राप्ति का विवरण निम्न प्रकार है :–

क्र0सं0	चीनी मिल का नाम	1995–96	1996–97
1	पानीपत	19250.18	187310.00
2	रोहतक	48959.00	340781.64
3	करनाल	455836.00	515567.00
4	सोनीपत	246417.30	207894.73

5	भाहबाद	564686.10	618524.00
6	जीन्द	226153.16	390679.62
7	पलवल	252591.44	295613.66
8	महम	87279.40	220869.00
9	कैथल	285797.00	413643.00
10	भूना	भून्य	232140.00
	जोड़	2186969.58	3423022.65

1997–98

भारत सरकार ने अधिसूचना संख्या 4/97 दिनांक 01–03–97 द्वारा पटसन की बोरियों पर एक्साईज डयूटी में छूट दे दी थी। इसलिए उसके बाद मिलों ने कोई माडवेट क्लूम प्राप्त नहीं किए।

(घ) वर्श 1996–97 में उत्तर प्रदे ा सहकारी चीनी मिल्ज संघ लखनऊ, सरस्वती भुगर मिल, यमुनानगर तथा पिकाडली भुगर मिल भादसों द्वारा खरीद की गई प्रति बोरी की पहुंच कीमत भेजने बारे दूरभाश तथा फैक्स द्वारा प्रार्थना की गई थी। पिकाडिली भुगर मिल, भादसों के अतिरिक्त भोश दोनों मिलों से सूचना प्राप्त हुई जो इस प्रकार है:–

क्र0	मिल का नाम	वर्श	कीमत प्रति

सं0			बोरी
1.	उत्तर प्रदे ा सहकारी चीनी मिल्ज कारखाना, लखनऊ	1996–97	25.52 जमा भाडा (लगभग 2.25 रूपए से 2.50 रूपए प्रति बोरी)
2.	सरस्वती भ ुगर मिल, यमुनानगर	1996–97	24.94 रूपए

(ड.) प्रसंघ का निम्नलिखित कारणों से क्रय नीति में परिवर्तन से कोई आर्थिक हानि नहीं उठानी पडीः–

1. वर्श 1995–96 में जी0टी0ए0 पर खरीद की गई बोरियों की मिल तक पहुंच की कीमत 30 रूपए प्रति बोरी से अधिक पड रही थी।

2. वर्श 1996–97 में जब पटसन की बोरियां सभी करों सहित खरीदी गई तब प्रति बोरी कीमत 30 रूपए से कम यानि 29. 91 रूपए प्रति बोरी थी। उस समय का जी0टी0ए0 रेट 27.03 रूपए प्रति बोरी आंका गया था। जो उस समय के रेलवे भाडा तथा हरियाणा राज्य में प्रचलित सभी करों सहित प्रति बोरी मिल पहुंच रू0 31.14 पैसे बनता था जो संयुक्त खरीद कमेटी द्वारा निर्धारित दरों से अधिक था।

54. Sh. Dev Raj Dewan: Will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) whether the Haryana Sugarfed has exported upto 100 ICUMSA sugar from the Cooperative Sugar Mills of Shahabad, Karnal, Meham and Rohtak through M/s Sara International during the period from March, 1997 to July 1997 to July 1997, if so, the rates at which it was exported and the criteria adopted for the purpose;

(b) whether it is a fact that the rates of exporting of Sugar by Bhadson Sugar Mill through M/s Satnam Overseas, Karnal Coop. Sugar Mill is higher than the rates of exporting of sugar by Sugarfed during the said period if so, the reasons thereof;

(c) whether it is also a fact that the aforesaid export deal was cancelled midway on 23-07-97 by Haryana Sugarfed, if so, the reasons thereof, and

(d) whether the Shahabad Coop. Sugar Mill exported 7 racks of Sugar against 5 racks as approved by the Board of Directors of the Mill; if so, the reasons thereof ?

सहकारिता मंत्री (श्री नरबीर सिंह):

(क) जी हां, श्रीमान मार्च से जुलाई 1997 के दौरान मैसर्ज सारा इन्टरनै ानल के माध्यम से राज्य की चीनी मिलों द्वारा चीनी का निर्यात किया गया है। करनाल चीनी मिल ने मैसर्ज सारा इन्टरनै ानल के माध्यम से कोई निर्यात नहीं किया। निर्यात की गई चीनी की मात्रा एवं दरों का ब्यौरा अनुबन्ध 'क' पर संलग्न है।

चीनी का यह निर्यात भारत सरकार के द्वारा निर्धारित एवं निर्दे ात नीतियों के अन्तर्गत ही किया गया है। निर्यात की गई चीनी का मूल्य घरेलु चीनी के मूल्यों की दरों से अधिक है। मिलों ने चीनी के निर्यात से लाभ कमाया है।

(ख) जी नहीं, श्रीमान, पिकाडली भुगर मिल भादसों (करनाल) द्वारा निर्यात की गई चीनी का मूल्य 1270 रूपये प्रति क्विंटल (363 प्रति टन यू0एस0 डालर) सहकारी चीनी मिलों से कम है, क्योंकि पिकाडली चीनी मिल से चीनी का सीधा निर्यात किया है, जबकि सहकारी चीनी मिलों ने चीनी का निर्यात एजैंट के माध्यम से किया है जिसके कारण अपेडा (कृशि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण) के पक्ष में की जाने वाली पांच लाख रूपये की धरोहर रा ि ा, भारत व पाकिस्तान द्वारा अधिकृत निरीक्षण हेतु खर्चा, आबकारी औपचारिकताओं के खर्चे निर्यात की जाने वाली चीनी के आदे ा प्राप्त करवाना, रेलवे से रेलवे बैग्न की व्यवस्था, एल0सी0 नैगो ि ाएट करवाना (सहकारी चीनी मिलों के निर्यात की गई चीनी का मुल्य तुरन्त प्राप्त किया जबकि पिकाडली भुगर मिल को निर्यात की गई चीनी का भुगतान काफी समय बाद मिला) पर खर्च नहीं करना पडा। इसके इलावा चीनी प्रसंघ ने एजैंट से 25 लाख रूपया धरोहकर के रूप में भी जमा करवाया, जो चीनी प्रसंघ के पास अप्रैल 1997 से सितम्बर, 1997 तक जमा रही, चीनी प्रसंघ ने इसके ऊपर भी ब्याज प्राप्त किया। उक्त समस्त खर्चों का आर्थिक प्रभाव लगभग 50 रूपये से 60 रूपये प्रति क्विंटल पडता है। इस प्रकार सहकारी चीनी मिलों द्वारा प्राप्त भुद्ध मूल्य पिकाडली चीनी मिल द्वारा पाकिस्तान को

निर्यात की गई चीनी के मूल्य से कम नहीं है। हरियाणा सहकारी चीनी मिल्ज संघ ने निर्यात का अनुबन्ध 25–3–97 को लिया जबकि करनाल चीनी मिल ने इसका निर्णय 23–5–97 को अर्थात दो महीने बाद लिया। चूंकि चीनी के मूल्य प्रतिदिन परिवर्तित होते रहते हैं तथा निर्यात अलग अलग सयम पर किया गया है इसलिए करनाल मिल से तुलना करना संभव नहीं है।

(ग) जी नहीं, यह सच नहीं है कि हरियाणा चीनी मिल प्रसंघ द्वारा 23–7–97 को बीच में ही चीनी निर्यात का सौदा रदद कर दिया गया। सरकार ने चीनी निर्यात के सौदे को कुछ समय के लिए रोकने की इच्छा व्यक्त की थी।

सरकार के आदे ा के अनुपालना में इसे रोक दिया गया था तथा इसी बीच निर्यात के आदे ा की वैधता का समय समाप्त हो गया।

(घ) यह ठीक है कि भाहाबाद सहकारी चीनी मिल ने चीनी के सात "रैक" का निर्यात किया। निर्दे ाक मण्डल की बैठक के प्रस्ताव में रैक की संख्या का कोई उल्लेख नहीं है। 1996–97 में उत्पादित की गई चीनी के निर्यात के लिए निर्दे ाक मण्डल ने सैद्धांतिक तोर पर नीति का अनुमोदन किया था तथा यह इच्छा व्यक्त की थी कि चीनी का निर्यात इस प्रकार किया जाता रहे जिससे कि चीनी मिल पर कोई आर्थिक बोझ न पड़े।

अनुबन्ध "क"

क्र0 स0	मिल का नाम	मात्रा मी0 टन में	डिस्पैच माह	दर प्रति क्विंटल (रूपये)	मिलों के घरेलु औसतन मूल्य 1997–98	मिलों के घरेलु औसतन मूल्य 1996–97	निर्यात से प्राप्त कुल धन	(7–5)	(7–6)	(2+8)	(2+9)
1	भाहबाद	1785.6	अप्रैल 97	1205	1162	1215	1385	223	170	3981888	303520
2	भाहबाद	1757.7	अप्रैल 97	1205	1162	1215	1385	223	170	3919671	2998090
3	भाहबाद	1794	मई 97	1215	1332	1215	1395	63	180	1130220	3229200
4	रोहतक	1766.4	मई 97	1215	1239	1237	1383	144	146	2453616	2578944
5	भाहबाद	1794	मई 97	1215	1332	1215	1395	63	180	1130220	3229200
6	रोहतक	1794	जून 97	1235	1365	1237	1403	38	166	681720	2978040
7	भाहबाद	1794	जून 97	1215	1341	1215	1395	54	180	968760	3229200

8	महम	1794	जून 97	1215	1314	1193	1375	61	182	1094340	3265080
9	भाहबाद	1794	जुलाई 97	1250	1304	1215	1430	126	215	2260440	3857100
10	भाहबाद	1738.8	जुलाई 97	1250	1304	1215	1430	126	215	2190888	3738420
										11901763	32128794

Number of Schools Upgraded

55. Sh. Anil Vij: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the district wise number of schools, if any, upgraded from Primary to Middle, Middle to High and High to 10+2 in the State during the period from Feb. 1998 to date; and

(b) the number of new Schools and Colleges, if any, opened in the State since the formation of this Government ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री रामबिलास भार्मा):

(क) फरवरी 1988 के बाद किसी भी स्कूल का दर्जा नहीं बढाया गया।

(ख) इस सरकार के बनने के प चात 21 नये प्राथमिक विद्यालय खोले गए। वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के बाद राज्य में 6 नये निम्नलिखित महाविद्यालय खोले गए:

1. राजकीय महाविद्यालय, कृश्णा नगर, नारनौल।

2. राजकीय महाविद्यालय, अम्बाला छावनी।

3. राजकीय महाविद्यालय, बोंद कलां।

4. राजकीय महाविद्यालय, सिवानी।

5. राजकीय महिला महाविद्यालय, फतेहाबाद।

6. राजकीय ि ाक्षण महाविद्यालय, नारनौल।

राजकीय ि ाक्षण महाविद्यालय, नारनौल यद्यपि खोल दिया गया है। परन्तु राश्ट्रीय अध्यापक परिशद, जयपुर के अनुमोदन के अभाव में वर्श 1998–99 में चालू नहीं हो पाया है। वर्श 1999–2000 से यह आरम्भ हो जाना सम्भावित है। इसी अविध में सरकार ने राजकीय महाविद्यालय, करनाल तथा महेन्द्रगढ के दो महिला विंगो को भी पूर्ण राजकीय महाविद्यालयों में परिवर्तित किया। इसके अतिरिक्त वर्तमान सरकार ने दो निजी महाविद्यालयों संजय कालेज, अटेली, (रिवाड़ी) तथा विवेकानन्द कालेज नांगल चौधरी को सरकारी नियंत्रण में लिया।

Number of Beneficiaries under Old Age Pension Scheme

56. Sh. Anil Vij: Will the Minister for Social Welfare be pleased to state- the district wise number of beneficiaries and the amount disbursed under the old Age Pension scheme in the State during the last five years ?

समाज कल्याण मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

पिछले पांच वर्शों में जिलावार लाभपात्रों की संख्या तथा वृद्धावस्था पैं ान योजना राज्य में वितरित की गई रा ि ा का ब्यौरा (रूपये लाखों में)

क्र0 स0	जिला	31–3–95 को लाभ पात्रों की संख्या	1994–95 में वितरित की गई रा ि ा	31–3–96 को लाभ पात्रों की संख्या	1995–96 में वितरित की गई रा ि ा	31–3–97 को लाभ पात्रों की संख्या	1996–97 में वितरित की गई रा ि ा	31–3–98 को लाभ पात्रों की संख्या	1997–98 में वितरित की गई रा ि ा	31–3–99 को लाभ पात्रों की संख्या	1998–99 में वितरित की गई रा ि ा
1	अम्बाला	39113	708.02	50004	517.20	45913	552.63	48223	538.18	45567	417.42
2	यमुनानगर	29190	539.25	32378	364.09	30018	366.48	32042	356.50	29978	274.52
3	कुरूक्षेत्र	24491	444.50	28020	308.16	25626	303.77	26980	295.25	24260	221.26
4	कैथल	31919	578.00	37153	397.67	33214	405.75	34039	386.05	32458	327.42
5	करनाल	35698	647.23	39983	442.62	37381	455.56	37738	437.97	34902	32.32

6	पानीपत	22380	409.84	26115	383.48	24723	296.32	25635	284.20	23999	215.64
7	सोनीपत	50999	910.97	58616	626.05	55402	641.70	59018	633.64	56013	496.61
8	फरीदाबाद	34891	640.55	45064	473.79	42486	517.85	43101	492.25	40067	408.61
9	गुड़गांव	45071	829.98	49466	550.06	46242	561.19	49864	550.62	46976	476.73
10	रिवाड़ी	24981	464.97	30604	332.75	28716	347.35	30225	338.17	28225	259.88
11	नारनौल	32952	609.55	41366	428.02	39259	469.08	39196	452.35	36428	333.32
12	जींद	37455	687.80	43161	466.90	40760	486.01	42689	481.28	40657	411.63
13	रोहतक	74126	1358.29	81981	929.62	78011	945.30	43091	781.03	41090	418.78
14	झज्जर							39420	617.03	37818	345.10
15	भिवानी	42158	772.17	53473	559.43	51849	626.84	55196	875.59	52234	479.61
16	हिसार	74256	1358.24	90015	982.78	84489	1022.79	57056	380.51	52219	484.72
17	फतेहाबाद							31907	123.40	30092	304.82

18	सिरसा	25006	462.37	33892	351.21	32016	389.14	34236	157.73	33480	328.53
	कुल योग	**624886**	**11421.73**	**741291**	**8013.83**	**696104**	**8387.76**	**729697**	**8182.50**	**686553**	**6529.92**

Installation of New Sub-Stations

57. Sh. Anil Vij: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the number of new power sub stations installed and the number of sub-stations augmented, since the formation of the present Government togetherwith names thereof; and

(b) the number of sub-stations to be installed or augmented by the year 2000 togetherwith locations thereof ?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal):-

(a) 25 No. New Sub-stations have been commissioned since the formation of present Government.

NEW SUB-STATIONS

220KV	1	Nissing	2	Rohtak		
132KV	3	Sagga	4	Munak	5	Ismailabad
	6	Chhajpur				
66KV	7	Hathin	8	Chandpur	9	I.A. Ambala Cantt.
33KV	10	Alewa	11	Nehla	12	Sewan Gate Kaithal
	13	Barsat	14	M.I.E. Bhadurgarh	15	Mehmara
	16	Aterna	17	Bhatghaon	18	Dharamgarh
	19	Dwarka	20	Jassorkheri	21	Bhiwani Rohila
	22	Cross Road Ambala Cantt.	23	MDU Rohtak	24	Teontha
	25	Model Town				

		Rewari				

123 No. Sub-stations have been augmented:

AUGMENTATIONS

220KV	1	Pehowa	2	Bhiwani	3	Sirsa
	4	Nissing	5	Pehowa	6	Bhiwani
	7	I.A. Hisar	8	Kaithal	9	Sirsa
	10	PTPS	11	Sonipat	12	Palwal
132KV	13	Rohtak	14	Nilikheri	15	Jiwan Nagar
	16	Uklana	17	Tohana	18	Bhiwani
	19	Hansi	20	Cheeka	21	Rai
	22	Kaithla	23	Kaninakhas	24	Mohindergarh
	25	Miran	26	Safidon	27	Fatehabad
	28	Chandoli	29	Jind (New)	30	Bahadurgarh
	31	Siwan	32	Thana	33	Madhuban
	34	Smalkha	35	Bhore	36	Ateli
	37	Jui	38	Hansi	39	Sirsa
	40	Sonipat	41	Kalanaur	42	Kaninakhas
	43	Gohana Road Panipat	44	Jhajjar	45	Chhajpur
	46	Bhiwani	47	Badhra	48	Chhandoli
	49	Ratia	50	Munak		
66KV	51	FCI Faridabad	52	A3 Palla	53	10A Gurgaon
	54	Palwal	55	Sadopur	56	Kesri

	57	IOC Amabla Cantt.	58	Dharuhera	59	Hyderabad Asbestos
	60	Adhoya	61	A2 Faridabad	62	Chormastpur
	63	Maruti Gurgaon	64	Ford Faridabad	65	Babain
	66	Jansui	67	Hodal	68	Mehrauli Road Gurgaon
	69	Basantpur	70	Shahbad	71	Dhauj
	72	Nuh	73	A5 Faridabad		
33 KV	74	Rajgarh Road Hisar	75	Nautch	76	Siwani
	77	Sarauli	78	Kahanaur	79	Lukhi
	80	Ajrana	81	Sanauli Road, Panipat	82	Jamba
	83	RD-0	84	Mastgarh	85	Daba
	86	Behal	87	Meerut Road, Karnal	88	Pali/Gothra
	89	Ferozepur Jhirka	90	Badopal	91	Kadma
	92	Nakipur	93	Bhawani Khera	94	Engg. College, Murthal
	95	Lad	96	I.A. Karnal	97	Munak
	98	Jindal Metal, Hisar	99	Beholi	10 0	Kharkhoda
	10	IA Panipat	10	Mathana	10	Sampla

	1		2		3	
	104	IDC Rohtak	105	Vidyut Nagar, Hisar	106	Mundiakhera
	107	Sanjarwas	108	Ram Nagar	109	Mehmara
	110	Mundhal	111	Badopal	112	Madho Singhana
	113	KU Kurukshetra	114	Punhana	115	Teliwara
	116	Cross Road Ambala Cantt.	117	Kutail	118	Madho Singhana
	119	Larsoli	120	REC Kurukshetra	121	MIE Bahadurgarh
	122	Newal	123	Ram Nagaria		
(b) 93 No. New Sub-stations are proposed to be commissioned by 2000.						
220KV	1	Tepla	2	Yamuna Nagar	3	Cheeka
	4	Sonipat	5	Bajghera	6	Palla
	7	Pali	8	Mohindergarh	9	Fatehabad
132KV	10	Pipli	11	Malikpur	12	Dangli
	13	Pai	14	Padla	15	Chakuladana
	16	Kangthli	17	Newal	18	jalmana
	19	Israna	20	Kundli	21	Harsana

	22	Murthal	23	Mundiakhera	24	Pali/Gothra
	25	IA Hisar (27/28)	26	Arya Nagar Hisar	27	Sampla
	28	Sikandarpur	29	Ellenabad	30	Madho Singhana
	31	Kheri Taloda	32	Loharu	33	Tosham
	34	IA Bhiwani				
66KV	35	IA Amabala Cantt.	36	Barnala	37	Mulana
	38	Mohra	39	Mansa Devi Panchkula	40	Kalka
	41	Jathiana	42	Bhore Kalan	43	Sector 40/45 Gurgaon
	44	Sector 33/34 Gurgaon	45	Sector 9, Gurgaon	46	Sector 55/56 Gurgaon
	47	Punhana	48	Hasanpur	49	Chhainsa
	50	Green Field Faridabad	51	Sector 12/20 Faridabad	52	Pirthala
	53	Sector 23-A, Gurgaon	54	Allawalpur		
33KV	54	Teontha	56	Kawartan	57	Jakholi
	58	Biana	59	Uplana	60	Kohand
	61	G.T. Road Panipat	62	Assandh Road Panipat	63	Diwana
	64	Kutani	65	Butana	66	Barota

		Road Panipat				
	67	Kewra	68	Khanpur Kalan	69	Garhi Mahasar
	70	Dablana	71	Bawania	72	Model Town Rewari
	73	Khushpura	74	Mangali	75	Sadhanwas
	76	Barwala Road Hansi	77	Daryapur	78	Ganda
	79	Keharwala	80	IA Sirsa	81	Shahindawali
	82	Rasulpur Ther	83	Odhan	84	Singhana
	85	Kheri Sherkhan	86	Bhana	87	Balu
	88	Morewala	89	Bhana	90	MDU Rohtak
	91	Surya Roshni Rohtak	92	Jassorkheri	93	Jahajgarh
AUGMENTATION 89 No. Sub-stations are proposed to be augmented						
220KV	1	Panchkula	2	Pehowa	3	Nissing
	4	PTPP Panipat	5	Sonipat	6	Palwal
	7	IA Hisar	8	Sirsa	9	Rohtak
132KV	10	Pinjore	11	Ismailabad	12	Bhore
	13	Pehowa	14	Thana	15	Pundri
	16	Sewan	17	Indri	18	Chandoli

	19	Munak	20	Chhajpur	21	Gohana
	22	Ateli	23	Mohindergarh	24	Ratia
	25	Beer	26	Uklana	27	Rania
	28	Sirsa	29	Narwana (New)	30	Badhra
	31	Digawan Jattan	32	Jhajjar	33	Bahadurgarh
	34	Tohana				
66KV	35	Chandpur	36	Nuh	37	Ford
	38	Hodal	39	Dhauj		
33KV	40	Dhand	41	RECK	42	KU Kurukshetra
	43	Thana	44	Padla	45	Sewan Gate Kaithal
	46	Gheer	47	Ram Nagar	48	Kutail
	49	Israna	50	Kabri	51	Barsat
	52	Kharkhoda	53	HSIDC Kundli	54	Suraj Steel Sonipat
	55	Mini Sectt. Sonipat	56	Tajpur	57	Begga
	58	Kalyana	59	Partap Steel Faridabad	60	Chhainsa
	61	Nizampur	62	Jharthal	63	Mundia Khera
	64	Jharoda	65	Barwala	66	Bhatla
	67	Arya Nagar Hisar	68	Mundhal	69	Bhattu Kalan
	70	Begu	71	Sikandarpur	72	Ram Nagaria

	73	Nathu Sari	74	Kalanwali	75	Ganga
	76	Ding	77	Bahudin	78	Ramrai/Bibipur
	79	Uchana	80	Dhanoda	81	Alewa
	82	Lohani	83	Lad	84	Sanjarwas
	85	Issarwal	86	Bahadurgarh	87	MIE Bahadurgarh
	88	Ding	89	Gheer		

Teachers of C.B. High School, Ambala Cantt.

58. Sh. Anil Vij: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether it is a fact that teachers of C.B. High School, Ambala Cantt. were absorbed in the Education Department, Haryana on 5-2-1997; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to give selection grade to the teachers as referred to in part (a) above in pursuance of the judgement of the Hon'ble High Court in C.W.P. No. 4550/80 ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) सी0बी0 उच्च विद्यालय, अम्बाला छावनी के अध्यापक दिनांक 5.2.1977 से ि ाक्षा विभाग के नियंत्रण में लिये गये थे न कि 5.2.1997 से।

(ख) अभी मामला कोर्ट के विचाराधीन है, क्योंकि सी0डब्ल्यू0पी0 नं0 4550/1980 में माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्णय के विरूद्ध विभाग द्वारा एल0पी0ए0 नं0 1341 ऑफ 1991 दायर की हुई है जिसका निर्णय अपेक्षित है।

ध्यानाकर्शण प्रस्तावों की सूचनाएं

11.00 बजे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव है।

श्री अध्यक्षः आपका जो ध्यानाकर्शण प्रस्ताव है that has been disallowed.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह तो मुझे आपसे उम्मीद है, आपने यह फर्रा भेज दिया लेकिन मैं आपसे निवेदन तो कर सकता हूं। यह एक बडा ही अहम मुददा है। अध्यक्ष महोदय, स्वयं लीडर ऑफ दि हाऊस ने आज एक सवाल के जवाब में कहा है कि इसमें विभाग की तरफ से कोताही हुई है। अध्यक्ष महोदय, सरकारी आंकडों के मुताबिक प्रदे ा में बहुत घटनाएं घटी हैं। आज प्रदे ा में लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति बहुत खराब है, महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, सरकार अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं और न ही रोज नेता सुरक्षित हैं। अध्यक्ष महोदय, यह बडा अहम मुददा है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप उस सवाल पर आधे घंटे की चर्चा करवा दें तो अच्छा होगा क्योंकि यह सारे प्रदे ा से जुडा हुआ मामला है। मेरे ख्याल से मुख्य मंत्री जी भी इस बात से सहमत होंगे क्योंकि दिन प्रतिदिन प्रदे ा के हालात बिगडते जा रहे हैं।

श्री अध्यक्षः आधे घंटे की चर्चा तो नहीं होगी जब गवर्नर एड्रैस पर बहस होगी तब आप भी बोल लेना और सरकार भी उसका जवाब दे सकती है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, उस समय तो हम बोलेंगे लेकिन आप इस सवाल पर आधे घंटे की चर्चा के लिए परमि ान दें।

श्री अध्यक्षः इस बारे में आप गवर्नर एड्रैस पर बोलते हुए अपनी बात कह लेना।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरा भी एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव है। रिवाड़ी और धारूहेड़ा के पास कई

कॉलोनियां बन गई हैं। वहां पर कोलोनाईजर इललीगल कोलोनाईजे ान कर रहे हैं जिससे वहां पर स्लम पैदा हो रहा है। इसके बारे में सरकार क्या कदम उठा रही है। उन कोलोनाईजर्ज के पास कोई लाईसेंस भी नहीं है।

Mr. Speaker: Your Calling Attention notice has been disallowed.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, कोई अच्छा कार्य करने के लिए कोई प्रस्ताव लाये तो भी आप उसको नहीं मानते। मेरा एक और ध्यानाकर्शण प्रस्ताव इसके अलावा है। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के रिवाडी में रिवाडी भाहर के पास कई कालोनियां हैं, वहां पर ड्रेनेज की कोई व्यवस्था नहीं है। उन कालोनियों में पानी खडा रहता है जिसकी वजह से मलेरिया और दूसरी बीमारियां फैलने का खतरा है। मैंने इस बारे में डी0सी0 साहब से भी बात की थी लेकिन इस बारे में कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है। इसके साथ ही बिना लाईसैंस के कालोनाईजर वहां पर कोलोनाईजे ान को बढा रहे हैं।

Mr. Speaker: Please listen to me. That has also been disallowed.

कैप्टन अजय सिंह यादवः इसका मतलब तो यह है कि इस सदन में आने का कोई फायदा नहीं क्योंकि सही बात या पब्लिक इंट्रस्ट की बात हो तो वह भी डिसअलाऊ हो जाती है। कोई बात ठीक है तो वह भी डिसअलाऊ हो जाती है।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, मैंने भी एक कालिंग अटैं ान मो ान दिया है।

Mr. Speaker: Your calling attention motion regarding disconnection of electricity connection of pump house of Jehangirpur village Distt. Jhajjar has been sent to the Government for comments.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आपका अच्छा मूड देखकर मेरा हौसला बढा है। मेरा पहला ध्यानाकर्शण प्रस्ताव तो आपने डिस अलाऊ कर दिया। लेकिन प्रदे ा से जुडा हुआ एक अहम मुददा है। ऐसा है कि केन्द्रीय सरकार की तरफ से (विघ्न)

Mr. Speaker: I would request all the Hon'ble members to please listen to Sh. Om Parkash Chautala.

केन्द्र सरकार द्वारा जन वितरण प्रणाली के माध्यम से वितरित की जा रही आव यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से संबंधित मामला

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, केन्द्रीय सरकार की तरफ से आज यूरिया खाद पर, चीनी पर, चावल पर, गेहूं पर बेइन्तहा पैसा बढाया गया है। यह सारी स्टेट का मामला है। संयोग से विधान सभा का सै ान चल रहा है। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि इस बारे में सर्व सम्मति से एक रैजोल्यू ान पास किया जाए और केन्द्रीय सरकार से अनुरोध किया जाए कि हरियाणा प्रदे ा में तो पहले से ही बहुत बुरी हालत है। दे ा के किसानों और गरीबों की हालत आज सबसे ज्यादा दयनीय है इसलिए इस वृद्धि को रोका जाए। इस बारे में यूनैनिमसली एक रैजोल्यू ान पास किया जाए। मैं आपसे चाहूंगा कि चूंकि विधानसभा का अधिवे ान चल रहा है और विधानसभा जब सै ान में हो तो पहले भी ऐसे अहम मुददे यूनैनिमसली रैजोल्यू ान द्वारा पास हुए हैं। इसलिए मैं चाहूंगा कि इस बारे में एक रैजोल्यू ान यूनैनिमसली पास करके केन्द्र सरकार से अनुरोध किया जाए कि बढाई गई कीमतें वापस ली जाएं। (विघ्न) मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि इस बारे में एक रैजोल्यू ान को स्वीकृति प्रदान की जाए और इसे केन्द्र सरकार के पास आव यक कार्यवाही के लिए भेजा जाए।

श्री अध्यक्षः तीन मुख्य पार्टियां एच0वी0पी0, बी0जे0पी0 और भारतीय लोकदल हैं और तीन पार्टियां केन्द्र सरकार को

समर्थन दे रही हैं इसलिए आप अपने एम0पी0 के माध्यम से यह सवाल लोक सभा में उठायें क्योंकि यह मामला केन्द्र से संबंधित है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: सर, यह सवाल पार्टीज का नहीं है, यह हरियाणा प्रान्त के किसानों और हमारे लोगों के हितों का सवाल है। यह राजनीतिक पाटियों की बात नहीं है। यह हरियाणा प्रदे ा के हितों से जुडा हुआ मामला है इसे आप राजनीतिक कलर क्यों दे रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: मैंने आपसे एक अर्ज की है कि यह केन्द्र सरकार से संबंधित है और बेहतर यही होगा कि इस बात को आप लोकसभा में ही उठाएं।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: स्पीकर सर, इस बात पर सारा सदन सहमत होगा। यह तो यूनैनिमस मामला है। यह तो सारे प्रान्त के हितों की रक्षा की बात है।

श्री अध्यक्ष: अगर सभी सदस्य सहमत हों तो मैं सभी पार्टियों के लीडर साहेबान से रिक्वैस्ट करता हूं कि आज सै ान खत्म होने के बाद वे मेरे चैम्बर में आकर मुझसे मिले। (विघ्न) Please see me in my Chamber after the adjournment of the House.

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): स्पीकर सर, सदन में विपक्ष के मान्य नेता श्री चौटाला जी ने एक बडा मुददा उठाया है। स्पीकर सर, आप भी जानते हैं कि जब भारत सरकार का बजट अधिवे ान आता है पिछले कई सालों से यानि 1952 से लेकर 1998 तक यह रिवायत राही है कि बजट अधिवे ान से महीना दो महीने डीजल, पैट्रोल, बीडी सिगरेट सब चीजों के दाम बढाने की परम्परा रही है। इस बार भारत सरकार ने कमाल किया कि डीजल का दाम एक रूपया प्रति लीटर घटाया है। (इस समय मेंजें थपथपाई गई) स्पीकर सर, क्या श्री चौटाला जी ही किसानों के भाुभचिन्तक हैं, इनको पता होना चाहिए कि किसान डीजल से

ट्रैक्टर चलाता है, टयूबवैल चलाता है, डीजल के दाम कम होने से 220 रूपये एक ड्रम पर उसे राहत मिली है, इसलिए एक रैजोल्यू ान यह भी पास करके भारत सरकार को भेजा जाये कि भारत सरकार ने किसानों के लिए बहुत काम किया। स्पीकर सर, भारत सरकार ने 95 रूपये प्रति क्विंटल गेहूं का दाम बढाया है। (विघ्न एवं भाोर)

चौधरी रणदीप सिंह सुर्जेवालाः स्पीकर सर, चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने चर्चा की कि भारत सरकार ने जिस प्रकार से बहुत भारी बोझ आम जनता पर और किसानों पर चीनी के मूल्य बढा कर, यूरिया खाद के मूल्य बढा कर और अन्य जरूरियात की चीजों के मूल्यों में वृद्धि करके डाला है। यह कमरतोड वृद्धि की है। आपने भी फरमाया कि तीन मुख्य पार्टियां केन्द्र सरकार को बाहरी और अन्दरूनी समर्थन दे रही हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से चौधरी बंसी लाल जी जो सदन के नेता हैं, श्री राम बिलास भार्मा जो भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं और श्री ओम प्रका ा चौटाला जो भारतीय राश्ट्रीय लोकदल के नेता हैं तथा विपक्ष के नेता भी हैं, इन सभी से प्रार्थना है कि अगर ये वास्तव में हरियाणा और हिन्दुस्तान की जनता के मददगार हैं तो बजाए इस बात को ऐसे ही उजागर करें, ये भारत सरकार पर अपना दबाव डालें कि या तो यह मूल्यवृद्धि वापिस ली जाए अन्यथा हम सरकार से अपना समर्थन वापिस लेते हैं। इस मामले में प्रस्ताव वगैरह पास करने से कुछ होने वाला नहीं है। इस मामले में तो सीधे तौर पर एक ान लेना पडेगा। वरना आज हरियाणा प्रदे ा की जनता देखने लग रही है और वह इन बातों के लिए हमें कभी भी माफ नहीं करेगी। श्री राम बिलास भार्मा जी ने चर्चा कर दी कि डीजल के भाव में एक रूपया प्रति लीटर के हिसाब से कमी की गई है। (ाोर एवं विघ्न) उन्होंने कहा कि ऐसा करके भारत सरकार ने हरियाणा और हिन्दुस्तान के किसानों के ऊपर बहुत बडा एहसान किया है। मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि अंतराश्ट्रीय मुद्रा बाजार में 5 डालर प्रति

गैलन डीजल के भाव में कमी हुई है। इस प्रकार से हरियाणा व हिन्दुस्तान में 4 रूपये प्रति लीटर डीजल के भाव में कमी होनी चाहिए थी। लेकिन एक रूपया प्रति लीटर भाव कम करके हरियाणा व हिन्दुस्तान के किसानों के साथ क्रूर मजाक किया गया है। (विघ्न)

प ुपालन मंत्री (श्री जसवंत सिंह): अध्यक्ष महोदय, इनकी कांग्रेस पार्टी की जब दिल्ली में सरकार थी तथा उस समय वित्त मंत्री श्री मनमोहन सिंह और भारत सरकार के कॉमर्स मिनिस्टर ने बडा जोर दिया कि किसानों को दी जा रही सारी सबसिडी को हटाया जाए। (ोर) यहां ये हरियाणा प्रदे ा के किसानों के समर्थक बनते हैं और वहां इनके नेता किसानों को दी जाने वाली सारी सबसिडी को खत्म करने का कार्य करते हैं। (ोर) अध्यक्ष महोदय, ये वे लोग हैं जो चोर को कहते हैं कि चोरी करो और गांव वालों को कहते हैं कि जागो। (ोर) ये बहुरूपिए हैं। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रका ा चौटाला जी ने एक प्रस्ताव सदन के सम्मुख रखा है और मैंने भी निवेदन किया है कि यह सदन सर्व सम्मति से एक प्रस्ताव पास करके भारत सरकार को भेजे जिसमें 95 रूपए प्रति क्विंटल के हिसाब से गेहूं का भाव बढाने के लिए भारत सरकार का धन्यवाद किया जाए तथा जो डीजल के भाव में कमी की गई है, उसमें और कमी करने के लिए अनुरोध किया जाए। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मेरा जिक्र आया है इसलिए आप मुझे बोलने के लिए समय दें।

श्री अध्यक्ष: कृपया आप बैठिए।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now discussion on Governor's Address will take place. Sh. Anij Vij may move his motion.

अनिल विज (अम्बाला छावनी): अध्यक्ष महादेय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि–

राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित भाब्दों में पे ा किया जाएः–

"कि इस सत्र में इकटठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाशण के लिए राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ हैं जो उन्होंने 28 जनवरी 1999 को सदन में देने की कृपा की है।"

अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो यहां पर आकर अपना अभिभाशण दिया है उसके लिए इस विधान सभा के सभी सदस्य राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ हैं। अध्यक्ष महोदय, यह परम्परा है कि हर साल विधान सभा का जो प्रथम सत्र बुलाया जाता है उसके प्रथम दिन राज्यपाल महोदय सरकार की उपलब्धियों का, सरकार की भावी योजनाओं के बारे में सदन में आकर अपना अभिभाशण प्रस्तुत करते हैं। यह अभिभाशण आगामी वर्श में, सरकार की क्या क्या योजनाएं हैं, उनका एक मीरर है। इस अभिभाशण में आने वाले वर्श में क्या क्या कार्य होने हैं उनको देखा जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, जो इस बार को अभिभाशण राज्यपाल महोदय ने इस सदन में रखा है यह अति महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न केवल आगामी योजनाओं की जानकारी देता है बल्कि यह इस ओर भी संकेत कर रहा है कि यह वर्श इस सदी का अंतिम वर्श है। हमस न 2000 में प्रवे ा करने जा रहे हैं। हम नये वर्श में नई योजनाओं और नई नई नीतियों के साथ इस राश्ट्र को और इस प्रदे ा को नई सदी में प्रवे ा कराने जा रहे हैं यह इस अभिभाशण में बताया गया है। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में सबसे पहले राश्ट्रपिता महात्मा गांधी की 50वीं

भाहादत की पुण्यतिथि को जो हम कल मनाने जो रहे हैं का वर्णन किया है। राज्यपाल महोदय, ने यह भी बताने की कोि ा ा की है कि इस वर्श में सारे प्रदे ा में जो पिछले वर्श एक सफाई अभियान भारू किया गया था उसको इस वर्श 30 जनवरी के दिन जो महात्मा गांधी की पुण्यतिथि का दिन है, पूरा करने जा रहे हैं, यह बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। इस दिन को सर्व धर्म सुखाय के रूप में मनाने के लिए हमारे प्रधान मंत्री जी ने कल एक दिन का उपवास रखने का आहवान किया है। उसी को देखते हुए हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने भी इस दिन को सर्व धर्म सुखाय के रूप मे मनाने की भावना को व्यक्त करने के लिए, उस पर अमल करने के लिए, उस पर सबका ध्यान आकर्शित करने के लिए कल एक दिन का उपवास रखने का ऐलान किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि उन सबका अनुसरण करते हुए मैं भी कल का उपवास रखने का ऐलान करता हूं। मैं अपने तमाम साथियों से भी यह आ ाा करता हूं कि वे भी कल का उपवास रखेंगे और जो हमारे राश्ट्र क मुख्यधारा है उसका अनुसरण करेंगे और करना भी चाहिए। सबको संकल्प लेना चाहिए कि 30 जनवरी को महात्मा गांधी जी की 50ीवं पुण्यतिथि को हम सब सर्व धर्म सुखाय के रूप में मनायें। अध्यक्ष महोदय, मैं अपने प्रदे ा की जनता को भी यह कहना चाहता हूं कि वे भी कल का दिन उपवास रखें और महात्मा गांधी की 50वीं पुण्यतिथि को सर्व धर्म सुखाय के रूप में मनायें। सर्व धर्म सुखाय का संदे ा सदा ही हिन्दुस्तान के द्वारा दिया गया।

"सर्वेत्र सुखिनः सन्तु, सर्वे सन्तु निरामयाः।

सर्वे भद्राणि प चन्तु, मां कश्चित्, दुःखमापनुयात।।"

यह संदे ा हमारे दे ा में दिया गया। अगर उस फरवर को, दे ा की उस कल्पना को, बचाकर रखना है तो हम सबको, जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को, समाज के लोगों को, समाज भास्त्रियों को, समाज के जागरूक तत्वों को तथा सारे राश्ट्र की

जनता को प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कल का उपवास रखने का जो संकल्प लिया है उसे पूरा करते हुए मैं यह कहना चाहूंगा कि मौजूदा सरकार ने बहुत ही सराहनीय काम किए हैं मौजूदा सरकार ने सर्व प्रथम लोकपाल बिल को मंजूरी देकर लोकपाल नियुक्त करने का एक बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। लोकपाल नियुक्त करने के बारे में सदा कहा जाता रहा, इस बारे में हमे ा बात कही जाती रही लेकिन किसी भी सरकार ने इस बात को पूरा नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, किसी भी सरकार को तीन भागों में कैटेगराइज किया जा सकता है ? कहा जाता है

Plan your work and work you plan. On this basis all the governments can be categorized in three parts.

एक प्रकार की सरकार वह होती है जो सरकार अपने कामों को ठीक ढंग से प्लान करती है और फिर उस प्लान पर कार्य करती है। एक दूसरे प्रकार की सरकार होती है जो प्लान तो करती है Plan your work, do not work on it, never work on it. यह दूसरे प्रकार की सरकार है। एक तीसरे प्रकार की सरकार होती है उसके बारे में हमें समय समय पर देखने को मिला है क्योंकि हमारे सामने तीसरे प्रकार की सरकारें भी आई हैं जो न तो कोई प्लान करती थी और न ही कोई कार्य करती थी। मुझे इस बात की खु ी है, मुझे इस बात का फख्र है और मैं समझता हूं कि हर व्यक्ति को इस बात का फख्र होना चाहिए कि आज हरियाणा प्रदे ा के अन्दर जो सरकार विराजमान है यह सरकार अपने काम प्लान भी करती है और उस प्लान पर पूरी तरह से अमल भी करती है। उस प्लान पर पूरी तरह से वर्क भी करती है। जब मौजूदा सरकार वजूद में आई तब हमारी सरकार ने अनेकों बातें कहीं और उन बातों में एक सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि लोकपाल बिल को मंजूरी दे कर लोकपाल की नियुक्ति की। लोकपाल की नियुक्ति के बारे में पहले की अनेकों सरकारों द्वारा भी काफी कोि ाश की जाती रही लेकिन हमारी मौजूदा सरकार ने इस बात को अमलीजामा पहनाया। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट को

भी इन्टरवीन करना पडा, इस बारे में सुप्रीम कोर्ट को आदे ा जारी करना पडा और सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदे ा में कहा कि राज्य सरकारें बताएं कि लोकपाल की नियुक्ति के बारे में क्या क्या कार्य किए जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारी प्रदे ा सरकार ने इस बात को केवल नारे तक ही नहीं रहने दिया। हमारी प्रदे ा सरकार ने हमारे यहां लोकपाल नियुक्त करके अपनी कही गई बात को अमलीजामा पहनाया। हमारे यहां लोकपाल की नियुक्ति हो गई है और उसने अपना कार्य करना आरम्भ कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, आज हमारी ने ान बॉडी को, आज हमारे राश्ट्र की व्यवस्था को, आज हमारे इस सारे ढांचे को बुरी तरह से अगर किसी ने खोखला किया है, अगर किसी ने ग्रस्त किया है, अगर किसी ने इसको अपंग बनाया है तो उसके लिए भ्रश्टाचार को सबसे ज्यादा जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। अगर भ्रश्टाचार को सही दृश्टि से देखा जाए तो यह नीचे से ऊपर की ओर बढता है। जैसे पौध लगाने के लिए लिए पहले बीज बोया जाता है, उस बीज का पौधा बनता है फिर पेड बनता है। पौधा तो नीचे से ऊपर की ओर बढता है लेकिन भ्रश्टाचार ऊपर से नीचे की और फैलता है, अगर भ्रश्टाचार को खत्म करना है, अगर इससे निजात पानी है, अगर प्रजातंत्र को बचा कर रखना है, अगर लोगों का अटूट वि वास कायम रखना है तो इस भ्रश्टाचार को जड से उखाड कर फैंकना बहुत ही आव यक है। इसकी जडें आका ा में हैं और इसको खत्म करने की कोई हिम्मत नहीं कर पाता। कहा भी जाता है सामरथ को नहीं दोश गुंसाईं। जो ऊंचे स्थानों पर बैठे हैं उन तक कोई उंगली नहीं कर सकता उनको कोई नहीं पूछ सकता। नीचे कोई छोटा मोटा आदमी अगर कोई गलत काम करता है तो उसकी गर्दन मरोडी जा सकती है लेकिन जो ऊंचे पदों पर विराजमान हैं जिन्होंने इस दे ा की बागडोर सम्भालने का जिम्मा लिया है भ्रश्टाचार वहां से भ्ारू होता है। उन तक हाथ नहीं पहुंच पाते। अगर वे गलत काम करें तो उन तक भी हाथ पहुंच सके। उनके गिरेबान को पकड सकें, उन द्वारा गलत किए

गए कामों को रोका जा सके, उच्च पदों पर पदस्थ लोगों को काबू में रखने क लिए, उनको भ्रश्टाचार से रोकने के लिए और भ्रश्टाचार के वृक्ष की जडों को काटने के लिए एक ऐसी अथोरिटी की आव यकता थी जो उनको पूछ सके। इसलिए मैं मौजूदा सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं कि इस सरकार ने प्रदे ा में लोकपाल की नियुक्ति करे एक बहुत ही ऐतिहासिक कदम उठाया है। मैं उम्मीद करता हूं और मुझे पूर्ण भरोसा और वि वास है कि हम जो नई सदी सन 2000 में प्रवे ा करने जा रहे हैं उसमें पुरानी बुराईयों को छोड पायेंगे। आज लोगों को राजनीतिज्ञों पर से वि वास उठ चुका है। आज अगर सबसे अधिक डी वैल्यूए ान हुई है तो वह राजनितिज्ञों की हुई है। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासनी हुए) उपाध्यक्ष महोदय, मुझे पूरा वि वास है कि हम पुरानी बुराईयों को छोड कर उनसे मुक्त होकर नई सदी में प्रवे ा करेंगे। सरकार ने जो लोकपाल की नियुक्ति की है उसके लिए मैं सरकार की एक बार नहीं हजार बार प्र ांसा करता हूं और सरकार का दिल से धन्यवाद करता हूं कि सरकार ने यह बहुत ही अच्छा कदम उठाया है।

उपाध्यक्ष महोदय, आज दे ा में खुलेपन की हवा बह रही है। सरकार की सोच में परिवर्तन आया है। ऐसा परिवर्तन सारे राश्ट्र में आया है। आज सरकार की मुख्य जिम्मेवारी लोगों को इन्फ्रास्ट्रैक्चर प्रोवाइड कराने की है। इन्फ्रास्ट्रैक्चर लोगों को प्रोवाइड करा कर राश्ट्र की तरक्की हो सकती है, किसी प्रान्त की उन्नति हो सकती है। सरकार का ऐसा उद्दे य होना चाहिए कि जिससे लोग भय मुक्त होकर सरकार की आलोचना कर सकें। सरकार लोगों के लिए ऐसे अवसर प्रदान करे जिससे वे आगे बढ सके और सबका भला हो सके। उसके लिए इन्फ्रोस्ट्रैक्चर प्रोवाइड करने की आव यकता है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारा प्रान्त दे ा में वैल प्लेसड है। हमारा प्रदे ा जब पंजाब से अलग हुआ था तो उस वक्त न तो यहां पर उपयुक्त सडकें थी, न बिजली के कनैक ान थे और न नहरी पानी हमारी जरूरत के मुताबिक था।

आज के दिन हमने सभी चीजों में महारत हासिल की है। हमारा प्रदे ा दे ा की राजधानी से सटा होने के कारण यहां पर सडकों का जाल है, रेलवे लाईनों का जाल है। हमारे यहां पर नहरी पानी उस वक्त की अपेक्षा अधिक है जब हम पंजाब से अलग हुए थे। हमारे पास आज वे सब साधन मौजूद है जिनसे हम हिन्दुस्तान का नंबर वन प्रान्त बन सकते हैं। हमारे यहां पर कमी है तो बिजली की है। बिजली की कमी के लिए अनेक वर्शों से प्रयास किए गए लेकिन उतने नहीं किए गए जितने की आव यकता थी। हमारे यहां पर बिजली की खपत निरंतर दिन प्रतिदिन बढती जा रही है। जिस समय हमारा प्रदे ा बना उस वक्त बिज6ी की कंजम्प ान पर कैपिटा 57 यूनिट की थी जो अब बढकर 460 यूनिट हो चुकी है। बिजली की ज्यादा जनरे ान के लिए जितने प्रयास किए जाने थे, वे उस स्तर पर नहीं किए गए। लेकिन मैं सदन को बताना चाहता हूं कि इस सरकार ने सत्ता सम्भालते ही सबसे अधिक ध्यान अगर दिया है तो वह बिजली की हालत सुधारने की तरफ दिया है। अगर बिजली होगी तो कारखाने चलेंगे और अगर कारखाने चलेंगे तो उत्पादन अधिक होगा, अगर उत्पादक अधिक होगा तो उजरत अधिक होगी, अगर उजरत अधिक होगी तो लोगों की परचेजिंग कैपेसिटी अधिक होगी, अगर परचेजिंग कैपेसिटी अधिक होगी तो दुकानदार को अधिक माल लाना पडेगा क्योंकि उसकी सेल अधिक बढेगी, अगर दुकानदार अधिक माल लाएगा तो मांग और भी बढेगी। यह सब चीजें एक दूसरे के साथ जुडी हुई हैं। इससे विकास को गति मिलती है। ये सभी चीजें बिजली की उपलब्धता से जुडी हुई हैं। बिजली की उपलब्धता मात्र 863 मैगावाट है जबकि बिजली की मांग और जरूरत लगातार बढती जा रही है। नये कारखाने लगेंगे और कारखाने लग भी रहे हैं लेकिन जितने कारखाने लगने चाहिए उतने बिजली की उपलब्धता न होने के कारण लग नहीं पा रहे हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि विकास की तेजी में कमी हुई है। बिजली की उपलब्धता कम होने के कारण इस विकास को सरअन्जाम नहीं दिया जा सका। इस

सरकार ने आते ही बिजली उपलब्धता बढाने के लिए और इसका उत्पादन बढाने की ओर वि ेश ध्यान दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, यह केवल कहने की ही बात नहीं है। मैं पहले भी अर्ज कर चुका हूं कि यह केवल नारा नही ंहै केवल घोशणा नहीं है, जो भी घोशणा सरकार की तरफ से की जाती हैं उसे अमली जामा पहनाया जाता है। अगर बिजली का उत्पादन बढाने की घोशणा की गई है तो उसके लिए पूरे प्रयास किये जा रहे हैं। आज फरीदाबाद में गैस बेस्ड थर्मल प्लांट एन0टी0पी0सी0 के द्वारा बनाया जा रहा है जिस पर 1163 करोड रूपये की लागत आएगी। उसकी पहली इकाई बन कर तैयार होने जा रही है और अगले छः महीने तक दूसरी इकाई भी तैयार हो जाएगी। इस वर्श के अन्त तक यानि दिसम्बर माह तक वह गैस बेस्ड थर्मल प्लांट 432 मैगावाट बिजली की जनरे ान हमें और देगा। आज तक हमें 863 मैगावाट बिजली प्राप्त है और फरीदाबाद के इस गैस बेस्ड प्लांट से 432 मैगावाट बिजली हमें और उपलब्ध होने लग जाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ पानीपत की जो चार इकाइयां हैं उनको प्लांट लोड फैक्टर 25 प्रति ात से अधिक नहीं था। सरकार उसको भी बढाना चाहती है और जर्मनी की फर्म ए0बी0बी0 को उसका कंट्रैक्ट दिया गया है। उन्होंने आ वासन दिया है कि 25 प्रति ात पी0एल0एफ को बढा कर वे 80 प्रति ात प्लांट लोड फैक्टर कर देंगे। इस कार्य के भी भीर्घ ही पूरा होने की उम्मीद है और इससे लगभग 232 मैगावाट अतिरिक्त बिजली हमें मिलेगी। उपाध्यक्ष महोदय, पानीपत की छठी इकाई लगाने के बारे में भी सरकार प्रयास कर रही है। समय समय पर इसके बारे में घोशणाएं होती रही हैं लेकिन वे केवल घोशणाएं ही रही हैं सबसे पहले 1989 में इस इकाई को लगाने का विचार किया गया था लेकिनर वह विचार केवल विचार ही रह गया। अगर उस वक्त यह इकाई लग गई होती तो 238 करोड रूपया इस पर खर्च होता और बिजली का टैरिफ 92 या 93 पेसे लगता लेकिन वह विचार केवल विचार ही रहा और यह स्कीम फाईलों से बाहर नहीं निकल

सकी। उस पर कोई कार्य आरम्भ नहीं किया गया जिसके कारण उसकी कीमत दिन प्रति दिन बढती चली गई। आज की मौजूदा सरकार ने इस छठी यूनिट को चालू करने के लिए कार्य आरम्भ किया है। उपाध्यक्ष महोदय, 238 करोड की बजाए इस पर 634 करोड रूपये का खर्चा आएगा जिससे टैरिफ की कीमत जो 92–93 पैसे होनी थी वह आज 3 रूपये बनती है। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार ने बिजली की जरूरतों को देखते हुए छठी योजना पर कार्य आरम्भ कर दिया है। वह भीघ्र अति भीघ्र बन कर तैयार हो जाएगी। इसके अलावा सरकार ने निजी क्षेत्र में बिजली की उपलबधता को बढाने के लिए 25–25 मैगावाट के 12 लिक्वेड फयूल बेस्ड स्टे ाज बनाने आरम्भ कर दिए हैं। इनमें से फरीदाबाद में मैसर्ज मैगनम को 25 मैगावाट और मारूति उद्योग को 25 मैगावाट के स्टे ांज स्थापित करने का काम आरम्भ करने को कहा है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा 33–33 के0वी0 के आठ नए बिजली उप केन्द्रों को भुरू किया गया है। कैथल, नीसिंग की 220 के0वी0 की ट्रांसमि ान लाईन और पानीपत तथा रोहतक की 200 के0वी0 की ट्रांसमि ान लाईन कमी ान की गई है। बिजली की उत्पादन को बढाने के लिए तमाम बातों पर ध्यान रखा गया है। चाहे बिजली की जनरे ान बढाने की बात हो, चाहे सब स्टे ान लगाने की बात हो इन सब बातों पर ध्यान दिया जा रहा है। इस सरकार ने आने के बाद 25 सब स्टे ांज लगाए गए हैं और लगभग 123 सब स्टे ांज को आगमैंट किया है। उपाध्यक्ष महोदय, सन 2000 तक 93 नए सब स्टे ांज लगाए जाएंगे। चौधरी बंसी लाल जी ने बार बार घोशणा की है इस प्रदे ा में जनता को जुलाई के बाद 24 घंटे बिजली देंगे। मैं आपको बताना चाहूंगा कि हरियाणा दे ा में प्रथम राज्य होगा जहां पर 24 घंटे बिजली दी जाएगी। जो काम आज बिजली की वजह से रूके हुए हैं वे भी भुरू हो जाएंगे। इसके लिए सरकार का धन्यवाद करना चाहिए और इस काम में मुख्य मंत्री जी को भरपूर समर्थन देना चाहिए। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, सिंचाई के क्षेत्र में इस सरकार

ने महत्वपूर्ण उपलब्धता प्राप्त की है। इस सरकार ने पिछले 30 मास में फलड कंट्रोल करने के लिए 532 ड्रेनेज की सफाई करवाई है। उपाध्यक्ष महोदय, सब जानते हैं कि ताजेवाला हैड वर्कस 100 वर्श पुराना है। जब 1997 में बाढ आई थी तो उसके टूटने का खतरा पैदा हो गया था क्योंकि उससे 700 क्यूसिक ज्यादा पानी बाढ के वक्त आ गया था। उस वक्त पता नहीं था कि ताजेवाला हैड वर्कस उस पानी को बर्दा त भी कर पाएगा या नहीं कर पाएगा इसलिए सरकार ने हथनीकुंड बैराज बनाने का कार्य भी अपने हाथ में ले लिया है। ओर वह भी भीघ्र ही यानी जून 1999 तक पूरा हो जाने की संभावना है। उपाध्यक्ष महोदय, बाकी सब क्षेत्रों में भी सरकार ने काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं। मैं सार्वजनिक वितरण प्रणाली के बारे में भी कहना चाहूंगा कि सरकार ने आजकल बी0पी0एल0 का भी एक सर्वे करवाया है। उसके मुताबिक गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले लोगों के लिए और गरीबी की रेखा से ऊपर रहने वाले लोगों के लिए वह अलग अलग रा ान कार्ड बना रही है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में एक सुझाव सरकार को देना चाहूंगा। मैं यह कहना चाहता हूं कि इन रा ान की दुकानों के माध्यम से काफी काला बाजारी होती है इसलिए हम इस बारे में एक तरमीम कर सकते हैं, एक चेंज कर सकते हैं कि हर रा ान कार्ड होल्डर से पहले ही एक रिक्वीजि ान ले ली जाए कि वह क्या क्या सामान रा ान की दुकान से लेना चाहता है क्योंकि हर एक रा ान कार्ड होल्डर हर महीने मिटटी का तेल, गेहूं या अन्य सामान नहीं लेता है। नतीजतन होता यह है कि वहां पर बाकी बचे हुए सामान की काला बाजारी होती है। इसलिए हर रा ान कार्ड होल्डर से एक रिक्वीजि ान ली जानी चाहिए ताकि उसका रा ान की दुकान वाला उसको वह सामान मुर्हया करवा सके। उपाध्यक्ष महोदय, समाज कल्याण के बारे में भी सरकार ने काफी काम किया है। चाहे वह विकलांग पैं ान हो या ओल्ड ऐज पैं ान हो या चाहे वह विधवा पैं ान हो ये सारी पैं ान हर महीने की सात तारीख

को उनको मिल जाती है। सरकार ने इस मामले में अपनी एक गुडविल स्थापित की है क्योंकि वह सात तारीख को उपरोक्त लोगों को पैं ान उपलब्ध करवा देती है। इसके अलावा बाकी जो योजनाएं हैं चाहे वह अपनी बेटी अपना धन हो या अन्या कोई योजना हो उन सभी पर पूरी तरह से काम किया जा रहा है। सरकार ने अनेकों स्थानों पर ओल्ड ऐज होम स्थापित किए हैं। इसी तरह के एक ओल्ड ऐजन होम की आधारि ाला अभी पिछले दिनों मुख्यमंत्री जी ने अम्बाला भाहर में रखी है। यह होम भी भीघ्र ही बन कर तैयार हो जाएगा। इस तरह से सरकार समाज के सभी वर्गों की तरफ सरकार ने अपना ध्यान दिया है। उपाध्यक्ष महादेय, आज अगर कोई हरिजन बच्चा प्रथम श्रेणी में मैट्रिक पास करता है तो उसको सरकार की तरफ से वजीफा दिया जाता है। इसके अलावा भी सरकार की अनेकों ऐसी स्कीम्ज हैं जिनका लोग पूरी तरह से फायदा नहीं उठा पा रहे हैं इसलिए मैं इस बारे में सरकार को एक सुझाव देना चाहूंगा कि वह उन तमाम स्कीम्ज के बारे में सेमीनार आयोजित करके लोगों को बताए। उन सेमीनार में चुने हुए प्रतिनिधियों को तथा अन्य लोगों को भी बुलाकर बताया जाना चाहिए क्योंकि मैं यह समझता हूं कि जितना उन स्कीम्ज का प्रचार होना चाहिए था उतना नहीं किया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हैल्थ के बारे में भी सरकार ने काफी गंभीरता दिखायी है। अभी पिछले दिनों ही पल्स पोलियो अभियान 6 दिसम्बर और 17 जनवरी को चलाया गया है। इस अभियान को मैंने स्वयं देखा है। यह अभियान एक मूवमैंट की तरह चला है। लोग इस तरह से झुंडों में इकटठे होकर अपने अपने बच्चों को पोलियों की दवाई पिलोन के लिए लेकर गए हैं जैसे चुनावों के दौरान चुनाव वाले दिन इकटठे होकर वोट डालने जाते हैं। यह सरकार का एक सराहनीय काम था। इसी तरह से सरकार ने हैपेटाईटिस बी के टीकाकरण का भी बीडा उठाया है लेकिन मैं इस बारे में सरकार का ध्यान एक बात की तरफ आकर्शित करना चाहता हूं। मेरे ध्यान में यह बात आयी है कि यह पहला टीका

लगाए जाने के एक महीने बाद दूसरा टीका लगाया जाना अति आव यक है लेकिन सरकारी अस्पतालों में इस टीके की सप्लाई एक महीने बाद उपलब्ध नहीं हो पायी है इसलिए सरकार को इस गंभीरता से ध्यान देना चाहिए क्योंकि कुछ नाजायज लोगों ने इसका फायदा उठाया हैं इन नाजायज लोगों ने स्थान स्थान पर कैम्प लगाकर और यह कह कर इस टीके को बेचा है कि अगर महीने अंदर दूसरा टीका नहीं लगे तो पहला टीका बेकार हो जाएगा। इस बारे में सरकार को सुनि चत करना चाहिए कि जहां पहला टीका उपलब्ध कराया जाता है वहां दूसरे टीके का स्टॉक भी रखना चाहिए। चाहे थोडे लोगों को ही लगाएं लेकिन पहला लग जाए तो दूसरे का स्टॉक अव य होना चाहिए ताकि पहला टीका कारगर हो सके। उसको कोई नुकसान न हो सके। मैं उम्मीद करता हूं कि सरकार इस ओर पूरा ध्यान देगी। नगरपालिका के बारे में इस अभिभाशण में काफी कुछ कहा गया है। गंदी बस्तियों व पर्यावरण के सुधार के लिए काफी पैसे का प्रावधान किया गया है। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि केवल सरकार द्वारा प्रावधान करने मात्र से नगरपालिकाओं की हालत नहीं सुधारी जा सकती। जब तक हम नगरपालिकाओं को उनकी आय के स्रोत बढाने के लिए प्रोत्साहित नहीं करते तब तक उनकी हालत को सुधारा नहीं जा सकता। आज हम देखते हैं कि नगरपालिकाएं गम्भीर वित्तीय स्थिति के दौर से गुजर रही है लेकिन फिर भी उनकी आय के स्रोत बढाने के लिए कोई प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। इस बारे में मैं कुछ सुझाव देना चाहता हूं। नगरपालिकाओं में हाउस असेसमैंट फीस की रे ानेलाइजे ान होनी चाहिए जिसके तहत हाउस असेसमैंट फीस उनसे कलैक्ट की जा सके। आज किस दर पर उनसे हाउस असेमसमैंट फीस ली जानी चाहिए उस बारे में कोई फार्मूला नहीं है वह अपनी मर्जी के मुताबिक फीस लगा देते हैं नतीजन इससे उन्हें काफी आर्थिक हानि उठानी पड रही है। नगरपालिकाओं की बहुत बडी भूमि पर इन्क्रौचमैंट हुई है और यह प्रवृति दिनों दिन बढती जा रही है।

प्रभाव ाली व्यक्ति उसको इन्क्रौच करते हैं। इस बारे में सरकार को कोई नीति बनानी चाहिए। It should be made a criminal offence. इन्क्रौचमैंट करने वाले को किसी भी चुनाव में हिस्सा लेने से डिबार करना चाहिए ताकि इस पर रोक लग सके और सरकार की जमीन को बचाया जा सके। नगरपालिकाओं की आय के स्रोत को बढाने के लिए सरकारी जमीन का इस्तेमाल किया जा सकता है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ नगरपालिकाओं द्वारा सफाई के लिए भी कोई नीति निर्धारित की जानी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण में लगभग तमाम मुददों पर बात की गई है। भवन एवं सडकों के बारे में बात की गई है। ने ानल हाईवे घोशित किए गए हैं उनके बारे में भी इस अभिभाशण में कहा गया है। पर्यटन व खेलकूद के बारे में भी कहा गया है। जो विकास की तमाम चीजें हैं उनके बारे में बताया गया है। सरकार यकीनी तौर पर उन तमाम बातों की ओर ध्यान दे रही है। मैं सरकार का ध्यान इनत माम बातें से हटकर कुछ दूसरी बातों की ओर दिलाना चाहूंगा। वह मैं इसलिए दिलाना चाहता हूं क्योंकि मैं ऐसा मानता हूं कि इस सरकार में सकल्प भाक्ति है। इन तमाम चीजों को यह सरकार ठीक कर सकती है जो बात मैं कहना चाहता हूं। मैं यह नहीं कहता कि वह किस सरकार के समय से है लेकिन वह बात मौजूद है। वह यह है कि जो हमारी व्यवस्था है उससे आम आदमी तंग आ चुका है। आम आदमी का उससे वि वास उठता जा रहा है। मैं ऐसा नहीं मानता हूं कि प्र ाासनिक व्यवस्था के लिए यह सरकार जिम्मेदार है या पिछली सरकार जिम्मेदार है लेकिन इस व्यवस्था को बदला जाना चाहिए। हम सबको राजनीतिक भावनाओं से ऊपर उठकर विचार करना चाहिए। आखिर इस व्यवस्था को हम कब तक घसीटतें रहेंगे ? आज इंसपैक्टरी राज है लेकिन कोई इंसपैक्टर अपना काम नहीं करता। अपनी डयूटी पूरी नहीं करता जैसे फूउ इंसपैक्टर यह नहीं देखता कि लोगों को खाने पीने की चीजें भाुद्ध मिल रही हैं या नहीं। कार्यालयों में पत्र भेजो तो उसका जवाब नहीं दिया जाता

है। मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं कि यह सब इस सरकार के समय से चल रहा है। चाहे वह डी0एच0ओज0 हो या ड्रग इंस्पैक्टर हो या कोई ऐसी पोस्टें हो जैसे पुलिस विभाग में है ऐसी पोस्टों की तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकर्शित करना चाहूंगा कि इन सब को दुरूस्त करना चाहिये, क्योंकि लोगों का धीरे धीरे ऐसी पोस्टों पर कार्यरत लोगों के ऊपर से वि वास उठता जारहा है। इसके लिए सब दोशी हैं। इसके लिए कोई एक या दो दोशी नहीं हैं। इसके लिए दोशी आप भी हैं हम भी हैं। हम सबको मिलकर इसको सुधारना चाहिए ताकि लोगों का वि वास न उठे। लोगों को अपने कामों को करवावने के लिए ठोकरें न खानी पडें, उनको मुख्य मंत्री जी से मिलने की नौबत न आये, जिस भी अधिकारी का काम हो वह उसे करे। डी0सी0 का काम डी0सी0 करे, तहसीलदार का काम तहसीलदार करे और डाक्टर का काम डाक्टर करे। इनत माम चीजों को सुधारने के लिए हमें ध्यान देने की जरूरत है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा हंगामा खडा करने का मकसद नहीं है मेरी ख्वाहि ा तो यह है कि हालात सुधरने चाहिये। "मेरे दिल में न सही, तेरे दिल में सही, आग आखिर आग है किसी ओर तो सुलगनी चाहिए।" मैंने पहले भी कहा है कि हम सब को मिलकर आम आदमी के कश्टों को कम करने के लिए पार्टी पोलिटिक्स से ऊपर उठकर प्रयास करने चाहियें। इसके साथ ही उपाध्यक्ष महोदय, जो जो बातें राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में इस सदन में कहीं हैं मैं चाहूंगा कि सर्व सम्मति से उनको पारित करके उनके पास धन्यवाद प्रस्ताव भेजा जाना चाहिये। धन्यवाद।

श्री उपाध्यक्षः नृपेन्द्र सिंह जी आप बोलिये and second the motion.

श्री नृपेन्द्र सिंह (बाढ़ड़ा): उपाध्यक्ष महोदय, मेरे भाई अनिल विज ने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पे ा किया है कि इस सदन में इकटठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाशण के लिए राज्यपाल महोदय

के अत्यन्त कृतज्ञ हैं जो उन्होंने 28 जनवरी 1999 को इस सदन में पढने की कृपा की है, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने कल 28 जनवरी 1999 को जो अभिभाशण यहां विधान सभा में पढा उस पूरे अभिभाशण को ध्यान से सुनने से मालूम हुआ कि पिछले अढाई साल के अर्से में सरकार ने जो काम करने की एक योजना पूरे प्रदे ा में बनाई है उसकी चर्चा इस अभिभाशण में विस्तार से हुई है। इस अभिभाशण में आने वाले साल के लिए जो योजनायें राज्यपाल महोदय ने बताई हैं, इन अढाई साल में हुए कामों का हमें आभास मिला कि थोडे से अर्से में कितना कुछ काम हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं थोडी सी बैकग्राउंड में जाना चाहूंगा। हरियाणा प्रदे ा का जन्म पंजाब प्रदे ा के एक हिस्से के रूप में हुआ। हरियाणा प्रदे ा की अलग प्रदे ा के रूप में मांग करने वालों में उस समय दो तरह की सोच रखने वाले व्यक्ति थे। प्रथम सोच तो वह थी कि हरियाणा प्रदे ा को खासतौर से रेतीले क्षेत्र को पंजाब से अलग किये बगैर इसका विकास नहीं हो पायेगा क्योंकि वहां न पीने का पानी था और न सडकें थीं न बिजली की व्यवस्था थी। आम लोगों तक तभी पहुंचा जा सकता है जब इन चीजों की व्यवस्था की जाये इसलिए प्रथम सोच के व्यक्ति तो वे थे जो यह सोचते थे कि हरियाणा प्रदे ा को अलग प्रदे ा का रूप दिया जाये। दूसरी सोच के व्यक्ति भी उस समय सक्रिय थे। उनका भी इस हरियाणा प्रदे ा को बनाने में योगदान रहा। जिनके दिमग में एक बात थी और वे जाति के आधार पर राजनीति करना चाहते थे। उनकी सोच यह थी कि पंजाब में रहते हुये उन्हें जाति के नाम पर सत्ता में कभी भागीदारी नहीं मिल सकेगी। अगर अलग प्रदे ा का निर्माण किसी न किसी तरह से हो जाये तो वे जातिवाद का सहारा लेकर जाति के नाम पर इस प्रदे ा में अपना राज कायम कर सकेंगे। दूसरी सोच के व्यक्ति थे। उपाध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने बताया कि प्रथम सोच के व्यक्ति चौधरी बंसी लाल जी थे और उनको मौका भी मिला, 1 नवम्बर

1966 को जब हरियाणा का जन्म हुआ, 1966 से 1976 के अर्से में हरियाणा प्रदे ा के हिस्से में जो भू भाग आया था उसमें न ही सडकें थी, न ही बिजली थी और न ही पानी, खास तौर से दक्षिणी हरियाणा में उस समय कोई भी यह अंदाजा नहीं लगा सकता था कि नहरें इस क्षेत्र में भी पहुंच सकती हैं। उपाध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी के अथक प्रयास से उस अर्से में हरियाणा के हर क्षेत्र में सडकें पहुंचाई गई, बिजली पहुंचाई गई, पानी पहुंचाय गया, जहां नहरी पानी का इंतजाम नहीं था वहां नहरी पानी का इंतजाम किया गया। उसक बाद यानि 1976 के बाद 1977 में जो दूसरी सोच के व्यक्ति थे जो हरियाणा के निम्रण में लगे हुये थे, उन लोगों के हाथ में यह सत्ता आई तो नतीजा यह हुआ कि जातिवाद के नाम पर राजनीति भ्ारू हुई। उस समय 1977 में जो लोग सत्ता में आये उनकी हालत ठीक वैसी ही थी जैसे एक डाकू के गिरोह की हालत डाका डालने के बाद डाके का माल बंटवारे के लिये लडना। उस समय यह हालत बनी। उस समय जातिवाद का नाम लेकर हरियाणा प्रदे ा में राज कायम किया गया। उसके ऊपर भी एक पूंजीवादी व्यवस्था आई और यहां पर हमारे हरियाणा प्रदे ा के विधायकों की खरीद फरोख्त इस ढंग से की गई जैसे बछड़े और ऊंट बिका करते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, उसका नतीजा यह हुआ कि हरियाणा प्रदे ा की जनता का सरकार के ऊपर से वि वास उठ गय। एक अनि चय की स्थिति हरियाणा प्रदे ा में आई और खास तौर से ऐसी परिस्थितियों में बैकवर्ड और पिछडे वर्ग के लोगों को अपना भविश्य अन्धकारमय लगने लगा। उपाध्यक्ष महोदय, आपकी जानकारी के लिए बताता हूं कि उस समय के गवर्नर महोदय, को भी उसी सरकार में अपमानित होना पडा था। लेकिन इसके बाद भी यह सिलसिला जारी रहा। जातिवाद और पूंजीवादी लोगों की आपस में लडाई होती थी, उनका संघर्श चलता रहा। हरियाणा प्रदे ा के विकास की किसी ने परवाह नहीं की। आखिर में 1996 में आकर हरियाणा प्रदे ा की जनता को यह फैसला अपने हाथ में

लेना पडा और उसका नतीजा यह हुआ कि जो दस पन्द्रह साल में एक राजनीतिक सोच हरियाणा प्रदे ा में ऐसे लोगों ने अपने स्वार्थों से पैदा की थी, उस सोच से ऊपर उठ कर हरियाणा प्रदे ा की जनता ने एक बार फिर इस सरकार को कायम किया। वे लोग इस बात पर घमण्ड करते थे कि वे पूरे हिन्दुस्तान में राजनीति करते थे और अपने बलबूते पर जिसको चाहे संसद में पहुंचा सकते थे। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, 1996 में ऐसी स्थिति आई कि जो लोग किसी को भी संसद में पहुंचाने का दावा करते थे उन्हें खुद भी संसद में पहुंचने के लिए रामबिलास भार्मा जी और अटल बिहारी वाजपेयी जी का सहारा लेना पडा और वे पिछले दरवाजे से ही राज्य सभा जा सके, सामने के दरवाजे से नहीं आ पाये। उनकी जो राजनीतिक सोच थी उसी को देख कर ही हरियाणा प्रदे ा के लोगों ने उनके साथ ऐसा व्यवहार किया।

12.00 बजे।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि इनकी अपनी राजनीतिक लडाई में मेहम जैसी घटनाएं भी हुई हैं। (ोर) उपाध्यक्ष महोदय, पूरे हरियाणा प्रदे ा के अंदर इस राजनीति को समझने वाले लोगों के लिए अपनी तीनों पीढियों को बचाना ही मु कल हो गया और यह संदे ा केवल हरियाणा प्रदे ा की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि यह संदे ा साथ लगते हुए राज्यों में भी गया और पिछले दिनों ऐसे हालातों में राजस्थान और दिल्ली के चुनावों में इनकी पार्टी के लोगों की ये जमानतें भी नहीं बचा सके। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, इनकी जानकारी के लिए ये सारी बैकग्राउंड की बातें बताना जरूरी था। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण दिया है, उसमें एक झलक इस बात की भी आने लगी है कि हरियाणा प्रदे ा अपने खोए हुए अस्तित्व को फिर से पाने की ओर अग्रसर है। पिछले अढाई साल में जो विकास हुआ है और आने वाले सालों की योजनाओं के दृश्टिगत

राज्यपाल महोदय ने अपना अभिभाशण पढा जिससे यह लगता है कि हरियाणा प्रदे ा अपनी पुरानी स्थिति का पुनः पा सकेगा और हिन्दुस्तान में हरियाणा प्रदे ा पुनः अपनी वह जगह बना सकेगा जो पहले कभी चौधरी बंसी लाल जी कार्यकाल में हुआ करती थी। उपाध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम राज्यपाल महोदय ने लोकपाल की नियुक्ति की बात कही है। मैं आपकी और सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि जो लोग अभी भाोर मचा रहे हैं, लोकपाल महोदय की नियुक्ति से सबसे ज्यादा तकलीफ इन्हीं को होगी। श्री ओम प्रका ा चौटाला अभी सदन में नहीं हैं, मैं उनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि जो 300 करोड रूपया मेरे भाई ने राजनीति में रहते हुए गलत ढग से से कमाया है, उसके लिए जो भाई अदालतों में घूम रहे हैं, अब इनको इधर उधर घूमने की जरूरत ही नहीं पडेगी। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि श्री ओम प्रका ा चौटाला ने गलत तरीके से कमाया गया जो धन विदे ी बैंक में जमा करवाया था, वह बैंक भी डूब गया। "जित जित पां बडे संतन के, हो गया बंटाधार"। लोकपाल की नियुक्त के बाद आने वाले समय में ऐसे लोगों को पर्दाफा ा हो सकेगा। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने जो सबसे अहम काम किया है, वह आने वाले समय में 24 घंटे बिजली देने का किया है। मैं बिजली के बारे में बताना चाहता हूं कि क्योंकि मैं खासतौर से उस क्षेत्र से संबंध रखता हूं जिस क्षेत्र के लोग पिछले बीस साल से सत्ता में रहे वे बिजली के नाम पर ही राजनीति करते रहे हैं। उन्होंने किसानों की यह आव यकता नहीं समझी कि बिजली के और कारखाने स्थापित किए जाएं। इसके अलावा वे हर बार बिजली का भाव बढाते रहे। जैसे बिजली का भाव 5 रूपये प्रति यूनिट बढा दिया गया, तब आन्दोलन हुए और उन्होंने बिजली का भाव 3 रूपये प्रति यूनिट कम करके तुश्टिकरण की नीति अपनाई। आखिरकार पहली बार इस सरकार ने इस क्षेत्र में ठोस कदम उठाए हैं। हरियाणा प्रदे ा में पहले 863 मैगावाट बिजली पैदा होती थी लेकिन इस सरकार ने 1200 मैगावाट बिजली पैदा करने

की योजना बनाई है। इस प्रकार से जुलाई 1999 से पूरे हरियाणा प्रदे ा में 24 घंटे बिजली सप्लाई की जाएगी। आज जो लोग बिजली के नाम पर राजनीति करते हुए प्रदे ा में घूमते हैं, उनके पास राजनीति करने के लिए कोई मुददा भोश नहीं बचेगा। सबसे ज्यादा परे ाानी जो विपक्ष के भाईयों को हो रही है वह यही है कि इनके हाथ से यह बिजली का मुददा भी निकलने जा रहा है। राज्यपाल महोदय, ने अपने अभिभाशण में सिंचाई के बारे में भी कहा। मैं सिंचाई के बारे में बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने नहरों के टेल एंड तक पानी पहुंचाने का काम किया है। 20—20 साल से जो सरकारें नहरों के टेल एंड तक पानी नहीं पहुंचा सकी थीं, यह कार्य हमारी सरकार ने पूरा किया है। उपाध्यक्ष महोदय, कृशि क्षेत्र के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि इस क्षेत्र में हरियाणा राजय ने काफी उन्नति की है, इसका परिचय भारत के केन्द्रीय पूल में, हरियाणा प्रदे ा द्वारा अनाज का एक बहुत हिस्सा भेजकर दिया गया है। जिस समय हरियाणा प्रदे ा का जन्म हुआ था, उस समय सभी को मालूम था कि हरियाणा में खनिज उपलब्ध नहीं होता था, यहां पर प्रकृति की कोई देन नहीं थी। उपाध्यक्ष महोदय, यहां का किसान बहुत ज्यादा अनाज पैदा कर सकता है लेकिन पिछले 20 सालों में किसी भी सरकार ने किसानों को न पानी दिया, न बिजली दी, उसका नतीजा यह हुआ कि हरियाणा प्रदे ा में अनाज की पैदावार बहुत कम हो गई। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने अपने अढाई साल के कार्यकाल में कृशि को काफी बढावा दिया है जिसके कारण कृशि क्षेत्र में काफी उन्नति हुई। उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में सहकारिता के बारे में जिक्र किया है कि हरियाणा स्टेट कोआप्रेटिव लैंड डिवैल्पमैंट बैंक को वर्श 1997—98 के दौरान उसकी आउटस्टैंडिंग प्रफोरमैंस के लिए एन0सी0ए0 एंड आर0डी0बी0एफ0 की आरे से इनाम में ट्रौफी दी गई है। यह बहुत ही खु ाी की बात है। इस बैंक ने जो जन कल्याणकारी योजनाएं बनाई हैं उसके लिए सबसे ज्यादा श्रेय इस सरकार को जाता है।

दूसरा श्रेय बैंक के कर्मचारियों को जाता है जिन्होंने जन कल्याणकारी योजनाओं की बदोलत हिन्दुस्तान में हरियाणा प्रदे ा को पहली बार पुरस्कार दिलाया है। उपाध्यक्ष महोदय, समाज कल्याण के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों ने वृद्धावस्था पैं ान को लेकर यहां पर राजनीति भुरू की थी। उसके बाद जो पिछली सरकार आई उसके समय में लोगों को वृद्धावस्था पैंशन नहीं मिलती थी। लेकिन हमारी सरकार हर महीने की 7 तारीख तक हर वृद्ध व्यक्ति को उसकी पैं ान दे देती है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी और सदन की जानकारी के लिए कानून व्यवस्था के बारे में बताना चाहता हूं। पिछले अढाई साल के दौरान बहुत बडे बडे गैंग अरैस्ट किए गए। और वे लोग हरियाणा प्रदे ा में खासतौर से दिल्ली के साथ लगते एरियाज से अरैस्ट किए गए। आज सुबह प्र नोत्तर काल के दौरान चौ0 ओम प्रका ा चौटाला जी और प्रो0 सम्पत सिंह जी ने एक बात उठाई थी कि कार की चोरियां कितनी हुई और उनमें से बरामद कितनी हुई। उपाध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि ओम प्रका ा चौटाला जी जैसे लोगों के संबंध दिल्ली में बैठे रोमे ा भार्मा जैसे लोगों के साथ हैं। (ोर एवं व्यवधान) (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

श्री अध्यक्षः कृपया आप सब लोग अपनी अपनी सीट पर बैठ जायें।

श्री नृपेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, कार की चोरियों की बात को छोडिये। (ोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मेरी सभी सदस्यगण से प्रार्थना है कि आप सभी लोग आराम से अपनी अपनी सीट पर बैठ जाएं और सदन की कार्यवाही को चलने दें। (ोर एवं व्यवधान)

श्री नृपेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, बात कानून व्यवस्था की चल रही थी। अध्यक्ष महोदय, मैं जो बात सदन में बताना चाहता हूं कि वह यह है कि इंडिया टू डे एक मैगजीन है, जो पूरे

हिन्दुस्तान में मिल जाती है तथा मनोहर कहानियों की जो किताब अब आयेगी उसमें ओम प्रका ा चौटाला जी के और रोमे ा भार्मा के बारे में बताया गया है। और उसमें इन दोनों के एक साथ फोटो भी छपे हुए हैं। (ोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये कार सनेचिंग की बात करते हैं। (ोर)

Mr. Speaker: No interruptions please.

श्री नृपेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरे विरोधी भाई कार सनैचिंग की घटनाओं से बहुत परे ान हैं अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि श्री ओम प्रका ा चौटाला का संबंध ऐसे आदमी के साथ है जिसने हैलीकाप्टर सनैच किया है। उस हैलीकॉप्टर सनैचर के साथ औम प्रका ा चौटाला की फोटो भी है। वह हैलीकाप्टर सनैचर इनका अजय रथ उडा कर ले गया उसका आज तक पता नहीं वह कहा है। अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों झज्जर में एक व्यापारी को किडनैपिंग की घटना हुई। इस बात की आम चर्चा है कि उस किडनैपर ने बताया कि जिस दिन उस व्यापारी को किडनैप किया गया है उससे पहले वाली भाम को ओम प्रका ा चौटाला के बेटे ने उस किडनैपर के साथ खाना खाया था। ये ऐसे लोग हैं जो भाम को किसी के साथ खाना खाते हैं और सुबह उसकी ला ा मिलती है या कोई और अपराध कर देते हैं। चाहे अमीर सिंह की बात हो और चाहे किसी और की बात हो। (ोर) अध्यक्ष महोदय, अपराधों के सहारे ये लोग हरियाणा प्रदे ा में राजनीति करना चाहते हैं। हरियाणा प्रदे ा की जनता इनके कारनामें समझ चुकी है। आने वाले समय में ऐसे अपराधियों के लिए हरियाणा पद्रे ा की जनता के दिल में कोई स्थान नहीं है। अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों जो चुनाव हुए उन चुनावों में ओम प्रका ा चौटाला की पार्टी ने एक राश्ट्रीय पार्टी के साथ मिलकर वह चुनाव लडा। (ोर)

Mr. Speaker: Whosoever is speaking without the permission of the Chair his speech should not be recorded.

श्री नृपेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, ओम प्रका ा चौटाला की पार्टी ने पिछले लोक सभा के चुनाव एक राश्ट्रीय पार्टी के साथ मिल कर लडा। अध्यक्ष महोदय, आज सबसे ज्यादा चिन्ता इनकी पार्टी में बैठे हुए ि ाडयूल्ड कास्टस भाईयों को है क्योंकि वे चुनाव होते ही ओम प्रका ा चौटाला ने अगले दि नही कहा कि जूता और जनेऊ एक नहीं हो सकते। स्वार्थ कहां तक काम करता है यह देखने की बात है। वोट लेने के लिए इनका समर्थन ले लिया उसके बाद अपने स्वार्थ के लिए जनेऊधारियों के साथ मिल गए। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा की जनता अब इनको समझ चुकी है। आने वाले समय में ऐसे अपराधियों के लिए हरियाणा प्रदे ा की जनता के दिलों में कोई स्थान नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आज इनके पास कहने के लिए कोई मुददा नहीं है जिसको लेकर ये लडाई लड सकें। इनके पैरों के नीचे से जमीन निकल रही है। अध्यक्ष महोदय, भाई अनिल विज ने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव पे ा किया है मैं उसका समर्थन करता हूं। मैं अपने सभी साथियों से अपील करता हूं कि प्रैस की तीसरी आंख हमीर एक एक बात को देख रह है अगर इन लोगों के दिलों में थोडी सी भावना हरियाणा प्रदे ा के लोगों के लिए है तो इस धन्यवाद प्रस्ताव को युनानीमसली पास करें जो भाई अनिल विज ने पे ा किया है। इन भाब्दों के साथ मैं आपको धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

Mr. Speaker: Motion moved-

That an address be presented to the Governor in the following terms :-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliveer to the House on the 28th January, 1999".

श्री सम्पत सिंह (फतेहाबाद): स्पीकर साहब, मैं राज्यपाल महोदय ने जो अपना अभिभाशण यहां पर पढा है उस पर बोलना

चाहता हूं। साथ ही मैं यह भी निवेदन करना चाहता हूं कि सरकार को हमारी कही हुई बातों पर जवाब देना है वह जो भी जवाब दे अपना जवाब देते वक्त दे दे लेकिन मुझे बीच में इन्ट्रप्ट न करें।

लोक निर्माण मंत्री (भवन तथा सडकें)(श्री कर्ण सिंह दलाल): स्पीकर साहब, मेरा भी इनसे निवेदन है कि वे सही बातों को ही यहां पर रखें क्योंकि प्रजातंत्र में विपक्ष की भूमिका बहुत अहम हुआ करती है। चौधरी सम्पत सिंह जी को राजनीति का एक लम्बा अनुभव है। अगर ये अच्छे सुझाव सरकार के सामने रखते हैं तो सरकार उनका स्वागत करेगी। अगर ये बीच में गलत बात कहेंगे तो उसको तो उत्तर बीच में देना ही पडेगा।

श्री अध्यक्षः आप पहले इनकी बातों को सुने बिना कैसे कह सकते हैं कि ये गलत कहेंगे। पहले आप इनकी बातों को सुने।

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगननाथ): मेरा तो सम्पत सिंह जी से यह कहना है कि ये इन्ट्रप् ान को इन्वाइट न करें।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं केवल नीतिगत मामलों पर चर्चा करूंगा और जो बात करूंगा वह फैक्टस के साथ ही करूंगा। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाशण एक संवैधानिक औपचारिकता है। इस अभिभाशण में सरकार द्वारा चालू साल में किए गए कार्यों और आने वाले वर्श में सरकार की नीतिगत कार्यक्रमों की एक उदघोशणा हुआ करती है। यह महामहिम के लिए एक संवैधानिक औपचारिकता है। उन्होंने एक संवैधानिक औपचारिकता के नाते यहां पर आने का जो कश्ट किया और उनको जो कश्ट हुआ उसके लिए हम उनका आभार प्रकट करते हैं। सरकार ने जो गवर्नर एड्रैस तैयार करके दिया वह तथ्यों से परे और असत्य है। यह अभिभाशण एक ऐसा अभिभाशण ज्ञात होता है जैसे कोई निजी कम्पनी अपना व्यावसायिक विज्ञापन तैयार करवाती है। ऐसी कम्पनी अपने व्यवसाय के बारे में विज्ञापन

के अन्दर अनाप भानाम दिखाती है। ठीक उसी तरह का यह अभिभाशण सरकार ने तैयार किया है। आजकल टी0वी0 सीरियल पर एक सीरियल भाक्तिमान चल रहा है जिसकी हकीकत को सही जानकर कई बच्चों ने छलांग लगाई जिससे उनकी टांग टूट गई और कूछ की मृत्यु हो गई। सोचा था भाक्तिमान मदद पर आयेगा परन्तु नहीं आया इसी तरह से यह अभिभाशण लगता है।

स्पीकर साहब, प्रजातंत्र में जो काम किए जाते हैं वे लोगों के विकास के लिए करने होते हैं। सरकार का काम लोगों के प्रजातांत्रिक अधिकारों की रक्षा करना होता है। कानून व्यवस्था की स्थिति को ठीक रखना होता है। सरकार का कर्त्तव्य होता है कि वह लोगों के लिए पानी, बिजली, चिकिम्सा, ि ाक्षा और दूसरी आव यक चीजों का ध्यान रखे। सरकार कर्तव्य होता है कि वह किसानों को अच्छे भाव दे। साथ ही सरकार का यह फर्ज बनता है कि उपभोक्ताओं को सही दामों पर सही चीजें मिले यानी आम उपयोग में आने वाली वस्तुओं पर महंगाई को कन्ट्रोल रखे और सस्ते दामों पर लोगों को वस्तुएं दिलाये। यह सारा सरकार का दायित्व बनता है। सरकार का फर्ज होता है कि वह संवेदन ील होकर लोगों की समस्याओं को सुने। सरकार का यह भी दायित्व है कि वह तत्परता से लोगों की मदद करे। लेकिन अफसोस के साथ कहना पडता है कि राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में ऐसी कोई बात देखने को नहीं मिली। लेकिन जिस ढंग से सरकार का रवैया रहा है उससे कानून व्यवस्था की स्थिति बिगडी है। यह तो आज सुबह ही सवालों के जवाब के समय पता लगा कि जिस ढंग से सरकार का रवैया इस समस्या की तरफ है। कानून व्यवस्था का मुददा कितना बडा मुददा है और सरकार ने इसको किस ढंग से लिया है। मुख्य मंत्री जी ने उस समय यह माना है कि इसका कैजुअल रूप में लिया गया है। स्पीकर सर इसलिए यह अच्छा होता अगर गवर्नर महोदय से 24 पेज का इतना लम्बा चौडा भाशण पढवाने की बजाए चार लाईन गवर्नर माहेदय पढकर चले जाते तो हम उनका आभार प्रकट करते और सारे हरियाणा प्रदे ा

की जनता भी उनका आभार प्रकट करती। वे लाइने स्पीकर सर, इस प्रकार हैं,"हरियाणा के संवैधानिक मुखिया महामहिम राज्यपाल को भी अपनी मंजिल कुरूक्षेत्र तक नै ानल विमैन फैस्टीवल गेम्ज की ओपनिंग के लिए नहीं पहुंचने दिया गया था। सरकार के खिलाफ जन आक्रो ा की वजह से भााहबाद से ही वापिस लौटना पडा था तो आम आदमी का जीवन क्या होगा। प्रदे ा में संवैधानिक व प्र ाासनिक म ीनरी फेल हो चुकी है, अतः मैं हरियाणा सरकार को अपदस्थ करता हूं और विधान सभा भंग करता हू" अगर गवर्नर महोदय, इतना पढ जाते तो बढिया होता और सभी लोग उसकी प्र ांसा करते। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। चौधरी सम्पत सिंह जी ने माननीय राज्यपाल महोदय के बारे में जो चर्चा की कि वे कुरूक्षेत्र जा रहे थे और लोग वहां पर इकटठे हो गए। अध्यक्ष महोदय, यह एक ऐसी बात है जिस पर सरकार को भी अफसोस था। (विघ्न) स्पीकर सर, ऐसी भी वारदातें हुई हैं कि राज्यपाल महोदय का मुंह काला किया गया हमारी सरकार के समय में कम से कम ऐसा कोई काम नहीं हुआ है। चौधरी सम्पत सिंह जी को याद होगा जब इनकी अपनी ही सरकार थी या दूसरे साथियों की सरकार थी, तब राज्यपाल महोदय का मुंह काला किया गया था। जिस व्यक्ति ने मुंह काला किया था उसको इनकी तरफ से बाकायदा इनाम भी दिया गया था। (विघ्न एवं भाोर)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, काउंटर ऐलीगे ान लगा देने से बात नहीं बनती है, जिसने जो किया है उसका खामियाजा उसको भुगतना पडा है। आज हरियाणा प्रदे ा का हर वर्ग दुखी है। यही कारण है कि मंत्री यहां पर तो बडी बहादुरी दिखाते हैं लेकिन अपने इलाकों में जाते हुए डरते हैं। पहली बात तो यह है कि वे अपने इलाकों में जाते ही नहीं हैं और अगर वे जाते हैं तो उनको जनाक्रो ा का सामना करना पडता है। इनके

सामने जनता की मांगें आती हैं कि हमें पानी नहीं मिल रहा है, हमें बिजली नहीं मिल रही है, नौकरी नहीं मिल रही है, सडकों की हालत खराब है, स्कूलों में अध्यापका नहीं हैं, अस्पतालों के डॉक्टर नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, इससे फालतू प्रदे ा की हालत और क्या खराब होगी। स्पीकर सर, जब इनकी हालत खराब हो जाती है तो ये बेचारे वहां से भाग लेते हैं क्योंकि मात्र भाशणों से लोगों का पेट नहीं भरता है। (विघ्न एवं भाोर)

प ु पालन मंत्री (श्री जसवंत सिंह): स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अभी ये कह रहे हैं कि मंत्री अपने हल्कों में जाते हुए डरते हैं। अध्यक्ष महोदय, ऐसी बात नहीं है सभी मंत्री अपने तथा दूसरे हल्कों में जाते हैं तो वहां पर लोग बडी भारी तादाद में उनका स्वागत करने के लिए आते हैं। इनके लोकदल के लोग भी स्वागत करने के लिए आते हैं और लोग यह कहते हैं कि हम पहले चौटाला के आदमी थे लेकिन अब आपके आदमी हैं और आपके साथ ही रहेंगे। (विघ्न एवं भाोर)

श्री सम्पत सिंह: अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा का जो इन्फ्रास्ट्रक्चर है वह कोलैप्स हो गया है। लोगों का पेट कागजी भाशणों से नहीं भरता, मात्र लिफाफेबाजी से लोगों का पेट नहीं भरता। जब ..... मंत्री लोगों के बीच में जाते हैं तो तंग आककर कहते हैं कि चण्डीगढ में जाकर इस सरकार को बदल देंगे लेकिन चण्डीगढ में आते ही पता नहीं क्यों इनकी हवा निकल जाती है या पता नहीं कौन सा सांप सूंघ जाता है या जो इनको गदिदयां मिली हुई हैं उनके जाने के भय से ये कहने लगते हैं कि उसी नौकरी पर काम करेंगे। स्पीकर सर, इन मंत्रियों की हालत बहुत खराब है। जब ये चण्डीगढ से प्रस्थान करते हैं तो पब्लिक रिले ान डिपार्टमैंट वाले इनके हाथों में एक प्रैस नोट थमा देते हैं।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मंत्रियों के लिये जो भाब्द ..... इस्तेमाल किया है, उसको कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री अध्यक्षः इस भाब्द को कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस भाब्द की जगह निःसहाय कर दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि जब ये यहां से निकलते हैं तो इनको तथ्यों का खुद ही मालूम नहीं होता है। पब्लिक रिले ान डिपार्टमैंट सरकार द्वारा तैयार की हुई एक स्टेटमैंट की कापी इनके हाथ में सौंप देता है। जब इसको जारी किया जात है तो प्रैस के लोग जब मंत्रियों से प्र न करते हैं तो ये कहते हैं कि इसमें जो कुछ लिखा है वही छाप दें बाकी तो मुझे पता नहीं है। इसके अलावा जब ये जुबानी बोलने लगते हैं तो पुरानी बात भूल जाते हैं और ये बोलते हुये तथ्यों से परे हो जाते हैं। एक स्टेज पर कुछ कह जाते हैं और दूसरी स्टेज पर कुछ कह जाते हैं। मंत्री कुछ कहते हैं और मुख्य मंत्री जी कुछ कह देते हैं। ये सब तथ्य मैं आपके सामने रखूंगा। स्पीकर साहब, सत्य की तो कोई नींव होती है लेकिन असत्य की कोई नींव नहीं होती है। अध्यक्ष महोदय, लोग इतने दुःखी हैं कि मंत्रियों के प्रति जन आक्रो ा बढ रहा है। जींद जिले के मंत्री के विरूद्ध तो 12 गांवों की पंचायत हुई और उस मंत्री के विरूद्ध उन गांवों में दाखिल होने पर पाबन्दी लगा दी। उन गांवों में पत्रकारों की एन्ट्री बंद कर रखी है। स्पीकर साहब, बसंत पंचमी के दिन कुरूक्षेत्र में दो मंत्री गए थे। वहां पर एक मंत्री की हुटिंग हुई और उसको वहां पर बोलने ही नहीं दिया गया। यह जन आक्रो ा है। यह पब्लिक के गुस्से की रिफलैक ान है।

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): अध्यक्ष महोदय, अभी सम्पत सिंह जी ने तीन बातें मंत्रियों के बारे में कही हैं। उनमें से एक तो यह कही है कि मंत्री दहाडते हैं। दूसरे एक मंत्री

के आगे बेचारे भाब्द का इस्तेमाल किया है तो भायद ये इपने एक्सपीरियंस के बारे में बता रहे हों। (विध्न) हय जो इन्होंने कुरूक्षेत्र वाली बात कही है वह ऐसी बात नहीं है। आज नैतिकता सभी राजनीतिज्ञों में एक जैसी नहीं है। करैक्टर के बारे में भी सभी एकसार नहीं हैं। यही बात पत्रकार साथियों के साथ हुई। कुछ पत्रकार बात को तोड मरोड के प ो करते हैं। यह बात ठीक है कि वहां पर हुटिंग हुई थी। हुटिंग करने वाले कौन थे ? वे किसान यूनियन के आदमी थे। उनका एक नेता घासीराम जेल में है उसको रिहा करवाने की बात कर रहे थे। अब आप उस बारे में कुछ भी कह दें उससे कुछ नहीं होता है। यह जो मैंने बात बताई है इसके अलावा वहां पर और कोई रोश नहीं था।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह जो मामला है इस बारे में सारे अखबारों में छपा है और इनकी तरफ से कोई कंट्राडिक्टरी स्टेटमैंट अखबारों में नहीं आई है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताऊं सिर्फ यही बातें ही नहीं हैं। एक मंत्री को तो हाई कोर्ट ने जुर्माना किया है। और एक मंत्री की प्रताडना भी की है। यह कोई असत्य बात नहीं है। सारी की सारी बातें तथ्यों पर आधारित हैं। मैं किसी पर पर्सनल आक्षेप नहीं लगाना चाहता इसलिए मैंने किसी का नाम नहीं लिया है। अध्यक्ष महोदय, आज सरकार संवेदन ील नहीं है। यह सरकार पूर्वाग्रह से कैद है। इस सरकार ने अनभिज्ञता और उदासीनता का रूख अपना रखा है। केवल फाल्स प्रैस्टिज में रहते हैं। प्रदे ा की जनता का इससे बडा दुर्भाग्य और विव ाता क्या हो सकती है कि प्रदे ा की जनता को गूंगी और बहरी सरकार को झेलना पड रहा है।

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। इनके दिल में जो मर्जी आए उसको ये यहां पर थोडे ही बोल सकते हैं, यह विधान सभा है। (ोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सांगवान जी, आप एक पूर्व होम मिनिस्टर की बात सुनिए और अपनी सीट पर बैठें। (ोर एवं व्यवधान)

श्री सतपाल सांगवानः अगर एक पूर्व होम मिनिस्टर इस तरह से बोलेंगे तो फिर और लोग कैसे बोलेंगे। इनके जो भी दिल में आए क्या उसको ये यहां पर बोल सकते हैं ?

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, इनको तो पहली बार यहां आने का मौका मिला है। जबकि मुझे चार बार लगातार यहां पर आने का मौका मिला है। केवल पांच या सात लोग ही ऐसे होंगे जिनको लगातार चार बार यहां पर आने का मौका मिला होगा। एक बार हार गया था लेकिन दोबारा चुनाव जीतकर आ गया हूं। हम हम अगली बार यहां पर आएंगे तो आपको पता लग जाएगा। (ोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, मैं इन बातों को छोडरक पावर की बात पर आता हूं। बार बार सरकार की तरफ से बयान आते हैं और सरकार ज्यादा स्ट्रैस ''पी'' पर दे रही ओर ''पी'' से एलर्जी रखती है। ''पी'' यानी पावर, प्रैस, पीपल, प्रोहिबि ान, पुलिस, प्रजातंत्र और पूअर। ये बार बार इन्हीं बातों पर आ रहे हैं लेकिन हो कुछ नहीं रहा है। यही कारण है कि आने वाले वक्त में लोग इनसे बदला लेंगे। अभी पहले पार्लियामैंट का चुनाव हुआ था तो इनको पता लग गया था। जुलाना के एक मंत्री बडे जोर से बोल रहे थे लेकिन पार्लियामैंट के चुनाव में इनके क्षेत्र में इनकी जमानत जब्त हो गयी थी।

आवास राज्य मंत्री (श्री सत नारायण लाठर): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप बैठें और लाठर साहब को अपनी बात कह लेने दें।

श्री सम्पत सिंहः सर, अगर इस तरह से आप इन लोगों को बीच बीच में इंट्र ान की इजाजत देते रहे तो फिर हम भी मुख्य मंत्री जी को जवाब देते समय बोलने नहीं देंगे यह आप नोट कर लें।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप भी ऐसे हो गये।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, बार बार इंट्र ान हो रही है और आप उनको बोलने की इजाजत दे रहे हैं। लेकिन पहले जब मैंने अपना प्वायंट आफ आर्डर किया था तो उस वक्त आपने उसको रिजैक्ट कर दिया था। अगर इसी तरह से हमारे साथ इंट्र ान रही तो हम मुख्य मंत्री जी को नहीं बोलने देंगें।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप बडे अनुभवी हैं आपको ऐसी बात कहना अच्छा नहीं लगता। आप बैठें।

श्री सम्पत सिंहः सर, आप इस कुर्सी पर बैठे हैं इसलिए आप ऐसा कह रहे हैं। हमें तो आपकी हालत पर तरस आता है।

श्री अध्यक्षः लेकिन मैं आपकी दया से यहां पर नहीं बैठा हूं बल्कि इस हाउस ने मुझे यहां पर बैठाया है।

श्री सम्पत सिंहः जब मैंने पहले अपना प्वायंट आफ आर्डर किया था तो उसको आपने डिस अलाऊ कर दिया था फिर अब आप इन लोगों को प्वायंट आफ आर्डर पर बोलने के लिए कैसे इजाजत दे रहे हैं यदि आप इन लोगों को इसी तरह से अलाऊ करते रहे तो हम आपको फिर से बताना चाहेंगे कि जब सी0एम0 साहब बोलेंगे तो हम उनको बोलने नहीं देंगे।

श्री अध्यक्षः जब नृपेन्द्र सिंह बोल रहे थे तो उसी वक्त मैंने आपसे निवेदन किया था कि आप इंट्र ान न करें लेकिन आप उस समय तो इंट्र ान करते रहे फिर अब आप कैसे कहते हैं कि आप सदन में मुख्य मंत्री जी को बोलने नहीं देंगे। यह तो आपका कोई अधिकार नहीं है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अगर आपका यही व्यवहार रहा तो फिर हम भी यही काम करेंगे। अगर हमारे साथ ऐसा ही होता रहा तो हम उनको बोलने नहीं देंगे। (ोर एवं व्यवधान)

श्री सतनारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से सम्पत सिंह जी को याद दिलाना चाहता हूं कि 27 फरवरी 1990 को जब मेहम में उप चुनाव हुआ था और 28 तारीख को दोबारा से जब बैंसी गांव के आठ बूथों पर चुनाव हुआ था तो उस समय श्री हरि सिंह सरपंच, खरकडा भी मौजूद थे। उस समय इन्होंने वहां पर बूथ कैपचरिंग करनी चाही थी लेकन वहां के लोगों ने इनको ऐसा नहीं करने दिया। उस समय वहां पुलिस भी आतंकित हुई थी। उस समय श्री सम्पत सिंह जी होम मिनिस्टर थे। ये उस समय वहां पर तख्त के नीचे घुस गए थे। इनके साथ उस समय के पंचायत मंत्री श्री हुक्म सिंह और परिवहन मंत्री श्री धर्मवीर भी थे वे भी वहां पर तख्त के नीचे घुस गए थे। फिर आज ये मंत्रियों के बारे में कैसे कह सकते हैं ? स्पीकर सर, इसके अलावा इन्होंने मेरे हल्के के बारे में भी कहा है। अगर आज इनको जुलाना हल्के के बारे में इतना ही घमंड है तो चौटाला साहब या चौधरी देवी लाल जी वहां से दोबारा से चुनाव लडकर देख लें इनको पता चल जाएगा। मैं पहले भी वहां से साढे बारह हजार वोटों से जीता था और फिर वहां से जीतूंगा।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं पॉवर के बारे में जिक्र करूंगा। बार बार मुख्य मंत्री जी, मंत्री मण्डी के सभी सदस्य और उनके विधायकगण पॉवर का जिक्र करते हैं हालांकि बहुत से माननीय सदस्यों को मालूम भी नहीं है क्योंकि आंकडें भी भिन्न दिए जाते हैं, उनका भी जिक्र करूंगा। इनको जो प्रैस रिलीज बिजली बोर्ड के प्यादे देते हैं उसको ये जारी कर देते हैं। सबसे पहले मैं इस बारे में जिक्र करूंगा, जो ये कहते हैं कि 30 जून 1999 तक प्रदे ा में 24 घंटे बिजली दे देंगे। अध्यक्ष महोदय, आज के दिन जो पॉवर अवेलेबल हैं वह किसी भी सूरत में 2392 मेगावाट से फालतू नहीं हैं और आज हमारी जरूरत 4 हजार मेगावाट की है अगर ट्रांसमी ान व डिस्ट्रीब्यू ान लौसिज निकाल दिए जाते हैं तो स्वाभाविक है कि कंजयूमर तक पहुंचने वाली बिजली एक तिहाई से कम हो जाती है ये यहां पर बार बार नये

थर्मल पॉवर प्लांटस लगाने का जिक्र करते हैं। स्पीकर साहब, जहां तक बिजली की जनरे ान का सवाल है, जितने ऑन गोइंग प्रौजैक्टस हैं उन पर किसी पर धीमा सा काम चालू कर दिया हो तो अलग बात है लेकिन एक भी नया प्रौजैक्ट भुरू किया हो तो मुख्यमंत्री जी जवाब देते समय बताएं कि फलां प्रोजैक्ट पर हमारी सरकार ने काम भुरू किया है। इसके अलावा ये फरीदाबाद के गैस बेस्ड थर्मल पॉवर प्लांट का जिक्र करते हैं यह 432 मैगावाट का थर्मल पॉवर प्लांट है और उसको एन0टी0पी0सी0 स्थापित करेगी उसका 143 मैगावाट का जो पहला यूनिट है वह जून तक जनरे ान भुरू कर देगा उससे जो बिजली बढेगी उसके बारे में कहना चाहता हूं। मुख्य मंत्री जी ने 3–1–1999 को जो भिवानी में बयान दिया कि फरीदाबाद गैस बेस्ड थर्मल पॉवर प्लांट की 143 मेगावाट की पहली यूनिट 10 अप्रैल 99 से पहले बिजली जनरेट करनी भुरू कर देगी और अतर सिंह सैनी पॉवर मिनिस्टर हालांकि अटैच्ड पॉवर मिनिस्टर हैं उन्होंने 16.6.98 को चण्डीगढ में बयान दिया था कि उसकी पहली यूनिट 1 जनवरी 99 तक पूरी हो जाएगी। दोबारा सैनी साहब ने चन्दौली गांव में 21.12.98 को बयान दिया था कि वह यूनिट मई 1999 में पूरी हो जाएगी इस प्रकार इनकी तरफ से तीन डिफरैंट स्टेटमैंटस हैं। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि यह सरकार पानीपत थर्मल पॉवर प्लांट के रैनोवे ान की बात करती है इसकी 110–110 मेगावाट की चार यूनिट हैं उनमें से एक यूनिट की रैनोवे ान का काम किया जा रहा है उससे उसकी कैपेसिटी 8 मेगावाट बिजली बढने से तो क्रान्ति नहीं आएगी। इसी प्रकार पानीपत थर्मल पॉवर प्लांट की छठी यूनिट का जिक्र है वह भी ऑन गोइंग प्रौजैक्ट है उसके छठे यूनिट का काम 23.3.89 को भुरू हुआ था उसके लिए हमारी सरकार ने उस समय 80 करोड रूपये की म ीनरी के लिए सवा ग्यारह करोड रूपये बी0एच0ई0एल0 को जमा करवा दिए थे।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं मौके पर ही इस बारे में जवाब दे देता हूं कि उस थर्मल पॉवर प्लांट की

210 मेगावाट की छठी यूनिट का काम 1989 में भुरू हुआ था और उस पर ग्यारह करोड रूपये इनकी सरकार के समय में भी खर्च हुये थे लेकिन 1989 में उसके लिए जो 75 करोड रूपये की म ीनरी लाए थे, वह लगी नहीं। वह वैसी की वैसी धरती पर ही पडी रही, हमने आकर लगाई। जब बी0एच0ई0एल0 से उसका हिसाब करने लगे, क्योंकि म ीन की कीमत चुकानी थी। उन्होंने म ीन की कीमत से ज्यादा ब्याज लगा दिया। हमने उनके साथ जैसे तैसे समझौता किया।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, वह म ीनरी कांग्रेस के भासन में पडी रही। हमने तो उसके लिए एडवासं में रा ि ा जमा करा दी थी और उसी डेट को म ीनरी नहीं आती है जिस दिन पैसा जमा करवाया जाता है। वह तो एडवांस जमा कराने पर तैयार होती है उस यूनिट का 15 करोड रूपये का सिविल वर्क भी 31.3.91 तक पूरा हो चुका था वह ऑन गोइंग प्रौजैक्ट था इसलिए उससे दिसंबर 2000 से पहले प्रौडक ान होने की उम्मीद नहीं थी। इस सरकार ने कौन सा नया तीर मारा है कौन सी नयी जनरे ान का उत्पादन किया है। कभी यमुनानगर के थर्मल पॉवर प्लांट का जिक्र करते हैं कभी हिसार के थर्मल पावर प्लांट का जिक्र करते हैं। किसी पर भी काम चालू नहीं हो रहा है। स्पीकर सर, यह बात तो आप भी मानेंगे कि कोई भी थर्मल पॉवर प्लांट 30 जून 1999 तक जनरे ान में नहीं आयेगा। फिर ये कैसे 24 घंटे बिजली दे पायेंगे। हां, एक तरीका है। आजकल छापे बार बार डाले जा रहे हैं। जो जैनूयन कन्जूमर हैं उन पर बार बार छापे डाले जा रहे हैं और उनके कनैक ान काटे जा रहे हैं। टयूबवैल्ज के कनैक ान काटे जाने से जो तथ्य हमारे सामने आये हैं उनके अनुसार 15–20 हजार टयूबवैल्ज के कनैक ान इसी सरकार के समय में कम हुये हैं। इसके अलावा डोमैस्टिक कामि ियल और इंडस्ट्रीयल सैक्टर्ज में न जाने कितने हजारों बिजली के कनैक ान कम हुये हैं। क्या इस सरकार का यह टारगेट तो नहीं है कि आधे से ज्यादा बिजली के कनैक ान काट दिये जायें ताकि 30 जून तक

लोगों को बिजली की जरूरत कम पडे और ऐसा करके यह सरकार लोगों को 24 घंटे बिजली देने की अपनी बात पूरी कर सके। वरना 24 घंटे बिजली देने की बात बनती नहीं है। इसके अलावा स्पीकर साहब, ये बार बार वर्ल्ड बैंक से 2400 करोड रूपये लौन लेने का जिक्र करते हैं। मुख्य मंत्री जी भी जबानी बयान करते हैं और तथ्यों से परे रहते हैं। मैं एक उदाहरण देता हूं। एक अटैच्ड ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर हैं उन्होंने 20.1.1999 को नारायणगढ में बयान दिया कि सरकार की 7900 करोड रूपये की बिजली के सुधारीकरण की एक योजना है। मंत्री महोदय, इस बारे में कहीं पर 2400 करोड रूपये, कहीं पर 240 करोड रूपये और कहीं पर 1100 करोड रूपये कह कर अलग अलग समय और स्थान पर बयान देते हैं। कोयल में 505 करोड रूपये तो नारायणगढ में 7900 करोड रूपये और कहीं पर 240 करोड रूपये कहते हैं लेकिन तथ्य कुछ और हैं। स्पीकर सर, तथ्य तो इसके और ही हैं। यह सब जबानी कहा जा रहा है और कोरी कागजी स्टेटमैंट है। जहां तक वर्ल्ड बैंक से 2400 करोड रूपये के लोन देने की बात है वह आज की बात नहीं है। (विघ्न)

वास्तुकला राज्य मंत्री (श्री राजकुमार सैनी): अध्यक्ष महोदय, नारायणगढ का जिक्र माननीय सदस्य ने किया। नारायण गढ क्षेत्र में रायपुररानी एक छोटा सा कस्बा है जो डिस्ट्रिक्ट पंचकूला में पडता है। इस कस्बे में बिजली की समस्या पिछले 20 सालों से चल रही है। इस समस्या का निदान करने के लिए वहां के लोगों ने 66 के0वी0 का ट्रांसफार्मर लगाने की मांग रखी थी। बिजली महकमें के संबंधित अधिकारी उस समस्या का निदान करने के लिए वहां पर गये थे। वहां पर बिजली की लाइन लगाने के लिए काम भुरू हो चुका है भायद माननीय सदस्य को यह बात मालूम नहीं है। आज जो भी बात हमारी सरकार के बीच में होती है। इस सरकार का कोई भी अटैचड मंत्री माननीय सदस्य चाहे वह निर्दलीय हो चाहे बी0जे0पी0 का हो वह सदन में की गई किसी भी जायज बात को, जो किसी क्षेत्र के विकास से जुडी हो,

कहीं पर भी कह सकता है। आज तक इस सरकार ने या हमारे मुख्य मंत्री जी ने विकास की ऐसी कोई बात नहीं छोडी है। वहां पर बिजली की लाइन बिछाने का कार्य 31 मार्च तक पूरा हो जायेगा।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी बैठिये।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, मैं यह कहना चाहूंगा कि आदरणीय सम्पत सिंह जी ने एक बात कही है कि इस सरकार के मंत्रियों ने अलग अलग स्टेटमैंट दी है। उसमें अगर नारायण गढ का नाम आ गया तो क्या है।

श्री अध्यक्षः उनके हल्के का नाम आया है तो वे इस बारे में कह तो सकते हैं।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, यह प्वाइंट आफ आर्डर तो नहीं है। (विघ्न)

Mr. Speaker: You are nobody to interrupt. I have allowed him to speak.

श्री सम्पत सिंहः सर, अच्छा होता अगर वो 7900 करोड रूपये की बात का जिक्र करते। स्पीकर साहब, केवल मात्र दो ट्रांसफार्मर लगा दिये या बिजली का एक कनैक ान दे दिया, मैं उन बातों में नहीं जा रहा हूं। स्पीकर सर, जहां तक वर्ल्ड बैंक से 2400 करोड रूपये लोन लेने की बात है यह तो ऑन गोइंग प्रौसेस था, जो 1993 से चल रहा था। वर्ल्ड बैंक के साथ इस बारे में बातचीत चल रही थी। रिफोर्म एण्ड रिस्ट्रक्चरिंग के लिए पावर का जो प्रोजैक्ट तैयार किया गया था उसके लिए एस्टीमैटिड कॉस्ट 2400 करोड रूपये थी। यह तो एक कमिटमैंट थी। गवर्नर एड्रैस में इन्होंने यह माना भी है कि यह सैंक ान नहीं है, इन्होंने भायद इसमें कमिटमैंट भाब्द इस्तेमाल किया है। Commitment is not a sanction. ये बार बार बयान देते रहते हैं कि 2400 करोड रूपया मंजूर हो गया जबकि मंजूर तो केवल 240 करोड रूपया

हुआ है। वह डैबिल्टी प्रोग्राम लोन 1 है यानी ए0पी0एल0–1 है। बदले में जो पैसा इनको अब तक मिला है वह पैसा वैसे ही वर्ल्ड बैंक ने नहीं दिया इसकी री इम्बर्समैंट होती है। अब तक 32 करोड रूपया मिला है और 10 करोड रूपेय के कलेम्ज पैंडिंग हैं। यह मोस्टली 90 प्रति ात म ीनरी पर खर्च किया गया है। कन्स्ट्र ान पर कोई खर्च नहीं किया है जिससे कि बिजली में इजाफा होगा या ट्रांसमि ान में कोई फायदा होगा या फिर डिस्ट्रीब्यू ान में कोई फायदा होगा। मुख्य मंत्री जी बखूबी जातने हैं कि आज भी बिजली बोर्ड में करोडों रूपये का ऐसा सामान स्टोर्ज में पडा है जो अनयूजड है। उसकी लायबिलिटी सक्सैसिव कम्पनी की बजाय स्टेट गवर्नमैंट को लेनी पडेगी और यह करोडों रूपये की लायबिलिटी होगी। आज आनन फानन में जो हुक्म दिया जाता है कि इसको खरीद लो, लोन खत्म करना है, ऐसे में घटिया म ीनरी खरीदी जा रही है। इसलिये मुख्य मंत्री जी अपने लैवल पर इन्कवायरी करवा लें, चाहे हमें उसकी रिपोर्ट न दे लेकिन इन्कवायरी करा कर यह देख लें कि वह कैसा सामान है। नही ंतो कल आप उससे बिजली की व्यवस्था ठीक नहीं कर पायेंगे। स्पीकर सर, जो लोन है वह बिना प्रोडक्टिव काम के लिये लेंगे और ऐसे म ीनरी पर पैसा बर्बाद करेंगे। कोरिया ने भी इसी प्रकार से आई0एम0एफ0 से लोन लिया था, वर्ल्ड बैंक से लोन लिया था। वह करोडों अरबों डालर लोने लेते रहे। सारा संसार खु ा होता था कि कोरिया की बडी तरक्की हो रही है। उस समय कोरिया टाइगर ऑफ एि ाया कहलाता था लेकिन आज कोरिया का भटठा बैठ जायेगा। (विघ्न) दो कोरिया हैं। दोनों का ही भटठा बैठ गया। स्पीकर साहब, ये बिजली बोर्ड के निजीकरण के बारे में कहते हैं कि हमने कोई निजीकरण नहीं किया जबकि निजीकरण बाकायदा होगा क्योंकि डिस्ट्रीब्यू ान के लिये दो कम्पनियों के बारे में वर्ल्ड बैंक के साथ जो डॉकूमैंट साइन किया गया है उसमें स्पश्ट तौर पर लिखा है कि डिस्ट्रीब्यू ान के लिये दो कम्पनियां होंगी और उन दोनों कम्पनीज में मैजोरिटी भोयर

प्राइवेट होंगे। अगर मैजोरिटी भोयर प्राइवेट होते हैं तो अपने आप ही निजीकरण हो गया। हरियाणा सरकार की तरफ से दो तीन आई0ए0एस0 अधिकारी और दो टैक्नोक्रेटस उस डॉकूमैंट पर हस्ताक्षर करके आये हैं। अध्यक्ष महोदय, निजीकरण तो पहले ही फेल हो चुका है। पहले भी 1948 में निजी करण से संबंधित एक एक्ट बना था जिसके तहत सारी की सारी कंपनियां जो निजी तौर पर थीं, उनको पब्लिक सैक्टर में लाना था। हरियाणा में बिजली बोर्ड की सारी कंपनियां जो निजी तौर पर थीं, उनको पब्लिक सैक्टर में लाना था। हरियाणा में बिजली बोर्ड 1967 में बना। उससे पहले संयुक्त पंजाब में सिरसा की एक निजी कंपनी होती थी जो सिरसा, हिसार, भिवानी और रोहतक के क्षेत्रों को बिजली सप्लाई करने का काम करती थी। वह भी एक निजी कंपनी थी जिसे बाद में पब्लिक सैक्टर में लाया गया था। उसको बाकायदा टेक ओवर किया गया था। लेकिन आज ये बिल्कुल उल्टी ही गंगा बहाने जा रहे हैं। आज फिर बिजली बोर्ड के निजीकरण की बात कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, निजीकरण केवल विकसित दे ाों के लिए तो ठीक है लेकिन जो विकास ील दे ा हैं, उनकी रीढ की हडडी को निजीकरण तोड देगा। इसलिए जो पॉवर रैगुलेटरी कमी ान बनाया गया है उस बारे में मेरा सुझाव है कि they should scrap it. क्योंकि वह कार्यवाही सिर्फ ब्यूरोक्रेटस पर अतिरिक्त बोझ ही होगी।

लोक निर्माण (भवन तथा सडकें) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, मैं प्वांयट ऑफ आर्डर पर बोलना चाहता हूं। मैं आपके माध्यम से श्री संपत सिंह जी से अनुरोध करूंगा कि वे केवल अच्छे सुझाव ही सदन के सम्मुख रखें जिन पर हमारी सरकार विचार कर सके। संपत सिंह जी जैसे नेता से हम यह उम्मीद नहीं करते हैं कि वे इस तरह की फिजूल बातें सदन में करें। आज पूरा दे ा बिजली के सुधारीकरण की प्र ांसा कर रहा है। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में बिजली के सुधारीकरण के बारे में हमारी सरकार के कार्यक्रम को विस्तार से

बताया है। अच्छा तो यह होता कि ये चौधरी बंसी लाल द्वारा उठाए गए, इस ठोस कदम की प्र ंसा करते लेकिन इसके विपरीत ये विधान सभा में विरोधस्वरूप इस कदम की मुखालफत कर रहे हैं जिसका सदन की नजरों में कोई वनज नजर नहीं आता है। मैं आपके माध्यम से इनसे फिर अनुरोध करूंगा कि वे सदन में केवल अच्छे सुझाव व अच्छी बातें ही रखें तथा सदन का समय बर्बाद न करें। (ोर एवं विघ्न)

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को बताना चाहता हूं कि 4000 करोड रूपये की बिजली बोर्ड की लायबिलिटी है और इस एग्रीमैंट के अनुसार यह सारी की सारी लायबिलिटी राज्य सरकार ओन करेगी। इसके अतिरिक्त जहां तक असैटस की बात है इस बारे में मैं बताना चाहता हूं कि इस एग्रीमैंट के पेज 2 पर आप पढें जिसमें लिखा है–

"H.S.E.B. will re-value its fixed assets by about 50%"

इस प्रकार असैटस की वैल्यूए ान तो 50 प्रति ात पर होगी और लायबिलिटी सारा स्टेट लेगा तो इसकी इकॉनामी कहां रहेगी ? अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ इस एग्रीमैंट में 24 घटे बिजली देने के स्थान पर बिजली आपूर्ति में कटौती की बात की है, जिसके बारे में एग्रीमैंट में लिखा है–

"During the next 4 to 5 years, it will not be possible to fully meet the demands of power and therefore, the power supply will have to be curtailed."

अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से ये कैसे कह सकते हैं कि ये 24 घंटे बिजली देंगे। यहां एग्रीमैंट में तो बिल्कुल उल्टा ही लिखा है कि 4–5 साल तक तो बिजली की खपत को करटेल करना पडेगा। दूसरी तरफ ये कहते हैं कि अच्छे सुझाव दें। (विघ्न) मैं अच्छे सुझाव ही दे रहा हूं। ये तो किसी भी तरीके से अपना समय जैसे तैसे निकालने की कोि ा ा कर रहे हैं और

बचकर निकलना चाहते हैं। हमोर अच्छे सुझाव तो इनको जंचते नहीं हैं। जिस प्रकार से ये कार्य कर रहे हैं, उससे तो और वित्तीय उलझनें/अड़चनें पैदा होंगी। अध्यक्ष महोदय, इनकी इस कार्यवाही से वित्तीय वर्श 1999–2000 में कृशि उपभोक्ताओं पर 37 प्रति ात अतिरिक्त बोझ पडेगा तथा बाकी उपभोक्ताओं पर 8–10 प्रति ात अतिरिक्त बोझ पडेगा। वितीय वर्श 2000–2001 में यह अतिरिक्त बोझ 33 प्रति ात तथा वर्श 2001–2002 में यह बोझ 25 प्रति ात का और पडेगा व वर्श 2002–2003 में 41 प्रति ात का अतिरिक्त बोझ पडेगा। अध्यक्ष महोदय, आज जो मीटर्ड और अनमीटर्ड बिजली की सप्लाई 55 पैसे प्रति यूनिट पड रही है, बाद में यह 174 पैसे प्रति यूनिट पडेगी। अध्यक्ष महोदय, अगर मैं इन सारी बातों का सदन के अंदर जिक्र नहीं करूंगा तो हरियाणा प्रदे ा की जनता के हितों के साथ खिलवाड करूंगा। अध्यक्ष महोदय, सरकार की इस कार्यवाही से किसानों पर साढे तीन गुना अतिरिक्त बोझ पडेगा तथा 8–10 प्रति ात अतिरिक्त बोझ प्रति वर्श आप उपभोक्ता पर पडेगा। अध्यक्ष महोदय, रिनोवे ान और माडनाईजे ान से ट्रांसमि ान और डिस्ट्रीब्यू ान लौसिज कम हुआ करते हैं लेकिन इसके विपरीत ये लौसिज बढ रहे हैं। 1995–96 में ये लौसिज 28.13 प्रति ात थे जो 1996–97 में बढ कर 36.71 प्रति ात हो गए, वर्श 1997–98 में ये लौसिज 32.15 प्रति ात हो गए तथा 1998–99 की फिगर अभी आनी है। अध्यक्ष महोदय, इस वर्श भी ये लौसिज 33 प्रति ात से ज्यादा ही होंगे। अगर यही हालत रहेगी तो इतना ज्यादा कर्ज लेकर खर्च करने का क्या औचित्य है कि इसके बावजूद भी उत्तरोत्र बिजली की चोरी बढ ही रही है। दूसरी तरफ ये दावा करते हैं कि बिजली की चोरी रूकी है। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने भिवानी में एक विजीलैंस टीम भेजी थी यह एक अलार्मिंग बात है। अध्यक्ष महोदय, प्रदे ा में सबसे ज्यादा बिजली चोरी भिवानी में होती है और हो रही है परंतु उन चोरियों पर कोई कार्यवाही नहीं होती क्योकि कहीं यह भेद न खुल जाये कि बिजली चोरी करने वाले

इंडस्ट्रीयलिस्ट को किसका संरक्षण प्राप्त है। इसलिए उस टीम को वहां से वापिस बुला लिया गया। अध्यक्ष महोदय, बिजली चोरी के मामले में पहले जो एफ0आई0आर0 लोज करेंगे तो उस पर कार्यवाही करनी पडेगी। लेकिन इनके आदे ा के अनुसार छापे मारने के 48 घंटे बाद एफ0आई0आर0 लोज की जायेगी ताकि बाद में राजनैतिक दखल आ जाये और दोशी व्यक्तियों को बचाया जा सके।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, भायद चौ0 संपत सिंह जी को मालूम नहीं है कि भिवानी में क्या हुआ ? ये जो कुछ भी कह रहे हैं इसका कुछ भी मतलब नहीं है। ये हमारे साथ भिवानी में चलें और हम इनको रिकार्ड दिखायेंगे कि जो भी बिजली की चोरियां हुई हैं उनके कितने केस दर्ज हुये हैं। अध्यक्ष महोदय, जो लोग दोशी थे सभी को पकडा गया है। किसी को भी नहीं छोडा। चाहे वह किसी का भी आदमी हो। जिन फैक्टरियों के मालिक गडबडी कर रहे थे उनको भी पकडा गया है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी संपत सिंह जी भिवानी में आयें हम इनको बता देंगे कि कितने लोगों को पकडा गया है और कितने लोगों के खिलाफ केस दर्ज किये गये हैं। यहां तक कि जो दोशी पकडें गये हैं उनकी जमानतें भी नहीं हुई हैं। अध्यक्ष महोदय, ये लोग तो आम जनता को कहते हैं कि आप लोग बिजली का बिल मत भरो और लोगों से बिजली की चोरियां करवाते हैं। (ोर) ये जो कह रहे हैं कि विजीलैंस टीम को वापिस बुला लिया गया इनको उस बारे में मालूम ही नहीं है। अध्यक्ष महोदय, वह टीम वहीं पर है। (ोर एवं व्यवधान)

डॉ0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। (ोर)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आप बैठ जायें।

Sh. Sat Pal Sangwan: Speaker Sir, I can show you the record and I can give you the F.I.R. No. even.

Mr. Speaker: Dr. Virender Pal, please take you seat (Interruptions)

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी संपत सिंह जी से अनुरोध करूंगा कि जो सच्चाई है उसको मानने में कोई बुराई नहीं होनी चाहिए। यह ठीक है कि आज चौधरी संपत सिंह जी विपक्ष में बैठे हुए हैं। लेकिन अध्यक्ष महोदय, हम जो बिजली का उत्पादन हरियाणा प्रदे ा में बढाने जा रहे हैं इसका इस्तेमाल केवल हरियाणा विकास पार्टी या भारतीय जनता पार्टी ही नहीं करेगी बल्कि प्रदे ा की पूरी जनता करेगी। अध्यक्ष महोदय, इनको तो लोगों को यह कहना चाहिए कि सरकार यह अच्छा काम कर रही है। इसमें हम भी सरकार की मदद करेंगे। चौ0 संपत सिंह को बिजली की बात से तकलीफ इसलिए हो रही है क्योंकि ये अच्छी तरह जान चुके हैं कि सरकार इस कार्य को जल्दी ही पूरा कर लेगी और हरियाणा की जनता को 24 घंटे बिजली देने के अपने वायदे को पूरा करेगी। अध्यक्ष महोदय, इन विपक्ष वालों का तो मेन मकसद यह है कि ये लोगों को गुमराह करें लेकिन जब हम अकेले बैठते हैं तो बिजली के बारे में ये भी हमारी प्र ंसा करते हैं। आज इनहोंने आरोप लगाये हैं कि भिवानी में बिजली की चोरियां हो रही हैं। अध्यक्ष महोदय, आप भी भिवानी के रहने वाले हैं। आज कोई भी नहीं कह सकता कि हमारी सरकार ने किसी दोशी के प्रति अपने रवैये में कोई ढील दी है। अध्यक्ष महोदय, अगर कोई भी बिजली की चोरी पकडी जाती है तो उस दोशी के खिलाफ कार्यवाही की जाती है। उसके खिलाफ विभाग अलग से कार्यवाही करता है और पुलिस अलग से कार्यवाही करती है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से उनसे पूछना चाहता हूं कि अगर हमारी नीतियां गलत हैं तो ये अपनी योजनाएं हमें बतायें लेकिन उन्होंने हमें कोई भी सुझाव नहीं दिया। ये तो सिर्फ हमारी आलोचना ही कर रहे हैं।

13.00 बजे।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी मेरे माननीय साथी कर्ण सिंह दलाल ने कहा कि जब हम अकेले बैठते हैं तो बात करते हैं। उन बातों का मैं जिक्र नहीं करूंगा कि आप और हम अकेले में क्या क्या बात करते हैं। स्पीकर सहब, ऐसे बहुत से साथी हैं जो पता नहीं अकेले में क्या क्या बातें करते हैं। वह तो समय ही बताएगा और सारा हरियाणा उन बातों को जान जाएगा। आपको भी उन बातों का पता लग जाएगा। मैं इस समय उन बातों का जिक्र करूंगा।

श्री अध्यक्षः आप रहने दें चौधरी भागी राम जी बता देंगे। (हंसी)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, प्रदे ा के लोगौं को 24 घंटे बिजली मिले हम बहुत खु ा हैं। यह बहुत बढिया काम है। लेकिन आज प्रदे ा के हालात यह हैं कि बिजली के लिए लोगों को रास्ते जाम करने पडते हैं। चक्का जाम करना पडता है। इनका घेराव किया जाता है। क्योंकि लोगों को बिजली नहीं मिल रही है। स्पीकर साहब, अब मैं इरीगे ान के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। इस सरकार के आने से पहले सारी पार्टियों ने इनकल्यूडिंग इस समय के मुख्य मंत्री ने बार बार जमना अकोर्ड का डट कर विरोध किया था। उस समय इन्होंने रोहतक की एक पब्लिक मीटिंग में कहा था कि हम इसके खिलाफ जन आन्दोलन करेंगे, बगावत करेंगे। चौ0 बंसीलाल जी ने कहा था ''भजन लाल ने खुराने के आगे घुटने टेक दिए।'' लेकिन अब इनकी सरकार आई तो इन्होंने मा लिया कि जो कुछ हुआ उसको भूल जाओ। हथनी कुण्ड बैराज की बात करते हैं। हथनी कुण्ड बैराज तो इस सरकार से पहले का है। उसके लिए 1994 में लोन मंजूर हुआ था। उस समय 1858 करोड रूपये का लोन इसके लिए मंजूर हुआ था। हरियाणा वाटर रिसोर्सिज कंसोलीडे ान प्रोजैक्ट में हथनी कुण्ड बैराज भाामिल था यह तो पहले की योजना है। आज आप जमना अकोर्ड का जिक्र नहीं करते। आज आप एस0वाई0एल0

कैनाल का जिक्र नहीं करते। आप रावी व्यास के पानी का कोई जिक्र नहीं करते। इसी तरह से आप आगरा कैनाल का कंट्रोल अपने हाथ में लेने का कोई जिक्र नहीं करते। आगरा कैनाल के नीचे जो माइनर्ज हैं उनकी सफाई का काम आपने कागजों में दिखा दिया। मुख्य मंत्री जी ने पलवल में कहा था कि आगरा कैनाल का कंट्रोल तीन आगरा कैनाल को अपने कब्जे में लेंगे। मैं इनसे जानना चाहता हूं कि लैंड एक्विजि ान के नोटिस का क्या हुआ। स्पीकर साहब, जब ये सिरसा में जाते थे तो ये कहते थे कि हम हरिके पत्तन से पानी लाएंगे। ये हरि के पत्तन से पानी लाने की बात नहीं करते बल्कि इन्होंने तो कहा था कि हम गंगा से पानी लाकर देंगे। स्पीकर साहब, गंगा के पानी पर हमारा कोई अधिकार नहीं है फिर ये गंगा का पानी लाएंगे। एक काम हो रहा है अपराध बढ रहे हैं। लोगों को मारा जा रहा है, उनके फूल बहाने लोग हरिद्वार जाते रहतेह ं और वहां से गंगा जल लाते रहते हैं। (ोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जब संपत सिंह जी बिजली की बात से संतुश्ट हो गए तो अब ये पानी की बात पर आ गए। स्पीकर साहब, इन्होंने हथनी कुण्ड बैराज का जिक्र किया है। मैं इनको इस बारे में सन्तुश्ट करना चाहता हूं। स्पीकर साहब, इस दे ा को सोने की चिड़िया कहा जाता था लेकिन आज आप इस दे ा की हालत देख रहे हैं कैसी है। स्पीकर साहब, संपत सिंह जी सरकार रही, पीछे कांग्रेस पार्टी की सरकार रही। उन सरकारों ने हथनी कुण्ड बैराज का काम भुरू क्यों नहीं करवाया ? उस पर खर्च किया गया पैसा केवल कागजों में ही दिखा दिया। अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह जी को तो हमारी सरकार को मुबारिक बाद देनी चाहिए कि सरकार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के बावजूद भी सरकार प्राथमिकता के आधार पर हथनी कुण्ड बैराज को बनाने के कार्य में दिन रात लगी हुई है। चौधरी सम्पत सिंह जी जानते हैं कि उस बैराज के पूर्ण होने पर हरियाणा प्रदे ा के किसानों की

सिंचाई की सुविधाएं बहुत अधिक बढ जायेंगी। सम्पत सिंह जी आगरा नहर के बारे में जिक्र कर रहे हैं। (विघ्न) आगरा नहर के बारे में मैं चौधरी सम्पत सिंह जी को बताना चाहता हूं कि हमारे जिले में पिछली सरकारों ने इस नहर से पानी लाने के बारे में कोई कदम नहीं उठाया था। हमारे एरिया में इस नहर के जो रजवाहे लगते थे उनमें 20–20 साल से पानी नहीं आ रहा था और उस एरिया के लोगों ने उम्मीद छोड दी थी। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि इस सरकार के आने के बाद हमें उस नहर का पानी उन रजवाहों के माध्यम से मिल रहा है। यह कोई छोटा काम नहीं है।

Sh. Sampat Singh: Speaker Sir, I want to know whether they have taken over administrative control of that canal.

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, आगरा नहर का पानी 20 साल के बाद हमारे इलाके में आया इसके लिए मैं चौधरी बंसी लाल जी का धन्यवाद करता हूं। चौधरी संपत सिंह जी आप हमारे इलाके में आएं। जहां आगरा कैनाल का पानी हमारे रजबाहों में पिछले 20 सालों से देखने को नहीं मिलता था आज वही रजवाहे इस नहर के पानी से चल रहे हैं। मेरा कहना है कि हमारी सरकार नहरी पानी की व्यवस्था की तरफ पूरा ध्यान दे रही है और इस दि ा में हमारी सरकार ने बहुत ही अच्छे ढंग से कार्य किया है।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, आप जैसी परम्परा डालें वह डालें क्योंकि आप इस चेयर पर बैठे हैं आपने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर हो रही बहस को सवाल जवाब का सै ान बना दिया है। हम चाहते हैं कि आप इसी तरह के सवाल जवाब का सै ान आखिरी दिन तक चलाते रहें। स्पीकर महोदय का काम होता है कि अगर कोई मंत्री गलत बयान करता है तो उसको निर्दे ा दें कि वह सही जवाब दें। अभी कर्ण सिंह जी ने आगरा कैनाल के बारे में कुछ कहा ये ओन ओथ कह दें कि

इन्होंने उसका कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया है तो हम इनकी बात को मान लेंगे। ये साथ ही ये भी ओन ओथ कह दें कि जब ये विपक्ष में हुआ करते थे तो उस वक्त कहा करते थे कि हमारी सरकार आएगी तो इसका कंट्रोल हम अपने हाथ में लेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं सम्पत सिंह जी को बताना चाहता हूं कि जब मैं विपक्ष में होता था तब मैंने कभी यह नहीं कहा कि हमारी सरकार आएगी तो उसका कंट्रोल हम अपने हाथ में ले लेंगे। उसका कंट्रोल अपने हाथ में लेने के बारे में हमारे सिंचाई मंत्री जी कई बार उत्तर प्रदे ा जा चुके हैं और इस बारे में यू0पी0 सरकार से बात कर चुके हैं।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी तक इन्होंने इस बारे में क्या कार्यवाही की है ? जो इन्होंने कहा है this is not the reply. अध्यक्ष महोदय, भाखडा कैनाल की मेन्टीनैंस न होने की वजह से हमें उस नहर से 1600 क्यूसिक्स पानी कम मिल रहा है। केवल मात्र उस नहर की सफाई करवाने के लिए पैसा पंजाब के पास जमा करवाने से बात नहीं बनती। सरकार को चाहिए कि पंजाब के एरिया में उस नहर की सफाई का काम तेजी से करवाये ताकि हमें जो 1600 क्यूसिक्स पानी कम मिल रहा है, वह पूरा मिल जाये। इस तरहफ सरकार को वि ोश ध्यान देना चाहिए। इन्होंने हथनी कुंड बैराज का जिक्र किया। इसको बनाने के लिए 1994 में पैसा मंजूर हो चुका था।

सिंचाई एवं राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह जी अपनी स्पीच में आगरा कैनाल और हथनी कुंड बैराज का जिक्र कर रहे हैं। इस बारे में चौधरी कर्ण सिंह दलाल जी भी पहले कह चुके हैं कि इनको चौधरी भागी राम जी के साथ कम्पेयर न करें क्योंकि उनका स्टेटस दूसरा है और इनका स्टेटस दूसरा है। (विघ्न) जहां तक आगरा कैनाल के कंट्रोल का सवाल है, उसकी बात को छोडें। (विघ्न) मरे हुए हाथी से हमें क्या लेना है। उसके कंट्रोल से हमें क्या लेना है। उससे

हरियाणा के फरीदाबाद और गुडगांव का थोडा सा हिस्सा सिंचित होता है। आगरा कैनाल से मथुरा, आगरा, यू0पी0 के जिले अलवर, भरतपुर और धौलपुर राजस्थान के जिले सिंचित होते हैं। इसलिए आगरा कैनाल के कंट्रोल से हमें क्या लेना है। सन 1966 में हरियाणा बना और 30 साल के बाद 1996 में हमारी सरकार ने आगरा कैनाल की चैनल्ज का कंट्रोल 100 प्रति ात अपने हाथ में लिया है। उन चैनल्ज की सफाई, उनके पानी का डिस्ट्रीब्यू ान हामरे इंजीनियर्ज करते हैं। उनकी मुरम्मत का कार्य उनके जो छोटे मोटे पुल हैं उनकी मुरम्मत का काम हमारे इंजीनियर्ज करते हैं। आज आगरा कैनाल की चैनल्ज की एक एक टेल एंड पर पानी पहुंच रहा है। गुडगांव और फरीदाबाद का पूरा कमाण्ड एरिया उनसे सिंचित हो रहा है। मेरे ख्याल से इससे फालतू कंट्रोल की बात और कोई नहीं हो सकती है। मेरे ख्याल से इससे हमारा परपज हल हो गया है। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, गोदारा साहब बैठे हुए हैं। माननीय मंत्री जी बीच में बोल रहे हैं। उनके महकमें की चर्चा हुई है इसलिए उनको नोट करना चाहिए और बाद में उनका रिप्लाई आना चाहिए। इण्टरवीन करने की जो प्रथा डाली जा रही है वह चेयर की गरिमा पर चोट हैं। मंत्री जी बार बार इन्टरवीन कर रहे हैं यह आपका अधिकार है आप उनको इससे रोकें।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, हमारे साथ मजबूरी यह है कि जब हम इनकी बात का जवाब देना भुरू करते हैं तो ये लोग उस समय हाउस में नहीं होते, इसलिए जवाब बीच में देना पड रहा है।

श्री धीरपाल सिंहः चौधरी भजन लाल जी भी यही कह कर चले जाया करते थे, वही बात आप भी कर रहे हैं। हर्श कुमार जी, आप बहुत अच्छे इंसान हैं और मंत्री भी हैं, मेरी गुजारि ा है कि आप बीच में इन्टरवीन न करें (विघ्न एवं भोर) .....

श्री अध्यक्षः चौधरी धीरपाल सिंह जी, आप बैठें जो यह कह रहे हैं कि वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं बार बार क्या कहूं यह अच्छा नहीं लगता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, धीरपाल जी आप बहुत सीनियर मैम्बर हैं। इसलिए आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। (विघ्न) चौधरी सम्पत सिंह जी आपको बोलते हुए एक घंटा हो गया है। आप जल्दी खत्म करें।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक नहीं है। मेरा समय तो बार बार इन्ट्रप्ट करने में चला गया है। मुझे तो बोलने ही नहीं दिया गया है .....

श्री अध्यक्षः यह जो सम्पत सिंह जी कह रहे हैं वह कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री सम्पत सिंहः .....

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी मैं यहां पर नहीं था जब नृपेन्द्र सिंह जी बोल रहे थे लेकिन उनको भी काफी इंट्रप्ट किया गया था। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः आप रिकार्ड निकलवा कर देख लें कि किसने इन्ट्रप्ट किया था। .....

श्री अध्यक्षः आप 15 मिनट में अपनी बात कम्पलीट करें। मैं सभी माननीय सदस्यों से गुजारि ा करूंगा कि आप सभी ध्यान से इनकी बात सुनें।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जो लोगों की पीडा है उस पीडा के बारे में यहां पर बताना हमारा फर्ज है और इस बारे में मैं बार बार यहां पर कह रहा हूं इनको चाहे कोई तकलीफ हो, ये चाहे मुझे रोकने की कोि ा ा करें लेकिन मैं उनकी बात यहां पर कहूंगा। आज इनकी बूट मैजोरिटी है। मैं इनमें से किसी के

बारे में पर्सनल बात नहीं कहूंगा क्योंकि इन लोगों की हमको जरूरत है ये लोग किसी भी समय हमारे काम आ सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह हमारी कम्पल ान है इस वजह से मैं इनके बारे में कुछ जिक्र नहीं करूंगा चाहे आप कितना भी मुझे प्रवोक कर लें। इसलिए स्पीकर साहब, फार दि लार्जर इन्ट्रस्ट मैं इनके साथ ऐसा नहीं करूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं जिस 1858 करोड रूपये के प्रोजैक्ट की बात कर रहा था उसमें वर्ल्ड बैंक का 975 करोड रूपये का भोयर था। यह बहुत ही बडा प्रैस्टीजियस प्रोजैक्ट था। उसमें सारी नहरों की माडर्नाइजे ान होनी थी और सारे सिस्टम की रिस्ट्रकचिरिंग होनी थी। इसी के साथ ही रिहैबीलिटे ान होनी थी। लेकिन सरकार की कोताही की वजह से साढे चार साल खत्म होने जा रहे हैं, इनते समय में इसका 1/3 काम भी नहीं हुआ है। उसका काम कितना हुआ है वह मैं आपको बता देता हूं। सिम्पल वर्कस पर जैसे ड्रेनों से मिटटी निकालने का काम हुआ है यानी जिस काम में कमी ान खानी थी, पैसा खाना था वही काम हुआ है। सर, स्ट्रक्चर वर्कस का काम है, मेन कैनाल का काम है, चैनल और ब्रान्विज का काम है अगर उन कामों की परसैन्टेज बताऊंगा तो आप हैरान होंगे। आपको भी पता चलेगा कि पानी और नहरों के मामले में ये लोग कितने सीरियस है। स्पीकर साहब, वर्ल्ड बैंक के कंट्री डायरैक्टर जो इंडिया के लिए हैं उनका नाम एडमिन आर0लिन है। उन्होंने लिखा है Ineffective project management at the senior level i.e. in Haryana's Irrigation Department as well as at the Government level has prevailed and is the root cause for the present unsatisfactory situation. उनके अनुसार लक्ष्य और उपलब्धियों के बीच में इतना बडा अन्तर है। स्पीकर साहब, ये हालात उस प्रोजैक्ट के हैं। अब ये क्या करेंगे ? दूसरी बात तैं यह कहना चाहूंगा कि वर्ल्ड बैंक वालों ने थ्रैट किया है जो यह है :-To cancel the part of the credit or even suspend the credit. स्पीकर साहब अगर ये हालात होंगे तो हमारे सारे के सारे प्रोजैक्ट रह जाएंगे। (विघ्न)

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। ये वर्ल्ड बैंक की जिस थ्रेट की बात कर रहे हैं उसके बारे में मैं इनको बताना चाहता हूं कि वर्ल्ड बैंक तो इसको और आगे बढाने जा रहा है। वह हमारे काम से पूरी तरह से सैटिसफाईड है। मेरा सम्पत सिंह जी से कहना है कि वे भजन लाल जी के समय की चिटठियां हमारे समय में लागू न करें।

श्री सम्पत सिंहः सर, यह जून 1998 की बात है क्या उस समय भजन लाल जी थे ?

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप यह लैटर हर्श कुमार जी के पास भिजवा दें।

श्री सम्पत सिंहः सर, यह जून 1998 की बात है। मैं यह चिंता जाहिर कर रहा हूं कि अगर इस तरह के प्रौजैक्टस के लोन कैंसिल हो जाएंगे तो फिर इनकी सारी की सारी स्कीम धरी की धरी रह जाएंगी।

श्री हर्श कुमारः सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः हर्श कुमार जी, चौधरी सम्पत सिंह जी अभी इरीगे ान पर बोल रहे हैं इसलिए पहले इनको अपनी बात पूरी कर लेने दें। उसके बाद आप बोल लेना। अभी आप बैठें।

श्री सम्पत सिंहः सर, जहां तक यूटिलाइजे ान की बात है। इसमें 975 करोड रूपया वर्ल्ड बैंक का भोयर है। उसमें 301 करोड 52 लाख रूपये का यूटिलाइजे ान हुआ है यानी वन थर्ड और जो कुल ऐक्सपैंडीचर हुआ है वह 522 करोड रूपये हैं। यह ऐक्सपैंडीचर 1858 करोड रूपये में से हुआ है। इसका मतलब 1361 करोड के अगेन्स्ट 38 परसैंट टोटल ऐक्सपैंडीचर हुआ है। इसी तरह से अस्टैब्लि ामैंट पर 496 करोड रूपया रखा गया था उसमें से जून तक 425 करोड रूपया खर्च हो चुका था। इसका मतलब अस्टैब्लि ामैंट पर टोटल खर्चा हो चुका है। सर, अस्टैब्लि ामैंट की तो वाह वाह है आगे ये अस्टैब्लि ामैंट कैसे

चलायेंगे। सर, इस तरह से ये अन प्रोडक्टिव कामों पर खर्च कर रहे हैं और प्रोडक्टिव कामों पर खर्च नहीं कर रहे हैं। इसी तरह से मोडनाईजे ान हैड में मेन कैनाल पर केवल दो परसैंट काम हुआ है और स्ट्रक्चर पर 12 परसैंट तथा डिस्ट्रीब्यूटरी पर 18 परसै।ट काम हुआ है। पथराला प्रौजैक्ट जो दादुपुर के नजदीक पडता है तथा बूढेडा प्रौजेक्ट जो थानेसर के नजदीक है और ओटूवियर प्रौजैक्ट जो सिरसा में है। सरकार के ये तीन बडे प्रौजैक्टस हैं इनके लिए भी 1858 करोड रूपये में से ही लोन सैंग ैंड है लेकिन इन तीनों पर एक कस्सी मिटठी का भी काम नहीं हुआ है। क्या एक साल और पांच महीने में सह सरकार इन तीनों प्रौजैक्टस को पूरा कर लेगी ? जब आज तक ये पूरे नहीं हो पाए हैं तो आगे ये कैसे पूरे हा पाएंगे ? इस प्रौजैक्ट में इन्होंने एक आबियाना वाली क्लॉज लागू करवायी है जिसके अुनसार हर वर्श दस परसैंट आबियाना बढा कर लेने में प्रोम्पट रहे हैं लेकिन अगर इन तीनों प्रोजैक्टस पर पूरी तरह से काम हो जाता तो हरियाणा प्रदे ा की जल की समस्या खत्म हो जाती, बाढ की समस्या खत्म हो जाती और सेम की समस्या खत्म हो जाती। आज के दिन भी नरवाना, राजौंद, सफीदों, नारनौंद, धिराय, जुलाना, दडबा, नुंह, फतेहाबाद और रोडी के इलाकों में हजारों एकड जमीन में सेम का पानी खडा हुआ है। वहां की जमीन बिना बोए ही रह गयी है। लेकिन सरकार ने तो एक ही भाब्द सीख लिया है कि हम इस बारे में रोजाना अलग अलग बयान आते रहे हैं। एक मंत्री कहता है कि 2300 करोड रूपये और दूसरा कहता है कि 2600 करोड रूपये और जब इस बारे में कैबिनेट का फैसला हम सुनते हैं तो पता लगता है कि इसके लिए केवल 45 करोड रूपये का ऐस्टिमेटस है। सर, अब हम किसकी बात सही माने। (विघ्न) सर, मैं अब अगली बात कहना चाहूंगा। मैं अगर पावर पर बात करता हूं तो इनको दिक्कत होती है और अगर इरीगे ान की बात करता हूं तब फिर इनको दिक्कत होती है।

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, सम्पत सिंह जी पता नहीं कहां से पढ रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह जी जो आंकडें सुना रहे हैं, ये सच्चाई से दूर हैं। रोहतक जिले की बात तो मैं कह सकता हूं क्योंकि मैं वहां ग्रीवैंसिज कमेटी की मीटिंग में जाता हूं रोहतक जिले से विधायक भी यहां बैठे हैं और वे खुद मानते हैं कि नालों की सफाई व सिंचाई इत्यादि का काफी काम हुआ है।

श्री सम्पत सिंहः मैं प्रौजैक्टस की बात कर रहा था। ये वहां के बारे में जानते हैं नहीं, इधर उधर की बात कर रहे हैं।

श्री हर्श कुमारः चौधरी सम्पत सिंह जी मैं आपसे सिर्फ एक अनुरोध करूंगा। आप भी इरीगे ान मिनिस्टर रहे हैं। मेरा यही अनुरोध है कि जो भी आंकडे आप यहां दें वे सही हों। मैं आपसे उम्र में छोटा हूं और हो सकता है कि अनुभव में भी छोटा हूं परन्तु आपने जो अस्टैब्लि ामैं पर डब्यू0आर0सी0पी0 का 425 करोड का खर्च बताया है। मैं कहना चाहता हूं कि इस मद में यदि एक नया पैसा भी खर्च हुआ होगा तो मैं आज ही इरीगे ान महकमा छोड दूंगा। इस तरह की गलतबयानी आप यहां न करें।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, इरीगे ान मिनिस्टर का यह दावा है कि अस्टेबलि ामैंट पर एक नया पैसा भी खर्च नहीं हुआ, आप इस बारे में क्या कहते हैं।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, इस बारे में मैंने आपको वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट पढकर सुनाई है Speaker Sir, don't try to bail them out. यह आंकडें मैंने दिये हैं यूं ही नहीं दिये हैं मेरा अफसोस यह है कि मुझे भैंस के आगे बीन बजानी पड रही है।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं भी यह महसूस करता हूं कि भैंस के आगे बीन बजाना बेवकूफी है। चौधरी सम्पत सिंह जी, आज इस चीज का फैसला करें कि भैंस मैं या आप, बीन बजाने वाले आप या मैं। (ोर)

Mr. Speaker: I think he is right.

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं इनके आंकडों की बात नहीं करता कि इनको वह आंकडे कौन देता है। आप सरकार के खजाने के रिकार्ड से पता कर लें मैं आकपो फिर दावे से कह रहा हूं। कि अस्टैब्लि ामैंट पर कोई पैसा खर्च नहीं किया गया।

श्री अध्यक्षः चौधरी सम्पत सिंह जी आप इनकी बात का कोई प्रूफ दें।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, हम तो इस्तीफा देकर भी बहुत बार वापस चुनाव जीतकर आये हैं परन्तु ये हमारे साथी आज मंत्री हैं इस बारे में हमें बहुत खु ी है। मैं इनको अपदस्थ नहीं देखना चाहता।

श्री अध्यक्षः आज इनकी बात का जवाब दीजिए। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक सुझाव है कि अगर सिंचाई मंत्री जी की बात चौधरी सम्पत सिंह जी नहीं मानते हैं तो हाऊस की एक कमेटी बना दी जाए।

श्री सम्पत सिंहः अगर ऐसा होगा तो हम तो हाऊस की सैंकडों कमेटियां बनवायेंगे फिर तो कमेटियां बनती जायेंगी। स्पीकर सर, इस टोटल प्रोजैक्ट की वर्किंग पर कमेटी बना लें, इसके लिए मैं सहमत हूं।

श्री रमे ा कुमारः स्पीकर सर ..... (ोर)

श्री अध्यक्षः आप अपनी सीट पर बैठिये। (Sh. Ramesh Kumar continued to interrupt)

Mr. Speaker: Ramesh Kumar ji, I warn you. (Interruptions) I again warn you. मंत्री जी आप एक मिनट में पूरा कीजिए।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी सम्पत सिंह जी से एक निवेदन करना चाहूंगा कि मेरे अन्दर इनके प्रति बडी

इज्जत है और मैं इनको अपने से बडा मानता हूं। इनसे कुछ सीखना भी चाहता हूं। इनके तजुर्बे से कुछ लाभ उठाना चाहता हूं। लेकिन भायद आप अपनी अपनी पहली वाली आद ता की नीति से और अपने चरित्र से भटक गये हैं। दूसरी बात यह है कि जो आपने पथराला गांव का जिक्र किया, पथराला गांव के काम का टैण्डर फलौट हो चुका है। उसका काम इतना जल्दी भुरू नहीं हो सकता क्योंकि टैण्डर आने में भी थोडा समय लगेगा। जहां तक ओटू डैम का मामला है उसका भी लगभग काम भुरू होना बाकी है। आप अच्छी तरह से जानते हैं कि काम भुरू होने में बहुत फार्मलिटिज पूरी करनी होती हैं। यह सरकार जनता के खजाने से खिलवाड करना नहीं चाहती। जो लोन लिये गए हैं उनका सोच समझ कर इस्तेमाल करेगी। ऐसा न हो कि जल्दबाजी में कहीं उस लोन का दुरूपयोग हो जाये। सौ तरह की बातें होती हैं, हम चाहते हैं कि हमारे काम में इस लोन का दुरूपयोग न हो, सदुपयोग हो।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी आप जल्दी कंकल्यूड करें।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैं यह कह रहा हूं कि यह सरकार साढे चार साल तक सोचती ही रहेगी या कुछ काम भी करेगी ? (विघ्न) स्पीकर सर, यह तो कंटीन्यूअस प्रोसैस हैं चाहे पहले कोई सरकार रही हो लेकिन इस सरकार को पौने तीन साल हो गये हैं ये पौने तीन साल तक सोचते ही रहे और इन तीनों प्रोजैक्टों का काम भुरू नहीं किया। स्पीकर सर, मैं यह कह रहा हूं कि जो 1858 करोड रूपये का वाटर प्रौजैक्ट का मामला है और 2400 करोड रूपये का वर्ल्ड बैंक के लोन का मामला है इन दोनों के बारे में आप एक कमेटी बैठा दें इसके लिए मैं सहमत हूं। अब मैं अन्य विभागों के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। सत्ता में आने से पहले ये बार बार कर्मचारियों और व्यापारियों के बारे में जिक्र करते थे कि हम आपकी भलाई के लिए ये ये काम करेंगे लेकिन आज कर्मचारियों की क्या हालत है। उनके लिये पांचवें पे

कमी ान की रिपोर्ट लागू करने की बात थी, उनको भत्ते देने की बात थी लेकिन पांचवे पं कमी ान की रिपोर्ट पूर्ण रूप से लागू करने की बजाय या उनको पूरे भत्ते देने की बात थी लेकिन पांचवें पे कमी ान की रिपोर्ट पूर्ण रूप से लागू करने की बजाय या उनको पूरे भत्ते देने की बजाये कम दिये गये। अगर आज कर्मचारी उस बारे में आवाज भी उठाते हैं तो उन पर लाठियां चलाई जाती हैं, उनको जेलों में डाला जाता है। यहां तक कि उनको डिसमिस कर दिया जाता है। जैसे बिजली बोर्ड के 1700 कर्मचारियों को, स्वास्थ्य विभाग की 34 नर्सों को, पर्यटन विभाग के 47 कर्मचारियों को और 15 पुलिस कमाण्डोज को डिसमिस कर दिया गया। स्पीकर सर, आज वे सर्विस से अलग हो गये हैं। इसी तरह से परिवहन विभाग और दूसरे महकमों में है।

श्री अत्तर सिंह सैनीः स्पीकर साहब, बिजली बोर्ड के 1700 कर्मचारी तो सुप्रीम कोर्ट ने हटाये हैं।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, ये सुप्रीम कोर्ट द्वारा हटाये हुये नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जो हटाये हैं, वे अलग हैं। स्पीकर सर, दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि बिजली बोर्ड में कर्मचारी यूनियन के जनरल सैक्रेटरी मिस्टर जग्गा हैं उनके साथ इन्होंने ऐसा व्यवहार किया मानो 1920 में अंग्रेजों के टाईम की पुनरावृत्ति की हो। 1920 में लोकमान्य तिलक ने टैक्सटाईल इण्डस्ट्रीज, बम्बई की लेबर की बात उठाई थी और उस वक्त उन पर जुर्माना लगाया गया था कि आपने काम में गडबड कराई है। उसी तरह से मिस्टर जग्गा को इन्होंने 15 लाख रूपये का आरोप पत्र थमा दिया कि आपकी वजह से बिजली बोर्ड में हडताल हुई और आपकी वजह से बहुत नुक्सान हो गया है। यही हालत आज व्यापारियों की है। आप कहते हैं कि टैक्सों का सरलीकरण करेंगें। चुंगी खत्म करेंगे, टैक्स कम करेंगे, इन्सपैक्ट्री राज समाप्त करेंगे। लेकिन सब कुछ ही उल्टा हो रहा है। जहां तक प्र ाासनिक अधिकारियों का सवाल है, आज हरियाणा में 180 आई0ए0एस

अधिकारियों का कैडर है और 140 वास्तविक स्ट्रैंग्थ है और 140 में से 68 एफैक्टिड है जिनको या तो सस्पैंड किया गया है या ए0सी0आर0 डाऊन मार्क की गई है या फिर चार्ज भीट इ ू की गई है। यही हाल आई0पी0एस0 अधिकारियों के साथ हो रहा है। उनको भी चार्ज ीट देकर सस्पैंड करके प्र ासनिक म ीनरी को ठप्प कर रहे हैं। एक केस में तो कोर्ट ने सरकार को सी0बी0आई0 से जांच कराने को कहा और सी0बी0आई0 ने उस अधिकारी को निर्दोश माना तो ऐसे में सरकार कहां स्टैण्ड करती है। इसी तरह की पोजी ान हमारी एच0सी0एस0 सर्विस की है जो कि हमारी स्टेट की प्रीमियर सर्विसिज हैं इनमें से प्रमोट होकर आई0ए0एस0 भी बनते हैं। परन्तु प्रमो ान कोटे के आज भी 35 पद खाली पडे हैं। अभी तक इन्हौंने डी0पी0स0ी की मिटिंग नहीं बुलाई है। मेरा अंतिम प्वाएंट कानून और व्यवस्था के बारे में हैं। इस बारे में कुछ बातें मैं आपके सामने रखना चाहता हूं। आज प्रदे ा में कानून और व्यवस्था की बहुत बुरी हालत है। आज सुबह प्र नोत्तर काल के समय कानून व्यवस्था के बारे में जो आंकडे सामने आये थे उन आंकडों से बिल्कुल स्पश्ट तौर पर जाहिर होता है कि people are living under the shadow of criminals. जब भाराब बंदी लागू करने की बात थी तो उसको हमने भी स्पोर्ट किया था लेकिन भाराब बंदी लागू करने से प्रदे ा में एक भाराब माफिया बन गया। एक महीने बाद जो रिजल्टस आये तो ये लोग माफिया के रूप में भाराब बेचने लगे। वह काम भी सरकारी संरक्षण प्राप्त लोग ही कर रहे थे। नये नये हथियार लेकर, गाडियां लेकर और सैल्यूलर फोन के जरिये बाहर से भाराब लाकर हरियाणा प्रदे ा में बेचते थे। वह भाराब माफिया अपराध माफिया बनता जा रहा था तब हमने उसका विरोध किया।

Mr. Speaker: Sampat Singh ji, please conclude.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, हमने कहा था कि भाराब माफिया एक अपराध माफिया बनता जा रहा है, उसे रोको।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, कृपया कन्कलूड करें।

श्री सम्पत सिंहः सर, मैं लॉ एण्ड आर्डर की कुछ बातें कह कर अभी कन्कलूउ कर रहा हूं। हमने कहा था कि जो भाराब माफिया क्राहम माफिया बन गया है इसे रोको अगर उस वक्त हमारी बात सुनते तो इनको ..... न पडता और अपना भाराब बन्दी का फैसला वापिस न लेना पडता और आज भाराब माफिया अपराध माफिया न बनता।

श्री अध्यक्षः थूक कर चाटना भाब्द रिकार्ड न किया जाए।

वाक–आउट

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं कानून और व्यवस्था पर बोलना चाहता हूं। .....

Mr. Speaker: Nothing to be recorded. (Interruptions). Whatever is being said by Sh. Sampat Singh will not go on record.

Sh. Sampat Singh: Sir, kindly allow me to conclude my speech.....

Mr. Speaker: I have requested you so many times to conclude your speech but you have not concluded then. (Interruptions). Now it is final that you cannot speak.

Sh. Sampat Singh: Sir, kindly review your decision.

Mr. Speaker: No. I would not review it. You please take your seat.

(इस समय बहुत से सदस्य खडे होकर बोलने लगे।)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, यदि आप हमें बोलने के लिए समय ही नहीं देते हैं तो हम ऐज ए प्रोटैस्ट सदन से वॉक आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित लोकदल (राश्ट्रीय) के सभी सदस्य सदन से वॉक ऑऊट कर गए)

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by half an hour.

Voices: Yes.

Mr. Speaker: The time of the sitting is extended by half an hour.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्रीमती करतार देवी (कलानौर–एस0सी0): अध्यक्ष महोदय, आदरणीय राज्यपाल महोदय ने लोकतांत्रिक परम्परा के अनुसार हम सभी सदस्यों को अपने अभिभाशण द्वारा संबोधित किया है। सरकार द्वारा अपनी उपलब्धियों का जो प्रोरूप अभिभाशण के रूप में राज्यपाल महोदय को दिया गया उसको उन्होंने पढा है। इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करती हूं लेकिन इस सारे प्रारूप को पढने से पता लगता है कि यह सारे का सारा प्रारूप एक असमर्थ, असवेंदन ील और हता ा सरकार की गुहार है। जैसे बच्चा पालने में पहुंचने से पहले ही मृत्यु का ि ाकार हो जाता है, वैसा ही यह प्रारूप है। इस अभिभाशण को बार बार देखने से मुझे एक बात याद आती है। दो दोस्त थे औरवे दोनों भूखे थे। एक दोस्त ने सुबह उठ कर दूसरे दोस्त को कहा कि रात मैंने सपने में दाल रोटी खाई। इस पर दूसरे दोस्त ने कहा कि अगर सपने में ही खाना खाना था तो कम से कम खीर या हलवा ही खाता। अध्यक्ष महोदय, मुझे इस सरकार का यह प्रारूप भी ऐसा ही लगता है। इस प्रारूप में जिन योजनाओं का जिक्र किया गया है वे ऐसी ही योजनायें लगती हैं। (ोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि चाहे मुझे आप 10 मिनट का ही समय दें लेकिन कोई भी सदस्य बीच में न बोले और मेरी बात ध्यान से सुनें। कम से कम सत्ता पक्ष के सदस्य तो भोर न

करें। उन्हें तो सब्र रखना ही चाहिए क्योंकि उनको तो कुछ क्रिटीसिज्म सुनना ही पडेगा। लेकिन ये सत्ता पक्ष के सदस्य भाब्दों पर भी झगडा करने लगते हैं। यह गलत है। किसी व्यक्ति वि ोश की बात हो तो दूसरी बात है लेकिन ये तो सच्चाई को भी नहीं सुनते। इनकी बेसब्री यह दिखा रही है कि कहीं न कहीं दाल में कुछ काला है। अध्यक्ष महोदय, जो राज्यपाल महोदय के अभिभाशण की प्रति है उसमें यही लिखा हुआ है कि यह योजना है और यह सरकार के विचाराधीन है। कहीं कहीं पर यह भी कहा गया है कि इस योजना को सरकार ने सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। यही नहीं बल्कि मुझे बडे अफसोस के साथ कहना पड रहा है कि राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में पिछडे वर्ग के विद्यार्थियों के उत्थान के लिए राज्य सरकार द्वारा कई प्रकार की प्रोत्साहन स्कीमें आरम्भ किए जाने की बात कही है लेकिन इन्होंने एक भी स्कीम चालू नहीं की है। केवल चालू करने का प्रस्ताव है। इन्होंने यह भी नहीं कहा कि उनमें से इस साल से एक या दो स्कीम भाुरू कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह तो मैंने छोटी सी बात का उदाहरण दिया है। जब इस प्रकार की रूपरेखा तैयार की गई है तो इससे सरकार की असमर्थता नजर आती है और इसकी बिल में भी कमी नजर आती है। ये जो कुछ कह रहे हैं उसको पूरा भी कर पायेंगे या नहीं यह इनको मालूम नहीं है। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में कहा है कि रचनात्मक परिचर्चा की बात होनी चाहिए इसलिए मेरे भी चंद भाब्द इस चर्चा में भाामिल किये जायें। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने लोकपाल की नियुक्ति के बारे में कहा है। यह एक भाुभ संकेत है ब ार्ते की बदले की भावना से न हो। इसमें एक लाईन बहुत अच्छी कही गई है कि हमारी सरकार सार्वजनिक जीवन में स्वच्छता लाने के लिए भ्रश्टाचार को मिटाने के लिए कृत संकल्प है। यह बडी अच्छी बात है। मैं तो यह कहती हूं कि आप लोकपाल की बात को छोडिए आप अपनी किसी भी एजैंसी के हजारों नौजवानों को भ्रश्टाचार से मुक्ति दिलवाओ। जिन नौजवानों ने पुलिस में भर्ती

के लिए पैसे दिये और भर्ती भी नहीं हुए उन्हें न्याय दिलवाओ। जो पैसे देकर भर्ती हो गये वे तो नहीं कहेंगे कि उन्होंने पैसे दिये हैं क्योंकि वे तो भर्ती हो गये, लेकिन जो भर्ती नहीं हुए, उनसे पूछो भर्ती में कितने पैसे दिये हैं आप इन बातों की ओर ध्यान दें। इस बारे में मैं ज्यादा बात नहीं करूंगी क्योंकि मुझे पता है कि आप मुझे अपनी बात कंकल्यूड करने का मौका नहीं देंगे। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में बिजली परियोजना की चर्चा है। स्पीकर साहब, इस सरकार को सच्चाई स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं करना चाहिए। सरकार सरकार है। सरकार आती है चली जाती है यह तो एक प्रोग्राम है जो चलता रहात है। पहले भी परियोजनाएं बहुत बनी थीं यह भी सच्चाई है। आपने जिन परियोजनाओं पर प्रैक्टिकली काम किया है यह अच्छी बात है। लेकिन जो नई परियोजनाओं का आपने जनता को झांसा दिया है। यह झांसा आप किसी पोलिटिकल स्टेज पर दे सकते हैं। यहां हाऊस में इस प्रकार का प्रद र्न अच्छा नहीं है। बिजली के बारे में जनता की आवाज है कि बिजली नहीं आती लेकिन बिल जरूर आते हैं। जैसे पहले डोमैस्टिक का बिल 500 रूपए का आता था अब वह 3000 रूपए का आता है और बिजली बोर्ड वाले वह बिल लोगों से वसूल कर रहे हैं। स्पीकर साहब, आ चर्य की बात यह है कि किसानों पर सरकार की ओर से यह आरोप लगाया जा रहा है कि किसान बिजली के बिल नहीं दे रहे हैं। मैं सरकार से प्रार्थना करती हूं कि सरकार उन दिनों को याद करे जिन दिनों बाढ का पानी खेतों में खडा था और बिजली की तारें पानी में डूबी हुई होने के कारण सरकार ने खुद बिजली के कनैक्शन कटवाए थे। वे बिजली के कनैक्शन आज तक नहीं जोडे गए हैं। लेकिन बिजली बोर्ड ने आज तक यह फैसला नहीं किया कि जिन दिनों में बिजली के कनैक्शन कटे हुए थे उन दिनों का बिजली का बिल माफ होना चाहिए। जब सरकार ने खुद बिजली के कनैक्शन कटवाए तो फिर उन दिनों के बिजली के बिल माफ करने की बात क्यों नहीं की गई। कोई सदस्य या कोई किसान

ऐसा नहीं चाहता कि बिजली मिले नहीं और उसका बिल भी भरा जाए। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगी कि खेतों में बाढ का पानी खडा होने के कारण सरकार ने बिजली के कनैक ान खुद कटवाए। वह कनैक ान इसलिए कटवाए ताकि पानी में करंट न आ जाए और किसी की जान न चली जाए। वे कनैक ान आज तक नहीं जोडे गए हैं लेकिन कनैक ान कटे रहने के बावजूद भी बिजली के बिल आ रहे हैं उन दिनों के बिजली के बिल माफ नहीं किए गए हैं ऐसा हमने देखा है। मेरा सरकार से अनुरोध है और आ ा भी है कि सरकार किसानों के बारे में सोचेगी और उन दिनों के उनके बिजली के बिल माफ करेगी जिन दिनों में सरकार ने खुद बिजली के कनैक ान कटवाए थे। जिस तरह से सरकार ने बिजली के रेटस बढाए उनकी मैं चर्चा नहीं करती। हो सकता है उसमें सरकार को कुछ मजबूरी हो लेकिन मजबूरी को ध्यान में रखते हुए हर वैल्फेयर सरकार को कुछ न लेने के लिए कमिटमैंट करनी पडती है। उसके लिए सरकार पर जो कुछ बोझ पडता है उस बोझ को उठाना भी पडता है। जनता की भलाई के लिए इस ढंग से बिजली के टैरिफ मुकरर्र करें जिससे जनता का भला हो सके। हम आपकी प्र ंसा करेंगे। बिजली के बारे में आपने जो कम्पनियां बनाई हैं और ज्वायंट बैंचार की बात कही गई है यह ज्वायंट बैंचर धीरे धीरे प्राइवेट हो जाएगा। मैं इसका विरोध नहीं करती क्योंकि इसमें भारत सरकार के सामने वि व बाजार की बात आ गई उसमें हरियाणा अछूता नहीं रह सकता। अनाज के राश्ट्रीकरण की वजह से इसमें आज उदारीकरण है इसी वजह से उत्पादन करने वाले को छूट है, उसको प्रोत्साहन है। उसी तरह से आप किसानों को बिजली के बारे में सुविधाएं दें। जो बिजली आपने किसानों को देनी है, गरीब से गरीब आदमी को उनकी झोंपडियों में लटटू जलाने के लिए देनी है उसकी कीमतों पर कंट्रोल जरूर करें। आप ज्वायंट बैंचर के चक्कर में न पडें। अब मैं सिंचाई के बारे में कहना चाहूंगी। यह बात सही है कि नहरों की डीसिल्टिंग हुई है। नहरों में से

गाद निकाली गई है। मेरा तो कहना है कि नहरों में यदि पानी ही नहीं होगा तो उनकी टेलों तक पानी कैसे पहुंचेगा। मेरे जिले की यह वि ोश समस्या है। मेरे एक सवाल के लिखित जवाब में मंत्री जी ने लिखा है कि एक महीने में नहर 8 दिन चलेगी। और उस दौरान कहीं बीच में नहर कट जाएगी तो जिसकी पानी की बारी होगी उसको एक महीना और पानी नहीं मिलेगा।

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैंने ऐसी कोई बात नहीं कही कि नहर महीने में 8 दिन चलेगी।

श्रीमती करतार देवी: मेरा एक सवाल था उसके लिखित उत्तर में यह कहा गया है। इसलिए मैं यह कहना चाहती हूं कि आप 8 दिन की बजाये नहर को 10 दिन चला दें ताकि किसानों को पानी मिल सके। अध्यक्ष महोदय, यहां पर हथनी कुण्ड बैराज के बारे में जिक्र किया गया कि यह जून 1999 तक अव य पूरा हो जाएगा। हम भी चाहते हैं कि यह जल्दी पूरा हो ताकि लोगों को राहत मिल सके।

अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में नई सडकें बनाने की बात कही गई कि केवल 65 किलोमीटर नई सडक बनेगी। इसका मतलब यह हुआ कि यह नई सडक भी 1–1 किलोमीटर लम्बी सत्ता पक्ष के सदस्यों के हल्कों में ही बन पाएगी। इस 1–1 किलोमीटर लम्बी सडकें बनाने के बारे में हमारे हल्कों का नम्बर आने वाला नहीं है। इस साल सरकार केवल मात्र 65 किलोमीटर सडकें नई बनाएगी तो उसके लिए हम सरकार की क्या प्र ांसा करें। अध्यक्ष महोदय, नई सडकें तो बनानी दूर की बात रही जो पुरानी सडकें टूटी पडी हैं उनकी रिपेयर भी सरकार अब तक नहीं कर पायी है। टूटी हुई सडकों की रिपेयर के बारे में सदन के नेता ने कहा था कि सभी टूटी सडकों की रिपेयर हो जाएगी। इस समय के मुख्य मंत्री जी के बारे में एक समय यह कहा जाता था कि जो यह वायदा करते हैं उसे पूरा करवाते हैं।

लेकिन मुझे अफसोस के साथ कहना पड रहा है कि आज तक सडकों की रिपेयर नहीं हो पायी है। मेरा कहने का मतलब यह है कि सरकार किसी काम को करने का जो वायदा करती है उसे पूरा नहीं कर पाती।

अध्यक्ष महोदय, एक बात मैं अपने क्षेत्र के जल निकासी के बारे में कहना चाहूंगी। मैं कहना चाह रही हूं कि जहां पर बारि ा का पानी किसानों की जमीनों में खडा हुआ था वहां पर बहुत सी जगहों से अब भी पानी नहीं निकाला गया है। पानी न निकलने के कारण किसानों की तीन तीन फसलें मारी जा चुकी हैं लेकिन पानी की निकासी की तरफ सरकार का ध्यान नहीं जा रहा। मेरे हल्के से ड्रेन नं0 8 निकलती है मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगी कि उस ड्रेन की कैपेसिटी बढायें बिना और इसमें दो ड्रेन और लाकर डाल दी गई। भगवान न करे 1995 जैसी बाढ आ गई तो फिर मेरे हल्के का क्या होगा क्योंकि एक तो पहले ही इस ड्रेन से पानी पूरा नहीं निकल पा रहा था और अब सरकार ने दो ड्रेन उसमें और लाकर डाल दी। अब यदि वैसी बाढ आ गई तो इस ड्रेन को इस ड्रेन नं0 8 में डालने पर कोई प्रोटैस्ट नहीं किया। ये जो दो ड्रेन निकाली गई उनके बारे में मैं भाुरू से कहती रही कि इनका लैवल ठीक नहीं है लेकिन उस वक्त मेरी बात किसी ने नहीं सुनी। अब इन ड्रेनों में जो पानी खडा है उसको पम्पों से उठा कर आगे डाला जा रहा है। जो बात मैं कह रही हूं उससे किसी को दुःखी होने वाली बात नहीं है। मैं सही बात कह रही हूं। इस तरह से जो फिजूल खर्चा किया जाता है उसको जो बोझ पडता है वह किसी पार्टी पर नहीं पडता बल्कि प्रदे ा की जनता पर पडता है। जो सही बात नहीं होगी उसको कहने का हमारा अधिकार है।

श्री अध्यक्षः आप यह बताएं कि आपके हल्के के किस गांव की जमीन में अब भी बरसात का पानी खडा है।

श्रीमती करतार देवीः खुद मेरे हल्के के मेरे गांव कलानौर की जमीन में बारि ा का पानी अब भी खडा है।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): बहन जी क्या आपने खुद वह ड्रेन बनाये जाने के बारे में मांग नहीं की थी ? जब पीछे बाढ का पानी आया था तो उस वक्त केलंगा और खरक व दूसरे गांवों में काफी पानी खडा हो गया था। उस वक्त क्या आपने वह ड्रेन बनाने की बात नहीं कही थी ?

श्रीमती करतार देवीः मैंने मांग की थी लेकिन मेरी मांग तो मानी ही नहीं गई। जिस जगह से ड्रेन निकालने की मैंने मांग की थी वहां से तो ड्रेन निकाली ही नहीं गई।

अब मैं एक बात सार्वजनिक वितरण प्रणाली के बारे में कहना चाहूंगी। मैं सरकार का ध्यान आकर्शित करना चाहूंगी कि सरकार की मौजूदा नीति के कारण हजारों हजारों लोग गरीबी की रेखा के नीचे आने वाली लिस्ट में आने से वंचित हो गए हैं। मैंने इस बारे में अधिकारियों से पूछताछ की तो वे कहने लगे कि सेन्ट्रल गवर्नमैंट की गाईड लाईन ही ऐसी है कि यदि किसी ने दो कमरे डाल रखे हैं तो वह भी गरीबी की रेखा के नीचे आने वाली लिस्ट में नहीं आयेंगे। इन गरीब लोगों ने किसी भले वक्त में अगर कमरे उनको खाने को देंगे। अब उनकी रिपेयर के लिए भी तो पैसा चाहिए।

14.00 बजे।

अगर भारत सरकार की कोई भार्तें हैं तो उन्हें सुधारा जा सकता है। हरियाणा को बिहार न समझा जाए। हरियाणा की सामाजित परिस्थितियों को मददेनजर रखा जाए और उसके मुताबिक ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने वाले लोगौं की जो लिस्ट बनाने जा रहे हैं, उसको सही बनाया जाए। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो नॉर्म्ज हैं वे भारत सरकार के हैं लेकिन स्टेट गवर्नमैंट उन्हें बदल सकती है। मैं दो

चीजें आपके नोटिस में लाना चाहता हूं। अब एटथ फाईव इयर प्लॉन है। हरियाणा बनने के वक्त साढे तीन लाख फेमिलीज गरीबी रेखा से नीचे थीं और 1996 में जो इनका रिव्यू किया गया है उसके अनुसार अब हरियाणा के अन्दर 37 लाख पापुले ान गरीबी रेखा से नीचे है। सरकार ने दो रंग के रा ान कार्ड रखे हैं पीले रा ान कार्ड बिलो दि पावरटी लाईन के लोगों के लिए हैं। मैं मध्य प्रदे ा गया था वहां पर मजदूर को 15 रूपये डेली वेज मिलते हैं जबकि यहां पर 100 रूपये की मजदूरी मिलती है, इस बात को भी मददेनजर रखा जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आपको मालूम ही है कि पर कैपिटा इन्कम में हरियाणा पूरे भारत वर्श में नम्बर दो पर था। इसलिए यह नॉर्म सरकार रख सकती है कि जिसके पास जमीन नहीं है, जिसके पास रोजगार नहीं है उसको गरीबी रेखा से नीचे रख सकते हैं।

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने जो बात कही कि जिन लोगों के नाम गरीबी रेखा से नीचे होने चाहिए थे उनके नाम गरीबी रेखा से नीचे नहीं है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात इनके नोटिस में लाना चाहता हूं कि इनकी सरकार के वक्त में गरीबी रेखा से नीचे लोगों का जो सर्वे हुआ था उसमें विधायक तक के नाम भी भाामिल थे। (विघ्न एवं भाोर) 50–50 एकड जमीन वालों के नाम भी गरीबी रेखा से नीचे वाले लोगों में भाामिल किए हुए हैं जो इंकम टैक्स देते हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: वह तो उदारीकण था। (विघ्न) बहन जी, आप बोलिए। (विघ्न)

श्रीमती करतार देवी: स्पीकर सर, यह बहुत ही गम्भीर तथा पूरे प्रदे ा की समस्या है जो मैंने आपके सामने रखी है। गरीब लोगौं में इस बात को लेकर त्राहि त्राहि मची हुई है इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करना चाहूंगी कि वह इस बारे में गम्भीरता से विचार करे और कार्यवाही करे। स्पीकर सर, माननीय विकास

मंत्री साहब कह रहे थे कि कागजों में हेरा फेरी की गई तो मैं यह कहना चाहूंगी कि अगर कोई ऐसी बात की भी गई होगी तो प्रदे ा के हित में और लोगों के हिम में ही की गई होगी क्योंकि जिस आदमी ने रा ान मोल लेकर खाना है आप उन लोगों के बारे में भी सोचिए। जिसने रा ान मोल लेकर खाना है और उसका नाम गरीबी रेखा के नीचे नहीं है तो उसका कार्ड भी नहीं बनेगा और अगर रा ान कार्ड भी नहीं बनेगा तो फिर यह सार्वजनिक वितरण प्रणाली आखिर किस काम आएगी। (विघ्न)

पंचायत एवं विकास मंत्री (श्री कंवल सिंह): अध्यक्ष महोदय, बहन जी सत्य बात कह रही हैं, लेकिन ये हरियाणा के हितों की बात कह रही हैं या हरियाणा के हितों के खिलाफ बोल रही हैं। अगर नियम के मुताबिक चला जाए और केन्द्रीय सरकार के जो नियम हैं उनके मुताबिक चला जाए तो हरियाणा प्रदे ा में कोई भी व्यक्ति गरीबी रेखा से नीचे नहीं मिलेगा।

श्रीमती करतार देवी: अध्यक्ष महोदय, मैं पहले मान चुकी हूं कि भारत सरकार की गाईड लाईन्ज हैं लेकिन भारत सरकार कोई ब्रिटि ा की नहीं है। भारत सरकार को जागृत करना चाहती हूं कि ऐसी छोटी छोटी बातें हैं जिसमें हजारों गरीब आदमियों का आप बे मतलब में गला काट रहे हैं। मेहरबानी करके खुद को जगाओ और हरियाणा की सामाजिक परिस्थितियों के हिसाब से उसका सर्वे करवाने की कृपा करें। मैं समाज कल्याण के बारे में कहना चाहूंगी। जो पुरानी योजनाएं थी वही योजनाएं आज भी चल रही हैं। अध्यक्ष महोदय, मुझे भी एक बार मंत्री रहने का मौका मिला तब से ये योजनाएं चली हुई हैं। अभी मुझे एस0सी0, एस0टी0 एंड बी0सी0 कमेटी में इन स्कीमों को रिव्यू करने का मौका मिला। स्पीकर साहब, यह देखकर बडा दुःख हुआ कि अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति के बच्चों को पुस्तकों के लिए साल में 10 रूपए का अनुदान और अटैंडैंस के लिए महीने में 10 रूपए का वजीफा दिया जाता है। यह बहुत कम है। सरकार

द्वारा इन सारी योजनाओं की तरफ ध्यान दिया जास। अभी आपने महात्मा गांधी जी की 50वीं जयन्ती मनाई है और कल उसका समापन होना है। गांधी जी का वि ोश तौर पर गरीब लोगों के लिए और हमस ब लोगों को उन्होंने स्पश्ट निर्दे ा दे रखे हैं कि जब तक हर आंख का आंसु पोंछ नहीं देंगे तब तक हमारा यह संघर्श चलता रहेगा। अध्यक्ष महोदय, उनको 10—10 रूपए देने की रा ि ा बहुत पहले से नि ि चत कर रखी है, इस रा ि ा को बढाने की आव यकता है। इसके साथ ही मैं विधवा पैं ान के बारे में भी बताना चाहूंगी कि विधवा पैं ान लेने के लिए जो फार्म विधवाओं को भरना पडता है वह बहुत ही जटिल है। उसको भरने के लिए बेचारी विधवा को इधर उधर जाना पडता है। इसलिए उस फार्म का सरलीकरण किया जाना बहुत जरूरी है। विधवाओं के बारे में केवल यही पता लगाया जाना चाहिए कि उनका कमाई का कोई साधन है या नहीं। उनकी पैं ान पूरे वर्श चलती रहनी चाहिए। साथ ही एस0सी0, एस0टी0 एंड बी0सी0 के लोगों को आज कोई फायदा दिखाई देता है तो वह सरकारी नौकरी का है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगी चूंकि मैं एस0सी0, एस0टी0 एंड बी0सी0 कमेटी की मैम्बर हूं और हर विभाग की तरफ से हमें यह रिपोर्ट आई है कि एस0सी0, एस0टी0 एंड बी0सी0 की पोस्टस भरी नहीं गई हैं। उसमें भार्टफाल हैं। मैं तो यह चाहती हूं कि इन जागृति के दिनों में उन लोगों को मुख्य धारा में बनाए रखने के लिए जो राश्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कभी पूना पैक्ट में डाक्टर अम्बेदकर के माध्यम से यह वि वास दिया था उसको पूरा करने के लिए कोई ऐसी स्कीम बनाएं और कहें कि हम रिजर्व कैटेगरी की पोस्टस को भरेंगे और कैरिफार्वर्ड नहीं करेंगे। जबकि सैंटर ने कहा है कि अगर पोस्ट नहीं भरी जाती है तो वह कैरिफार्वर्ड होगी। इसलिए मैं यह चाहती हूं कि सैंटर की तरह से यहां पर भी वह सिस्टम होना चाहिए। अगर आप हरियाणा प्रदे ा को सबसे आगे बढाना चाहते हैं तो यहां पर पंजाब पैटर्न पर सर्विस में रिजर्वे ान लागू होनी चाहिए। इसके अलावा मैं

महिलाओं के लिए भी यहां पर वकालत करूंगी। जब हर क्षेत्र में उनको आगे लाने की कोि ा ा की जा रही है तो सर्विस में भी उनके लिए वि ोश व्यवस्था करवाएंगे तो आपकी बडी मेहरबानी होगी। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आज एक महिला के सामने अपने घर को चलाने में मुि कल होती है और उसका पूरा सम्मान भी तभी होगा जब वह खुद अपने पैरों पर खडी होगी और परिवार की आमदनी में उसकी सांझेदारी होगी। आज जो यह महिलाओं को जलाकर मारने की घटनाएं हो रही हैं या दूसरी अन्य घटनाएं घट रही हैं, अगर उनको नौकरी मिल जाएगी तो ये घटनाएं कम हो जाएंगी और इन पर रोक लग जाएगी। (विघ्न) स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहती हूं कि आज कई स्कीमें हैं इन्डस्ट्रीयल ट्रेनिंग की स्कीम है दूसरी और कई स्कीमें हैं उनको चालू रखना चाहिए। मुझे अफसोस के साथ कहना पडता है कि कलानौर में एक आई0टी0आई0 हमारी सरकार के समय में स्वीकृत की गई थी और उसकी आधारि ाला रख दी गई थी। पिछले सदन में इस बारे में मैंने चर्चा की थी और मैंने उस बारे में प्वायंट आउट भी किया था। अब की बार तो स्पीकर साहब, उसका नाम ही काट दिया गया है और किन्हीं दूसरी जगहों पर आई0टी0आईज0 बनेंगी लेकिन कलानौर में नहीं बनेंगी। मैं आपके माध्यम से इन्टरस्ट्रीयल ट्रेनिंग मिनिस्टर जी से अनुरोध करूंगी कि वे कलानौर की आई0टी0आई0 पूरे क्षेत्र में एक ही है उनको बनवाने की कृपा करें।

इसके साथ ही मेरे अपने क्षेत्र से संबंधित वाटर वर्कस के बारे में कहना चाहूंगी। इसकी जो स्कीमें बताई हैं उसमें बहुत सारे गांवों के नाम बताए हैं यह बहुत अच्छी बात है। आज लोग वाटर वर्कस का पानी चाहते हैं। हर गांव वाले चाहते हैं कि हरेक के घर में पानी का कनैक ान हो। यह स्कीम चालू हुई तो उसमें मेरे हल्के काहनौर को सिलैक्ट किया गया था। वहां पर वाटर वर्कस का बहुत काम हो गया था। उस पर सरकार का पैसा लगा हुआ है लेकिन 3 वर्श से उसकी कोई सुध नहीं ली गई है।

जबकि यह स्कीम सीनेटरी बोर्ड और दूसरी जगहों से कलीयर हो चुकी थी। कृपा करके उसको बनवाने की कृपा करें। वैसे हम जातने हैं कि सत्ता पक्ष के लोगों के काम हमारे से ज्यादा होंगे लेकिन आप इतना स्पश्ट पक्षपात हमारे साथ न करें कि जो चलते हुए काम हैं उनको भी रोक दिया जाए। लोगों को यह महसूस न हो कि हमने कांग्रेस का नुमायंदा चुन कर भेजा है इसलिए हमारा कोई काम नहीं हो रहा है। अगर आप ऐसा करेंगे तो इससे सरकार की कोई नेकनाम नहीं होगी। (विघ्न) स्पीकर साहब, सम्बंधित मंत्री बार बार खडे होते रहते हैं वे अब इस बात का जवाब दें कि कलानौर का आई0टी0आई0 क्यों नहीं बना और काहनौर की वाटर सप्लाई की स्कीम क्यों पूरी नहीं हुई ? अब मंत्री जी इसका जवाब दें तो मुझे भी अच्छा लगेगा। अध्यक्ष महोदय, सरकार "हरियाणा ग्रामीण विकास निधि" के अन्तर्गत स्कूलों की छत्तों को पूरा करवाने के लिए या हरिजन चौपालों को पूरा करवाने के लिए पैसा खर्च करेगी, यह बहुत अच्छी बात है। मैं इस बारे में सरकार से एक अनुरोध करूंगी कि आज चौपालों के नक ाों का यूज होने की बजाए मिसयूज हो रहा है। सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। पहले नक ो की भात्र इसलिए रखी होगी कि कम से कम इतनी जगह तो इनकी बन जाए लेकिन अब आबादी बढ रही है और बढी हुई आबादी को देखते हुए यदि किसी जगह पर आप चौपाल बनाना चाहें तो उस नक ो की भार्त ऐसी है कि आप यह काम कर नहीं सकते। वहां पर दिया हुआ अनुदान भी काम नहीं आता इसलिए मैं विकास मंत्री महोदय से अनुरोध करूंगी कि वह इस नक ो से लोगौं को निजात दिलवाएं। यह तो भारत सरकार का काम नहीं है बल्कि इसको तो ये स्वयं कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं एक बात और कहना चाहूंगी। विकास की बातें चाहे वह जन स्वास्थ्य की हों या कोई और हों, वे तभी पूरी हो सकती हैं जब स्टेट में कानून व्यवस्था ठीक रहेगी। अगर यहां पर कानून व्यवस्था ठीक नहीं है तो कोई भी काम ठीक नहीं चल सकता। अध्यक्ष महोदय, आज ही

सुबह एक प्र न के उत्तर में गृह मंत्री जी ने और मुख्य मंत्री जी ने जो बताया था उससे ही जाहिर हो जाता है कि हरियाणा प्रदे ा में कानून व्यवस्था की स्थिति कैसी है। हरियाणा के बारे में कभी चर्चा रहती थी कि कालका से लेकर होडल तक आप चले जाओ आपको इन्कम टैक्स वाले तो मिल सकते हहैं लेकिन चोर डकैत नहीं मिलैंगे। लेकिन आज स्थिति ऐसी नहीं है। हमारे प्रदे ा में कानून व्यवस्था को ठीक किया जाना बहुत जरूरी है। आज अपराधियों का संरक्षण दिया जा रहा है। देखने में यह भी आ रहा है कि अधिकारी भी बदमा ाों को पकडने की हिम्मत नहीं करते। स्पीकर सर, अगर ऐसा होगा तो फिर कानून व्यवस्था कैसे ठीक होगी ? इसको ठीक करना बाद में किसी के बस की बात नहीं होगी और यह बात हमारे हाथ से निकल जाएगी। फिर भी अगर सरकार सोचती है कि कानून व्यवस्था ठीक है तो उससे हमें कुछ लेना देना नहीं है लेकिन हमारा सरकार से यह निवेदन है कि आज प्रदे ा में कोई भी अपने आपको सुरक्षित नहीं समझ रहा है। वि ोशकर कमजोर वर्गों में असुरक्षा की भावना पनप रही है। आज जब हम महामहिम राज्यपाल और मंत्रियौं के बच्चौं को उठाने की बात सुनते हैं तो फिर आम जनता का क्या हाल होगा ? इसलिए सरकार को कानून व्यवस्था की तरफ ध्यान देने की आव यकता है। लोगों ने इसी भावना के साथ आपको पदासीन किया था कि जैसे श्रीमति इंदिरा गांधी के समय में चौधरी बंसी लाल जी ने कांग्रेस पार्टी के मुख्य मंत्री के रूप में काफी विकास किया था वैसे ही वे अब भी विकास करेंगे लेकिन आज ऐसा नहीं हो रहा है। आज आप किस प्रधान मंत्री के आ वासनों पर स्कीम्ज बनाते हैं वह पूरी नहीं हो रही हैं। मैं एक बात की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहूंगी। पहले पंजाब में भी बाढ आयी थी और हरियाणा में भी बाढ आयी थी। पंजाब में अकाली सरकार भी उनके साथ है और आप भी उनके साथ हैं। केन्द्र सरकार की तरफ से वहां पर और यहा ंपर एक सर्वेक्षण टीम बाढ के बाद आयी थी। वहां के लोगों को तो मुआवजा मिल गया परन्तु

हरियाणा को आज तक भी मुआवजा नहीं मिला। यहां की सरकार को अभी भी इस बोर में प्रतीक्षा है कि केन्द्र सरकार इस बारे में भीघ्र ही कोई निर्णय लेगी। अगर ऐसे ही चलता रहा फिर तो इस प्रदे ा का भगवान ही रखवाला है। मैं सरकार से अनुरोध करूंगी कि वह इस तरफ ध्यान दें। मैं अपनी नेता श्रीमती सोनिया गांधी का यह आ वासन दोहराना चाहती हूं कि हम विरोध के लिए विरोध नहीं करैंगे बल्कि सरकार के जो रचनात्मक काम हैं उनके लिए हम सहयोग देंगे। परन्तु अगर ब्रूट मैजोरिटी के आधार आम जनता की भावनाओं की अनदेखी की जाएगी तो हमारा यह फर्ज बनता है कि हम हर जगह पर सरकार की गलतियों को उजागर करें और लोगों को जागृत करें कि वह जल्दी से जल्दी आपसे छुटकारा पाएं, जय हिन्द।

श्री सतविन्द्र सिंह राणा (राजौन्द): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूं। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में जो बातें लिखी हैं उनको पढने के लिए उनकी मजबूरी थी या फिर सरकार ने जो लिखा उसे उन्होंने यहां पर पढ दिया। हमने विधान सभा में आने से पहले सोचा था कि विधान सभा में जो बात रखी जाती होगी सरकार उस पर पूरा ध्यान देती होगी। लेकिन यहां आकर ऐसा देखने को मिला कि यहां तो भाशण बाजी है। अगर यहां पर कोई बात रखी जाती है तो उसकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। सबसे पहले तो मैं इस बारे में कहना चाहूंगी कि राश्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम लेकर 30 जनवरी को उनकी पुण्य तिथि मनाई जा रही है। एक सच्चे महात्मा का नाम लिया गया तो हम भी यह उम्मीद करते थे कि यह सरकार इसी तरह से अच्छे काम करेगी। यहां तक कि दे ा के प्रधान मंत्री भी 30 जनवरी को उपवास रखने जा रहे हैं। यह बात उन्होंने ठीक दो दिन पहले कहीं हैं क्योंकि उनको पता है कि दे ा के अंदर इतनी महंगाई हो जाएगी और लाखों आदमी महीने में कई कई उपवास रखेंगे तू एक दिन रख लेगा तो क्या

फर्क पड जाएगा। आज राजनीति के अंदर जो भेदभाव है जो फर्क है कि ये सरकार के हैं ये अपोजी ान के हैं। यह जो सारी बातें हैं यह मैं इसलिए कहना चाहता हूं कि चाहे वह नौकरियों की बात हो, चाहे बिजली की बात हो, चाहे पानी की बात हो यह भेदभाव हमे ाा हुआ है। पीछे पुलिस की भर्ती थी उसमें लाखों नौजवानों ने हिस्सा लिया था और मुख्य मंत्री जी कहा करते थे कि नौकरियां मैरिट के आधार पर मिलेंगी। हमें तो उसी दिन इनकी नियम पर भाक होने लगा था जब इन्होंने कहा था कि किसी भी जिले में कोई भी कहीं भी भर्ती हो जाए और वही हुआ, भर्ती में इनती धांधली हुई कि क्या कहें ? मैं तो जींद की मिसाल दे सकता हूं जींद में भर्ती हुई और सलैक ान की लिस्ट लग गई। डयूटी हवलदार मोटरसाइकिल पर एक नौजवान के घर जाकर खबर देता है कि लिस्ट लग गई है और आपकी सलैक ान हो गई है। उसके घर वाले खु ा हो जाते हैं और मिठाई पार्टी में हजारों रूपया खर्च कर देते हैं। सात दिन बाद पता चलता है कि दूसरी लिस्ट लग गई है और उस लिस्ट में उस नौजवान का नाम नहीं होता है ऐसे में उसके घर वालों के दिल पर क्या गुजरती होगी जिन्होंने इतनी खु ी मनाई थी। इतनी बडी धांधली की इस सरकार से उम्मीद नहीं थी जो यह कहा करती थी कि नौकरियां मैरिट के आधार पर दी जाएंगी। मुख्य मंत्री सबके लिए सारे पद्रे ा के लिए बराबर हैं। हम यह नहीं चाहते थे कि सतविन्द्र राणा के हल्के के लोगों को ही नौकरियां मिलें। वोट तो हमारे हल्के के लोगों के भी बी0जे0पी0 और हविपा को मिले फिर नौकरियों में भेदभाव क्यों किया गया और भिवानी के लोगों को ही ध्यान क्यों रखा गया ?

परिवहन मंत्री (श्री कृश्ण पाल गुज्जर): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो नौकरियों में भेदभाव की बात कही है, मैं उनके ध्यान में लाना चाहता हूं कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी भी यहां बैठे हैं चौधरी बंसी लाल के राज में मैरिट के आधार पर नौकरी दी गई हैं।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by half an hour.

Voices: Yes.

Mr. Speaker: The time of the sitting is extended by half an hour.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री कृश्ण पाल गुज्जरः स्पीकर साहब, मैं इनको बताना चाहूंगा कि यह सब कांग्रेस के राज में हुआ करता था जब चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री हुआ करते थे। (विघ्न) चौधरी भजन लाल जी सारे हरियाणा के हिस्से की नौकरियों में से आधी नौकरियां आदमपुर हल्के के लोगों को देते थे। भेदभाव तो कांग्रेस के राज में होता था। इस राज में भेदभाव नहीं होता है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी बता सकते हैं कि 26 हजार नौकरियां आदमपुर हल्कै के आदमियों को दी गई जो कि सारे हरियाणा के हिस्से की नौकरियों में से आधी थी। भेदभाव की बात तो यह है और यह रिकार्ड की बात है। (**इस समय उपाध्यक्ष पदासीन हुए**)

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः डिप्टी स्पीकर साहब, मंत्री जी ठीक कह रहे हैं क्योंकि इनके हिस्से में तो 15 प्रति ात आरक्षित सीटें आ रही थी। मेरे हल्के में वोट तो बी0जे0पी0 और एच0वी0पी0 को भी मिले थे लेकिन एक भी लडके को नौकरी नहीं मिली। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, जब इलैक ान का समय आता है तो नौजवानों की बात की जाती है और बाद में नौजवानों के साथ बहुत भेदभाव किया जाता है। जहां तक सिंचाई की बात है आज बारि ा हुए चार पांच महीने होने को हैं लेकिन मेरे हल्के में हजारों एकड भूमि में आज भी पानी खडा हुआ है। मुख्य मंत्री जी खुद मौके पर देख कर आये हैं और उन्होंने पानी की निकासी के बारे में वायदा भी दिया था लेकिन पता नहीं इस सरकार की बात को आज के अधिकारी क्यों नहीं मानते। सभी खेतों में आज पानी

वैसा का वैसा खडा हुआ है जबकि मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि 15 दिन के अन्दर अन्दर पानी का निकास हो जायेगा। लाठर साहब, मंत्री जी बैठे हुये हैं इनके इलाके में भी खेतों में पानी की हालत ऐसी है। (विघ्न)

आवास राज्य मंत्री (श्री सतनारायण लाठर): उपाध्यक्ष महोदय, मैं भाई सतविन्द्र सिंह राणा को बताना चाहता हूं कि 1995 में भी बाढ आई थी और उस समय प्रदे ा के मुख्य मंत्री चौधरी भजनलाल जी थे। उस समय की सरकार ने किसी भी क्षेत्र के खेतों का पानी निकालने की कोि ा ा नहीं की लेकिन इस सरकार ने रात दिन एक करके प्र ाासन की सहायता से खेतों का पानी निकाल कर एक एक इंच भूमि में बुआई करवाई है। जहां तक मेरे भाई ने पुलिस भर्ती की बात कही है। जीन्द जिले में इस किस्म कोई बात नहीं हुई। भिवानी का कोई आदमी पुलिस में भर्ती नहीं किया गया सभी आदमी जीन्द जिले के ही भर्ती हुये हैं।

श्री सतविन्द्र सिंह राणा: उपाध्यक्ष महोदय, खेतों का पानी लाठर साहब के हल्के में निकाल दिया होगा मेरे हल्के में तो नहीं निकाला है। क्या यह भेदभाव की बात नहीं है ?

श्री सतनारायण लाठर: उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने किसी गांव के साथ, किसी इलाके के साथ कोई भेदभाव नहीं किया है। महम चौबीसी में 25 करोड रूपये की लागत से ड्रेन बनाने का काम हमारी सरकार ने किया है जबकि वहां से हलोदरा का विधायक है वह हमारी पार्टी का तो विधायक ही नहीं है।

श्री सतविन्द्र सिंह राणा: उपाध्यक्ष महोदय, जिन खेतों में पिछली फसल हुई नहीं और अगली फसल होने की कोई उम्मीन नहीं तो उन किसानों का बहुत बुरा हाल होगा। जो किसान सिर्फ खेती पर निर्भर हैं और उसके बेटे को नौकरी न मिले तो यह भेदभाव नहीं तो और क्या है ? (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मैं पानी निकालने की बात इसलिये कह रहा हूं कि खेतों

में पानी खडा है जिसकी वजह से पिछली फसल नहीं हुई, अगली फसल की उम्मीद नहीं और उससे आगे की फसल होने की भी उम्मीद नहीं। किसान खेती पर ही निर्भर रहता है क्योंकि उनके बेटों के पास नौकरी तो है नहीं। (विघ्न) ..... उपाध्यक्ष महोदय, यह मैं इसलिये कहता हूं कि आज जो क्राइम बढ रहा है वह इसलिये बढ रहा है क्योंकि जिस किसान के खेत में कई कई साल तक फसल नहीं होती वह भूखा मरता है तो भूखा मरता किसान क्या करेगा या तो वह लाठी उठाता है या पिस्तौल उठाता है ओर क्राईम करने पर मजबूर हो जाता है। मैं किसी की बुराई नहीं कर रहा हूं। मेरा कहने का यह मतलब है कि राजनीतिक भाोशण की जवह से ही आज नौजवान दूसरी तरफ चल दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, हम तो यह उम्मीद लगाये बैठे थे कि चुनाव के दौरान हविपा–भाजपा की इस गठबंधन सरकार ने यह बात कही थी कि हम मैरिट के आधार पर नौजवानों को नौकरी देंगे लेकिन यह सरकार नौकरियों में इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं कर पायी और न ही खेतों में नहरी पानी मुहैया कराने की कोई व्यवस्था कर पायी। उपाध्यक्ष महोदय, यह बडे आ चर्य की बात है कि कहीं तो खेतों में पानी खडा है और कहीं नहरों में पानी ही नहीं है। मेरे इलाके में गोंगणिया माईनर की टेल पर नौ महीने से पानी नहीं पहुंचा है। इस बारे में लोग मुख्य मंत्री जी से भी मिले थे, उसके बावजूद भी 8–9 महीने से उसकी टेल पर पानी नहीं पहुंचा है। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे लगता है कि उस नहर की टेल पर पानी इसलिये नहीं पहुंच रहा है क्योंकि उस हल्के से मैं विपक्ष का और नया एम0एल0ए0 हूं तथा पहली बार चुन कर आया हूं। इसलिये इन्होंने यह सोचा है कि क्या फर्क पडता है, अगर उस नहर की टेल पर पानी नहीं पहुचा। यदि कोई ठाडा एम0एल0ए0 हो तो ये उसका काम कर देंगे। (विघ्न) ..... उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह बात इसलिये कहता हूं कि ऐसी व्यवस्था होनी चाहिये कि नौजवानों को बिना किसी भेदभाव के नौकरी मिले। (विघ्न) जब सरकार भाराब बन्दी लागू करने में पूरी तरह से फेल हो गई तो

आज बिजली की बात कहने लग गई। सरकार बिजली की दुहाई देती है लेकिन ढाई पैने तीन साल हो गये, आज तक हरियाणा में एक भी बिजली का नया कनैक ान टयूबवैल के लिये नहीं दिया गया। इस सरकार ने नया कनैक ान देने की बजाय 14–15 हजार कनैक ान काट दिये। उपाध्यक्ष महोदय, ऐसा दिख रहा है कि अगर ऐसे ही कनैक ान कटते रहे तो बिजली तारों और खम्बों में ही रहेगी, घरों में और टयूबवैलों के लिये तो होगी ही नहीं। जो लोग ईमानदारी से बिजली के बिल भरते हैं, जिन्होंने कभी बिजली के बिल भरने में कोताही नहीं की उनको टयूबवैल्ज के लिये जिबजी नहीं मिलती है। कुछ ऐसे आदमी हैं जो बिल नहीं भरते और ये 30–40 परसैंट होंगे लेकिन 50 परसैंट से अधिक लोग बिजली का बिल भरते हैं। एक्सीयन साहब यह कहते हैं कि जब तक 60–70 परसैंट लोग बिजली का बिल नहीं भरेंगे तब तक नया ट्रांसफार्मर नहीं लगेगा। उपाध्यक्ष महोदय, आखिर उन आदमियों का कसूर क्या है, जो बिजली का बिल तो भरते हैं लेकिन 30–40 प्रति ात लोगों के बिल न भरने की वजह से उनको भी बिजली नहीं मिलती है। इसलिए मेरी यह मांग है कि सरकार को कोई ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि जो लोग बिजली के बिल नहीं भरते हैं, उनके तो चाहे कनैक ांज भी काट दिए जाएं परन्तु जो लोग नियमित रूप से बिजली के बिल अदा करते हैं, उनको तो बिजली अव य मिलनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया जायेगा तो लोगों के साथ बहुत भारी भेदभाव किया जाएगा। (विघ्न) सरकार में बैठे हुए इन साथियों को कुछ दिखाई नहीं दे रहा है, इनको तो सिर्फ झंडी वाली कार ही दिखाई देती है। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, आज एक एक आदमी इस बात का जवाब मांग रहा है। इसके साथ साथ गरीबी रेखा के बारे में मेरे से पहले चर्चा की गई थी कि हरियाणा में ऐसा कोई भी आदमी नहीं है जो गरीबी की रेखा के नीचे अपना जीवन यापन करता हो तथा सभी के पास पक्के मकान हैं तथा उन्होंने वैसे ही कागजों में अपने मकान कच्चे दिखा रखे हैं। मैं बताना चाहता हूं कि अभी हाल ही में इस संबंध

में जो सर्वेक्षण हुआ है, उसमें मुंह देखकर टीका लगाने का काम किया गया है। हम यह नहीं कहते हैं कि जो वास्तव में गरीब आदमी है, उसको फायदा नहीं मिले, उसको तो फायदा मिलना ही चाहिए। मगर पीछे जो गलतियां की गई हैं उनकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। अब तो सभी गरीब हो जाएंगे क्योंकि मेरा अनुरोध है कि जो वास्तव में गरीब आदमी हैं और सर्वेक्षण के दौरान वे रह गए हैं, उनका नाम अव य गरीबी की रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले लोगों की सूची में भामिल किया जाना चाहिए चाहे इसके लिए दुबारा सर्वेक्षण ही क्यों ने कराना पडें। (विघ्न)

पंचायत एवं विकास मंत्री (श्री कंवल सिंह): उपाध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि कहीं कहीं इस सर्वेक्षण में गलतियां हो सकती हैं। जो नॉमर्ज केंद्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में निर्धारित किए गए हैं, उनके अनुसार यदि सर्वेक्षण किया जाए तो बहुत कम लोग ही इस सूची में आ पाएंगे। इसलिए माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने आदे ा दिए हैं कि इस गरीबी रेखा की सूची में अनुसूचित जाति व पिछडी श्रेणी के लोगों को भामिल किया जाए फिर भी माननीय सदस्य को यदि इस बारे में कोई ि ाकायत है तो वे लिखकर के नाम हमें दे दें, वह गरीबी रेखा की सूची में भामिल कर लिया जाएगा। वैसे इस बारे में हमने बाकायदा ए0डी0सीज0 को आदे ा दिए हुए हैं कि बडे ध्यानपूर्वक यह सूची बनवाई जाए लेकिन फिर भी कोई गलती रह सकती है। लेकिन जहां तक सर्वेक्षण दुबारा से करवाने की बात है, इसमें समय बहुत लगता है, जिसके लिए बाकायदा नॉटिफिके ान होती है, इसलिए इसको दुबारा नहीं करवाया जा सकता है। हां, अगर कहीं कोई कमी रह गई हो तो उसको अव य ठीक कर दिया जाएगा।

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः उपाध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय का इस बात के लिए धन्यवाद करता हूं कि वे गरीबी रेखा की सूची बनाने में अगर कहीं कोई कमी रह गई हो, उसको ठीक

करवा देंगे। सौभाग्य से विकास मंत्री जी सदन में बैठे हुए हैं। मैं बताना चाहता हूं कि आज देहात के अन्दर गलियों व नालियों की हालत इतनी बुरी है कि उन पर चलना संभव नहीं होता है। पिछले अढाई साल के अर्से में गांव की गलियों में एक ईंट भी नहीं लगाई गई है। (विघ्न) मुझे यह बात इसलिए कहनी पड रही है कि गांवों के अंदर पानी की निकासी कहीं नहीं है। (विघ्न) मैं अपने हल्के में ले जाकर इनको स्थिति दिखा सकता हूं। (विघ्न) 22 लाख रूपए पाई में दे दो या कहीं और दे दो। (विघ्न) राजौंद हल्के में पाई हल्के की अपेक्षा गांव ज्यादा हैं। (विघ्न) आप तो अलेवा में गए थे तथा वहां पर 29 लाख रूपए देने की घोशणा करके आए थे लेकिन वहां पर आज तक एक पैसा भी नहीं पहुंचा है। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, यह बात मैं इसलिए कहना चाहता हूं कि लोकसभा सदस्य को केन्द्रीय सरकार की तरफ से हल्के के विकास के नाम पर पहले जो एक करोड रूपया मिलता था, उसको बढा कर अब 2 करोड कर दिया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, राजनीति तो मैंबर ऑफ पार्लियामैंट भी करते हैं ओर हम एम0एल0एज0 भी करते हैं। अगर सरकार यह चाहती है कि किसी भी हल्के में भेदभाव न हो तो जो 40 लाख रूपये की ग्रांट सदस्यों को अपने हल्कों के विकास क लिए पिछली सरकार में मिलती थी वह फिर से चालू कर दी जाये। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह बात मानता हूं कि जिसकी वजह से पंचायतें अपना काम नहीं कर पा रही हैं इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वह 40 लाख रूपये की ग्रांट दोबारा से रीलिज की जानी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक ला एंड आर्डर की स्थिति है वह आज हरियाणा प्रदे ा में बहुत खराब है। कहीं पर मंत्रियों की गाडियां लूटी जाती हैं, कहीं पर मंत्री के पोते को उठा लिया जाता है और कहीं पर मंत्री जी का पैट्रोल पम्प लूट लिया जाता है। जो लोग सरकार को चलाते हैं उनके साथ ऐसा है तो आम आदमी का क्या हाल होगा। यह आप अंदाजा लगा सकते हैं। इस तरफ सरकार को पूरा ध्यान देना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, पहले

हम यू0पी0 और बिहार की मिसाल देते थे कि वहां परा ला एंड आर्डर की स्थिति बहुत खुराब है। हमारे प्रदे ा हरियाणा में बहुत अच्छी है लेकिन अब हम भी उनके बराबर हो गये हैं। हमारे यहां पर भी ला एंड आर्डर की स्थिति बहुत खराब है। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक परिवहन की बात है, इस सरकार ने जिन प्राईवेट बसों को प्रमिटस दे रखे हैं वे भी ठीक तरह से काम नहीं कर रही हैं। हरियाणा प्रदे ा में सडकों की भी बहुत बुरी हालत है। पता ही नहीं लगता कि कहां पर सडक हैं और कहां पर नहीं हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदे ा में सडकों की हालत बहुत ही दयनीय है। पता नहीं चलता कि सडक में खडडा है या खडडे में सडक है। उपाध्यक्ष महोदय, हम इस सरकार से उम्मीद करते हैं कि अढाई साल में तो इस सरकार ने कुछ किया नहीं और राज्यपाल महोदय में इतना बडा अभिभाशण पढवा लिया लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि यह सरकार अपने आगे के कार्यकाल में कुछ अच्छे काम करेगी। उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने हल्के की दो चार बातें बताना चाहता हूं। एक बार मैंने पहले भी कहा था कि राजौंद 30–35 हजार की आबादी वाला कस्बा है वहां के किसान अपनी फसल बेचने के लिए कैथल जाते हैं इसलिए राजौंद में एक मण्डी बनाई जानी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, वाटर सप्लाई का भी मेरे हल्क में बहुत बुरा हाल है। आज से 15–20 साल पहले वहां पर एक वाटर सप्लाई बनी थी। इस बारे में मैंने पहले भी कहा था कि उस वाटर सप्लाई स्कीम के पानी से आधे से ज्यादा गांव वंचित हैं। जिस नहर से उस वाटर सप्लाई स्कीम में पानी आता है उसमें प ु भी पानी पीते हैं, लोग कपडे धोते हैं इसलिए वह पानी पीने के लिए ठीक नहीं है, इसलिए वहां पर एक ओर वाटर सप्लाई स्कीम बनानी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, जो काम इस सरकार ने किये हैं उसके लिए हम इस सरकार की तारीफ करते हैं। इस सरकार ने मेरे हल्के में कई स्कूलों को अपग्रेड तो कर दिया लेकिन स्कूलों में टीचर नहीं हैं। मेरे हल्के में पौपडा गांव है जहां पर नई डिस्पैंसरी तो बना दी गई है लेकिन पिछले दो अढाई

साल से वहां पर कोई भी डाक्टर नहीं है। राजौंद की बात तो मैंने कहनी ही छोड दी वहां पर चार डाक्टरों की पोस्टें हैं लेकिन वहां एक भी नहीं है। इस बारे में मैं कई बार मुख्यमंत्री महोदय जी से मिल चुकाहूं लेकिन कुछ भी नहीं हुआ। उपाध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मंत्री जी से पर्सनली भी मिला लेकिन आज तक वहां पर एक भी डाक्टर नहीं गया है जबकि वहां पर चार डाक्टर होने चाहिएं। इन भाब्दों के साथ मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर पे ा हुए धन्यवाद प्रस्ताव का विरोध करता हूं और इस अभिभाशण में जो कुछ द ार्या गया है उसके अनुरूप कुछ काम नहीं होता है। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद।

राव नरेन्द्र सिंह (अटेली): डिप्टी स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर पे ा हुए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए आपने मुझे समय दिया उसके लिए आपका आभार प्रकट करता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, लोकतंत्र की परम्परा के अनुरूप राज्यपाल महोदन ने कल हम सबके बची में अपना अभिभाशण पढा। मैं कहना चाहूंगा कि अगर सैक ान 17 जो कि हमने स्वयं बनाई है जिसके अन्दर कहा गया है कि राज्यपाल के अभिभाशण का कोई सदस्य विरोध नहीं करेगी अगर वह अडचन विरोधी पक्ष के सदस्यों के सामने नहीं होती तो मैं समझता हूं कल ही इस अभिभाशण के विरोध में विपक्ष के सारे सदस्य वाक आउट करते। डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा के अन्दर पिछले पौने तीन साल से इस हविपा भाजपा गठबंधन सरकार की जो व्यवस्था चल रही है उस व्यवस्था से हरियाणा प्रदे ा का किसान, व्यापारी, मजदूर, कर्मचारी यानी सभी वर्ग के लोग नाखु ा हैं असन्तुश्ट हैं। इस सरकार की कारगुजारी आए दिन अखबारों के माध्यम से देखने को मिलती है कि आज फलां जगह प्रद र्ान हुए आज फलां जगह हत्या हुई। डिप्टी स्पीकर साहब, पिछले 9 महीने के दौरान जितनी हत्याएं जितने अपहरण, जितने बलात्कार हरियाणा प्रदे ा के अन्दर हुए हैं मैं समझता हूं कि वह

अपने आप में एक रिकार्ड है। डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा खु ाहाली और अमन चैन के बारे में पूरे भारत वर्श में प्रसिद्ध था लेकिन आज बडे अफसोस की बात है कि जो दिल्ली के नजदीक हरियाणा प्रदे ा का एरिया है चाहे वह गुडगांव हो चाहे वह फरीदाबाद हो चाहे झज्जर का इलाका हो और चाहे सोनीपत का इलाका हो उन इलाकों में उत्तर प्रदे ा और बिहार से भी ज्यादा खराब माहौल चल रहा है। उत्तर प्रदे ा और बिहार जैसी स्थिति हरियाणा प्रदे ा की बनती जा रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, आपने अखबारों के माध्यम से पढा होगा कि आज हरियाणा प्रदे ा के अन्दर कानून व्यवस्था की यह हालत हो चुकी है कि गुडगांव के अंदर दाउद इब्राहीम सरगना माफिया के सदस्य सभ्य परिवारों के लोगों को टैलीफोन करते हैं कि इनते रूपए लेकर फलां जगह पर आओ अगर नहीं आए तो हम आपको दोबारा टैलीफोन करेंगे। आज प्रदे ा में कानून व्यवस्था की यह स्थिति बन चुकी है। हरियाणा प्रदे ा के लौग कभी अमनचैन की नींद सोया करते थे, पूरे प्रदे ा में जो भाईचारे और भांति का वातावरण था आज वह भाईचारा और भांति का वातावरण इस प्रदे ा में बिल्कुल समाप्त हो चुका है। आज प्रदे ा में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। डिप्टी स्पीकर साहब, एि ायाड गेम्ज में अगर कोई व्यक्ति विघ्न डालना चाहेगा, चाहे वह पंजाब से होकर आए चाहे वह किसी दूसरे प्रदे ा से होकर आए उसको दिल्ली में प्रवे ा नहीं करने दिया जाएगा। वह भी एक सरकार थी जिसने यह फैसला लिया। डिप्टी स्पीकर साहब, आज यह सरकार आपके सामने चल रही है। आज कल हमें हर रोज अखबारों में देखने को मिलता है कि फलां जगह यह काण्ड हो गया फलां जगह उसकी हत्या हो गई। पिछले दिनों हमें अखबारों में पढने को मिला कि एक बेबी किल्लर ने लगातार 13–14 अबोध बालिकाओं का अपहरण किया और बाद में उनकी हत्याएं कर दी। लेकिन आज तक यह नहीं पता चला कि असली हत्यारा कौन है। पहले बहादुरगढ में एक व्यक्ति पकडा गया। बाद

में पता चला कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। उस काण्ड में एक दूसरा व्यक्ति पकडा गया। वह कहने लगा कि मैंने ये हत्याएं की हैं। लेकिन बडे दुःख की बात है कि आज अब असली हत्यारा पकडा नहीं गया। आज प्रदे ा का माहौल ठीक नहीं है। आज के दिन इस सरकार के अन्दर मौजूदा विधायक, मंत्री या जो दूसरे मुख्य पदों पर बैठे हुए हैं उन लोगों में इतनी हिम्मत नहीं कि वे आराम से कहीं पर अपना जलसा कर सकें। इन लोगौं को रागनी वालों को बुला करके भीड इकटठी करवानी पडती है। इस संबंध में मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस व्यवस्था को सुधारने के लिए कदम उठाये जाने चाहिएं।

उपाध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण के अन्दर बिजली व्यवस्था की स्थिति को सुधारने के लिए जिक्र किया गया है और कहा गया है कि बिजली का सुधारीकरण करके सरकार प्रदे ा के लोगों को 24 घंटे बिजली देगी। इसके लिए सरकार भरसक प्रयास कर रही है। उपाध्यक्ष महोदय, जब से यह सरकार बनी है तब से लेकर आज तक का राज्यपाल महोदय का यह तीसरा अभिभाशण है। पिछले तीन सालों से एक ही चीज पढने को मिलती है कि प्रदे ा के लोगों को 24 घंटे बिजली मिलेगी। उपाध्यक्ष महोदय, सच्चाई की बात यह है कि हरियाणा के लोगों को 5 से 7 घंटे से अधिक बिजली नहीं दी जा रही। इस प्रदे ा का किसान बिजली के लिए तरस रहा है। खासकर दक्षिण हरियाणा के लोग बिजली न मिलने के कारण बहुत दुःखी हैं क्योंकि वहां पर सारा दारोमदार खेती पर ही है। वहां पर कोई उद्योग आदि नहीं है और न ही कोई दूसरा व्यापार है जिससे वे अपना अच्छा जीवन बसर कर सकें। वहां के किसानों को 6–7 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं मिल पा रही है और जो बिजली मिल रही है वह भी कम वोल्टेज के कारण उसे लोग यूज नहीं कर पाते। कम वोल्टेज के कारण ट्रांसफारमर नहीं बदलते। जले हुए ट्रांसफारमरों के बारे में अब सरकार ने एक नीति यह बना दी कि जब तक लोग बिजली के बकाया बिलों को भुगतान नहीं करेंगे तब

तक उसे बदला नहीं जायेगा। ऐसी पोलिसी किसान विरोधी है क्योंकि जो किसान समय परा बिजली के बिल दे रहे हैं उनके लिए भी ट्रांसफारमर न बदला जाये यह अच्छी बात नहीं है। सरकार यह कर सकती है कि जिन लोगों ने बिजली के बिल अदा नहीं किए हैं उनके कनैक ान काट दे न कि ट्रांसफारमर ही न बदले।

उपाध्यक्ष महोदय, टयबवैल्ज के नए कनैक ान देने की बात यहां पर नहीं की गई। जहां तक मेरी जानकारी है 31 मार्च 1990 के बाद सरकार ने टयूबवैल्ज के नए कनैक ान जारी नहीं किए। न ही मौजूदा अभिभाशण में इस बात का कोई जिकर गया कि इतने टयूबवैल्ज के नए कनैक ान जारी किए जाएंगे। सरकार को अपनी नीति में परिवर्तन करते हुए टयूवबैल्ज के कनैक ान जारी करने चाहिए ताकि किसानों को कुछ राहत मिल सके।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं सिंचाई की व्यवस्था के बारे में कहना चाहूंगा। जिस दिन से यह सरकार बनी है उस दिन से लेकर आज तक यह कहती रही है कि हम नहरों की टेल एण्ड तक पानी पहुंचाएंगे। लेकिन आज तक सरकार टेल एण्ड तक पानी नहीं पहुंचा पायी है। इसी तरह से एस0वाई0एल0 कैनाल का पानी दक्षिण हरियाणा को आज तक नहीं मिल पाया है। एस0वाई0एल0 कैनाल का पानी दक्षिण हरियाणा के लिए लाईफ लाईन का सवाल है। इसके बारे में पिछले अभिभाशण में जिकर किया गया था कि सरकार इस बारे में निरंतर प्रयास कर रही है। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि राजस्थान में बी0जे0पी0 की सरकार है। यहां पर भी एच0वी0पी0 व बी0जे0पी0 की सरकार है। पंजाब में अकालियों व बी0जे0पी0 की सरकार है दिल्ली में भी भाजपा की सरकार है लेकिन फिर भी इसको पूरा नहीं करवा पायी। (**इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए**) मेरी सरकार से मांग है कि सरकार पूरी मुस्तैदी के साथ इस तरह कदम उठाते हुए प्रधान मंत्री से बात करके इसे पूरा करवाने की दि ाा में कदम उठाये ताकि

दक्षिण हरियाणा के लोगों को पानी मिल सके। अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ साथ मैं सरकार का ध्यान नहरी पानी की तरफ दिलाना चाहता हूं कि यह पानी हमें महीने में केवल 10 दिन मिलता है। मैं चाहूंगा कि हमारा यह हिस्सा भी बढाया जाये ताकि पीने का पूरा पानी उस एरिया को मिल सके।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं स्वास्थ्य चिकित्सा के बारे में सरकार का ध्यान आकर्शित करना चाहूंगा। मैं सरकार के ध्यान में लाना चाहूंगा कि आज प्रदे ा के तमाम अस्पतालों की हालत बहुत बदत्तर हो चुकी है। स्पीकर सर, आप जब भी किसी भाहर मैं जाएं तो मैं आग्रह करूंगा कि वहां के अस्पताल में पर्सनली जाने का कश्ट करें। मेरे नारनौल में सिविल अस्पताल के अन्दर सबसे ऊपर मरीजों का जो वार्ड था वहां पर ताला लग चुका है और पीछे जो ओल्ड वार्ड है उसमें महिला वार्ड पर ताला लगा हुआ है। वहां पर पूरे डॉक्टर्ज उलब्ध नहीं हैं और जो उपलब्ध भी हैं वे पूरी कार्यवाही नहीं कर पाते हैं। वे अपनी डयूटी के अन्दर कोताही बरतते हैं जिससे मजदूर हो कर लोगों को प्राईवेट अस्पतालों की भारण लेनी पड रही है। अस्पताल में केवल वही व्यक्ति जाता है जिसका केस पुलिस से सम्बन्धित हो। आम आदमी आज अस्पताल से दूर हो गया है। अस्पतालों में दवाई नाम की कोई चीज सरकार की तरफ से उपलब्ध नहीं करवाई जा रही हैं इसलिए आम आदमी के पास प्राईवेट अस्पतालों में जाने के अलावा कोई चारा नहीं है। लोगों कीो अस्पतालों में कोई सुविधा नहीं मिल पा रही है इसलिए मेरा आग्रह है कि सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। जाहं तक एक्स रे म ीन का सवाल है, आम तौर पर अस्पतालों में जैनरेटर खराब पाए जाते हैं इसलिए जो भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी या सी0एम0ओ0 हो उसकी इस बारे में डयूटी लगाई जाए और सरकार की तरफ से वि ोश अनुदान दिया जाए ताकि एक्स रे म ीन, अल्ट्रा साउंड और दूसरी म ीनें ठीक हो सकें और जैनरेटर हर हालत में उपलब्ध करवाया जाए। जहां तक भ्रश्टाचार का ताल्लुक है, अस्पतालों के अन्दर कोई भी काम पै

दिए बगैर नहीं होता है इसके लिए सरकार को देखना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा के विशय में ि ाक्षा मंत्री जी का इस सदन में यह आ वासन रहा है कि सरकारी स्कूलों में अध्यापकों के रिक्त पदों को जल्दी भर दिया जाएगा और उसके बाद फिर डेट बढा दी जाती है। अध्यक्ष महोदय, जनवरी का महीना खत्म होने जा रहा है और मार्च अप्रैल के बीच में इम्तिहान हैं लेकिन हरियाणा के अन्दर बहुत से ऐसे स्कूल हैं जहां पर अध्यापका नहीं हैं। बहुत से ऐसे कॉलेज हैं जहां पर लैक्चरार नहीं हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करूंगा कि अध्यापकों और लैक्चरारों के पदों को भरने के लिए कदम उठाएं। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मैं परिवहन की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। इस समय प्रदे ा के अन्दर परिवहन व्यवस्था इतीन जर्जर और बुरी हालत में है, जहां तक मैं समझता हूं, इतनी बुरी हालत मं कभी नहीं रही होगी। स्पीकर सर, आप स्वयं एक गांवसे सम्बंध रखते हैं और आपको मालूम ही है कि गरीब आदमी से लेकर मध्यम वर्ग तक का हर आदमी बसों में सफर करता है लेकिन जब उनके कही आने जाने के लिए बस नहीं मिलेगी या बसों की व्यवस्था को खराब होगी तो वह गन्तव्य स्थान तक नहीं पहुंच सकेगा। सरकार को चाहिए कि परिवहन व्यवस्था को ठीक करे। आज हरियाणा रोडवेज घाटे में चल रही है इसलिए सरकार को ऐसे कदम उठाने चाहिएं जिससे वह लाभ में चल सके। पहले दूरदराज के प्रान्तों के लोग भी हरियाणा रोडवेज की बसों में सफर करते थे तथा हरियाणा रोडवेज दे ा भर में नम्बर एक पर चल रही थी लेकिन आज हरियाणा रोडवेज घाटे में चल रही है। इसके लिए ऐसे प्रयास करने चाहिएं कि यह लाभ में आ सके। स्पीकर सर, 125 कि0मी0 तक रूट परमिट वाली बात मुख्य मंत्री जी की तरफ से लगभग तीन साल से दोहराई जा रही है कि भीघ्र ही बेरोजगार युवकों को बसों के रूट परमिट इ ू करेंगे लेकिन अफसोस की बात है कि आज तक वह योजना सिरे नहीं चढ पाई है। केवल कागजों में ही सीमित है। अध्यक्ष महोदय,

ि ाक्षा मंत्री जी बता रहे थे कि डीजल के रेटस एक रूपया प्रति लीटर घटा दिए गए हैं। यह बात उसकी समय क्लीयर भी हो गई थी कि अन्र्राश्ट्रीय बाजार में अगर कीमतें बढती हैं तो यहां पर रेटस बढ जाते हैं और अगर वहां पर रेटस घटते हैं तो यहां पर भी रेटस में कमी आ जाती है। मैं आपके माध्यम से सरकार को कहना चाहूंगा कि अगर डीजल का रेट एक रूपया कम हुआ है तो हरियाणा के आम आदमी के लिए बसों का भाडा कुछ कम किया जाना चाहिए ताकि आम जनता को भी पता चल सके की डीजल के रेटस कम हुए हैं। बसों का भाडा कई बार बढाया गया है इसलिए सरकार की तरफ से ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि बसों का भाडा कुछ कम हो। विकास के मामले में इस सरकार के पिछले पौने तीन साल में प्रदे ा के अंदर कोई विकास का कार्य कहीं नहीं हो पा रहा है। (विघ्न) सरकार को चाहिए कि हर हल्के के अन्दर विकास कार्य किए जाएं। विपक्षी विधायकों के हल्कों के अन्दर भी डिवैल्पमैंट के कार्य होने चाहिएं। किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। पूरे प्रदे ा के अंदर विकास कार्य पूरी नेक नीयती के साथ होने चाहिएं। स्पीकर सर, जहां तक एम0एल0ए0 लोकल ऐरिया डिवैल्पमैंट स्कीम का सवाल है, आप इस बारे में अच्छी तरह से पता कर लीजिए कि राजस्थान के अन्दर ऐसी स्कीम लागू है। पिछले दिनौं में दिल्ली के एक विधायक से व्यक्तिगत रूप से मिला था और उन्होंने मुझे बताया कि पहले एक करोड रूपया दिल्ली के विधायकों को विकास के लिए मिलता था लेकिन अभी उन्होंने से ान के दौरान दो करोड की व्यवस्था हर विधायक के लिए करवाई है। अगर यह बात सत्य है तो मैं समझता हूं कि एक करोड का तो हमारा भी हक बनता है इसलिए हरियाणा के लोगों को भी यह सुविधा मिलनी चाहिए अतः सरकार एम0एल0ए0 लोकल ऐरिया डिवैल्पमैंट स्कीम हर विधायक को उपलब्ध करवाए। स्पीकर साहब, आप खुद एक ि ाक्षाविद हैं और कॉलेज में लैक्चरार रहे हैं। (विघ्न) मैं एक बहुत ही जरूरी बात आपके ध्यान में लाना चाहता हूं। यह बहुत ही महत्वपूर्ण

विशय है जिसकी तरफ मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। वै य कौलेज, भिवानी के अंदर पिछले 13 और 15 जनवरी के दिन वहां के प्रिंसिपल डॉ0 अमी लाल यादव जो कि रिटायर्ड डिप्टी डायरैक्टर एजुके ान तथा ओ0एस0डी0 रहे हैं, पर वहां के कुछ स्टुडैंअस और बाहर के व्यक्तियों द्वारा जान लेवा हमला किया गया। स्पीकर सर, यह बात बहुत भार्मनाम तथा खेदजनक है। स्पीकर साहब, बडे अफसोस की बात है कि आज तक एक व्यक्ति को छोड कर और किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने एडवांस में एस0डी0ओ, एस0एच0ओ0 और दूसरे बडे अधिकारियों को इस बारे में सूचित कर दिया था कि मुझ पर हमला हो सकता है और मेरी जान जाने का खतरा है। लेकिन प्र ाासन की तरफ से उनकी सेफटी के लिए कोई सिक्योरिटी नहीं दी गई। अब उन्होंने एज ए प्रोटैस्ट कमेटी से इस्तीफा दे दिया है। मैं आपके माध्यम से सरकार को कहना चाहूंगा कि सरकार को इस बारे में ध्यान देना चाहिए। चाहे कोई भी कर्मचारी है या और कोई है, अगर कोई ऐसी ि ाकायत करता है तो उसको पूरी सिक्योरिटी देनी चाहिए। इन्हीं भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

Mr. Speaker: Now the House is adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 1st February, 1999.

***14.56 p.m.**

(The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 1st February, 1999.)